THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक शु.2 2080 बुधवार, 15 नवंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 8+8 मूल्य : 8 रुपये**

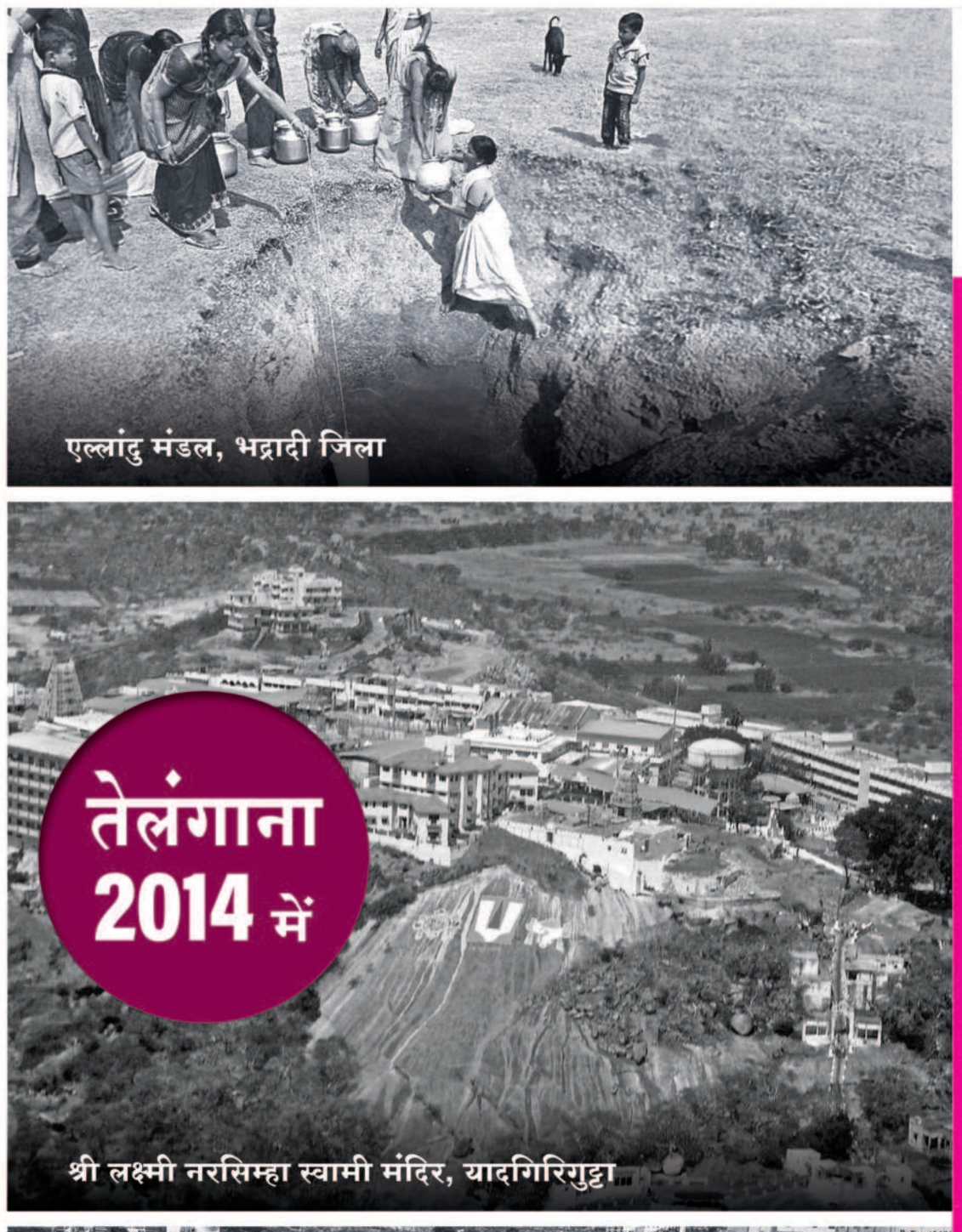

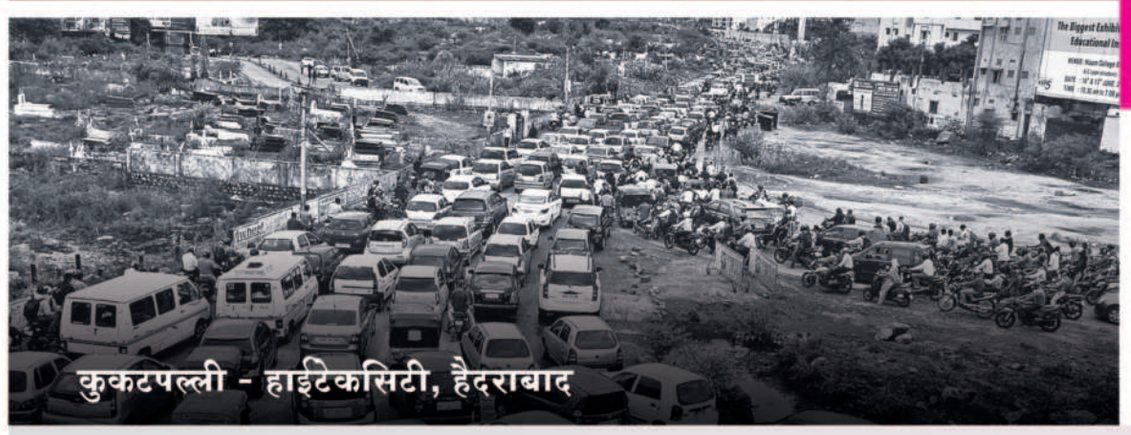

आइए
अच्छे से और बेहतर
की ओर चलें.

वोट कार
के लिए
तेलंगाना
के लिए वोट

केरल को कमजोर दिखाने के लिए दुष्प्रचार वाली फिल्में बनाई जा रही हैं : सीएम विजयन

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों को कमतर करके राज्य को नीचा दिखाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं। केरल नवोधान संरक्षण समिति के प्रदेश सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए विजयन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर केरल को कमजोर दिखाने के लिए दुष्प्रचार वाली फिल्में तक बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील आंदोलनों और संघर्षों के कारण केरल ने दुनिया का ध्यान खींचा है और देश में ऐसा प्रचार करने के प्रयास किये जा रहे हैं कि ऐसा कुछ है ही नहीं। विजयन ने आरोप लगाया कि राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की कोशिश भी की जा रही हैं और हाल में कलामसेरी बम विस्फोटों के तत्काल बाद भी ऐसा देखने को मिला था।

दामाद की जलने से मौत मामले में बरामद हुआ सुसाइड नोट, पिता ने लगाया था हत्या का आरोप

मंडी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के सरकाघाट उपमंडल के सैण बकारता गांव में दामाद की जलने से मौत मामले में नया खुलासा हुआ है। एफएसएल जांच की टीम को मृतक के पर्स से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें मृतक ने पत्नी के अलग रहने का जिक्र किया है। मृतक की पत्नी मायके में रह रही थी। जबकि पति नवीन के जलने की घटना उसके ससुराल में हुई। नवीन के पिता ने ससुराल पक्ष पर उसके बेटे को जलाने का आरोप लगाया है। पिता के आरोपों पर ही पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है।

भारतीय नौसेना हाई अलर्ट पर

कराची में चीनी पनडुब्बी पर पैनी नजर, चीन-पाकिस्तान की नेवी है साथ

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना हाई अलर्ट पर है। क्योंकि चीन और पाकिस्तान की नौसेनाएं मुंबई के करीब कराची में साथ दिखाई दे रही हैं। दोनों नौसेनाएं बड़े जंगी अभ्यास को अंजाम देने में जुटी हुई है। अरब सागर में चीन और पाकिस्तान की नौसेना का यह अब तक का सबसे बड़ा जंगी अभ्यास है। इस अभ्यास ने भारत की एजेंसियों का सिरदर्द बढ़ा दिया है। कराची में चीन की सबमरीन डटी हुई है। यह भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। क्योंकि यह मुंबई के काफी करीब है। हालांकि भारत भी इस युद्धाभ्यास को देखते हुए हाई अलर्ट पर है। जानकारी के मुताबिक भारत का सर्विलांस एयरक्राफ्ट चीन की पनडुब्बी पर नजर रखे हुए है। चीन पाकिस्तान के इस युद्धाभ्यास को सी-गार्डियन-3 नाम दिया गया है।

जंगी जहाज, पनडुब्बी मौजूद

कराची में इस समय चीन के युद्धपोतों से लेकर एक पनडुब्बी और सहायक जहाज मौजूद हैं। कराची बंदरगाह जो अरब सागर पर बना है, वहां पर नौ दिनों तक यह युद्धाभ्यास चलने वाला है। चीन की टाइप-039 पनडुब्बी और इसके सहायक जहाज पर भारत नौसेना का सर्विलांस एयरक्राफ्ट पी8 नजर रख रहा है। न सिर्फ इस पनडुब्बी पर बल्कि उसके बाकी जहाजों पर भी भारत की करीबी नजर है। चीन की पनडुब्बी और उसके युद्धपोतों ने मलक्का जलडमरूमध्य से एंट्री की है। यह क्षेत्र भी भारत के लिए रणनीतिक तौर पर काफी अहम है। साल 2013 के बाद से यह आठवां मौका है जब चीनी नौसेना ने हिंद महासागर में कोई पनडुब्बी तैनात की है।

मलक्का से पहुंची कराची

चीन की टाइप 039 पनडुब्बी, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (योजना) की डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों का एक ग्रुप है। इस ग्रुप की सभी पनडुब्बियां चीन में विकसित होने वाली पहली डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी है। सी गार्डियन-3 ड्रिल ऐसे समय में हो रही है जब हिंद महासागर में चीन की गतिविधियों में तेजी से इजाफा हुआ है। चीन ने हॉर्न ऑफ अफ्रीका में जिबूती में एक बड़े मिलिट्री बेस की स्थापना की है।

श्रीलंका मे पहले से ही डटा हुआ है चीनी 'जासूसी' जहाज

जहां कराची पोर्ट पर चीनी सबमरीन और जंगी जहाज मौजूद हैं। वहीं भारत के दक्षिण में कोलंबो पोर्ट पर चीनी 'जासूसी' जहाज भी तैनात है। भारत के ऐतराज के बावजूद कोलंबो पोर्ट पर चीनी जहाज की तैनाती को श्रीलंका चीन के दबाव में नहीं रोक पाया। कहने को तो चीन इसे रिसर्च शिप कहता है, जिसमें चीनी और श्रीलंकाई वैज्ञानिक रिसर्च करते हैं। लेकिन इसके बहाने चीन की 'जासूसी' हरकतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में कई संपत्तियां कुर्क कीं

श्रीनगर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मंगलवार को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में कई संपत्तियों को कुर्क किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जम्मू में एनआईए की विशेष अदालत के आदेश पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने अब तक जिले की काकापोरा तहसील में लगभग 20,000 वर्ग फुट की दो भूमि संपत्तियों (बगीचों) को

कुर्क किया है। उन्होंने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

तमिलनाडु में जमकर बरसात,कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी

चेन्नई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तटीय और आंतरिक जिलों में भारी बारिश हुई है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश होने के कारण कई जिलों में अधिकारियों ने मंगलवार को स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी। राज्य में उत्तर-पूर्वी मानसून के पहले भारी दौर के दौरान चेन्नई का आसमान खुलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 14 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के तटीय क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना जताई है। आईएमडी ने कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के कारण बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और 16 नवंबर के आसपास पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक दबाव में केंद्रित होने की संभावना है।

कई जिलों में स्कूल की छुट्टी

जिलों में लगातार हो रही बारिश के कारण अधिकारियों ने अरियालुर, तंजावुर, विल्लुपुरम, तिरुवन्नामलाई, नागपट्टिनम, तिरुवरूर और कुड्डालोर जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। पूर्वानुमान में कहा गया है कि चेन्नई समेत कम से कम 15 जिले भारी बारिश की चपेट में आ सकते हैं।

मुंबई में चोरी का अनोखा मामला, बुर्का पहनकर दिन दहाड़े लूट लेते थे घर, पुलिस ने दबोचा तो खुली पोल

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में बुर्का पहनकर चोरी करने वाले 2 चोरों को गिरफ्तार किया गया है। ये कार्रवाई मुंबई एमआईडीसी पुलिस ने की है। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। अनोखी बात ये है कि ये चोर दिन के उजाले में चोरी करते थे। इनका ग्रुप बुर्का पहनकर वारदात को अंजाम देता था। मुंबई के अंधेरी ईस्ट की एमआईडीसी पुलिस ने 2 चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश की और मुंबई के बांद्रा इलाके से चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार चोरों की पहचान रईस अब्दुल अहद शेख (36 वर्ष) और वसीम खालिद खान उर्फ बिल्ला (33 वर्ष) के रूप में हुई है। एमआईडीसी पुलिस ने चोरों के पास से चोरी का सामान बरामद कर लिया है।

'गली से दिल्ली तक आपकी सरकार'

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने बीजेपी पर ऐसे साधा निशाना

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली दिवाली के लिए बारामती पहुंचीं सांसद सुप्रिया सुले ने मराठा और धनगर समाज के आरक्षण की मांग को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गली से दिल्ली तक बीजेपी की सरकार है। अगर वह चाहे तो कुछ भी कर सकती है। मराठा, धनगर, लिंगायत और मुस्लिम समाज के आरक्षण की बहुत सालों से मांग है। बीजेपी ने जुमलेबाजी बंद करके इन चारों समुदायों को आरक्षण देना चाहिए। दरअसल, बारामती के प्रशासकीय भवन के सामने धनगर समाज के आरक्षण को लेकर पिछले पांच दिनों से चंद्रकांत वाघमोडे नाम का युवक अनशन कर रहा है। सांसद सुप्रिया सुले ने आज मंगलवार को उससे मुलाकात करके धनगर समाज के आरक्षण को समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि इस बारे में मुख्यमंत्री से बात करके मसले को सुलझाया जा सकता है। हमारी पहले दिन से मांग रही है कि धनगर समाज, मराठा समाज, लिंगायत समाज और मुस्लिम समाज को आरक्षण की बहुत वर्षों से चल रही मांग को माना जाए।

'पूरी ताकत से उठाएंगे लोगों की आवाज'

उन्होंने कहा कि गल्ली से दिल्ली तक बीजेपी की सरकार है। 200 विधायक यहां (महाराष्ट्र मे) हैं और 300 दिल्ली (सांसद) में हैं। अगर करना चाहे तो वह कुछ भी कर सकते हैं। मेरे ख्याल से उन्हें जुमलेबाजी बंद करनी चाहिए और धनगर, मराठा, लिंगायत और मुस्लिम समाज की जो मांगे हैं, वह पूरी करनी चाहिए। हमारी कोशिश रहेगी मैं पार्लियामेंट में रहूं या कहीं भी, जो ऑफिशियल जगह है, हमारी पार्टी पूरी ताकत से चारों समुदायों की मांगों को पूरा कराने के लिए आवाज उठाएगी।

'ये बीजेपी नहीं, भ्रष्ट जुमला पार्टी है'

सुले ने कहा कि जब महिला विधेयक संसद मे आया तभी भी मैंने महिला विधेयक के साथ-साथ आरक्षण को लेकर चर्चा करने को कहा था। मराठा, लिंगायत और मुस्लिम समाज के आरक्षण पर भी चर्चा करने को कहा तो भी नहीं की गई। क्योंकि यह बीजेपी नहीं, बल्की भ्रष्ट जुमला पार्टी है। जब अटल जी इसके नेता थे, सुषमा जी नेता थीं और अरुण जेटली थे, तब यह भारतीय जनता पार्टी थी। लेकिन अभी वक्त बदल गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का अपमान और ताकत कम करने का पाप और षड्यंत्र दिल्ली की एक अदृश्य शक्ति कर रही है। एनसीपी हो, शिवसेना हो, गडकरी जी हों या देवेंद्र फडणवीस हों, चारों आप देख रहे हैं। सारे महाराष्ट्र के बेटे हैं, जो इससे लड़ रहे हैं। लेकिन अदृश्य शक्ति दिल्ली में है, वह इस देश में महाराष्ट्र का महत्व कम करना चाहते हैं। इसीलिए यह बड़ा षड्यंत्र महाराष्ट्र के खिलाफ हो रहा है। सुप्रिया सुले ने कहा कि तीन तारीख से संसद का सत्र शुरू हो रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और मराठा, धनगर समाज, मुस्लिम समाज के जो आरक्षण के मुद्दे हैं, बेरोजगारीऔर किसानों के मुद्दों को लेकर मैं पूरी ताकत से पार्लियामेंट में लडूंगी।

राम रहीम को हाईकोर्ट से एक मामले में मिली बड़ी राहत, धार्मिक भावना भड़काने का था आरोप

सिरसा, 14 नवंबर (एजेंसियां)। डेरा प्रमुख राम रहीम जो रोहतक सुनारिया जेल में साध्वियों और हत्याओं के मामले में बीस साल की सजा काट रहे है। राम रहीम को हाई कोर्ट से एक मामले में बड़ी राहत मिली है। पंजाब के जालंधर में राम रहीम के खिलाफ धार्मिक भावना भड़काने का मामला दर्ज किया गया था। इस एफआईआर के खिलाफ राम रहीम की तरफ से पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में झूठे मामले को लेकर याचिका डाली। इस केस में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राम रहीम को राहत देते हुए पहली ही सुनवाई में इस एफआईआर को क्वेष (रद्द) कर दिया।आज रोहतक में राम रहीम के वकील जितेंद्र खुराना ने मीडिया को जनकारी दी। उन्होंने दावा किया गुरमीत राम रहीम के खिलाफ जीतने भी मामले है उन सभी में वे बाहर आएंगे। राम रहीम के वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट में राम रहीम के जालंधर में एक धार्मिक भावना को भड़काने का मामला दर्ज हुआ था। जिसको लेकर हम हाई कोर्ट गए थे हाई कोर्ट ने इस एफआईआर को क्वेध कर दिया है। राम रहीम द्वारा किसी भी धर्म के खिलाफ कोई ऐसी बात कभी नही की। याचिकाकर्ता द्वारा राम रहीम के खिलाफ सात साल पुराना एक वीडियो में से एडिट कर उसके आधार पर पंजाब में मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने भी इस वीडियो की कोई जांच किए बैगर मामला दर्ज किया। मगर हाई कोर्ट द्वारा इस मामले को कवेश कर दिया है। जीतने भी राम रहीम पर मामले दर्ज है हम हाईकोर्ट में गए हुए राम रहीम सभी मामलों बाहर आएंगे।

नेल्लोर कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सुनवाईः बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का निपटारा

बेंगलुरु, 14 नवंबर (एजेंसियां)। एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आंध्र प्रदेश के नेल्लोर सिविल कोर्ट से संपर्क किया और याचिका का निपटारा किया। बेंगलुरु के थंगावेल नाम के एक शख्स ने हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि उसके माता-पिता ने उसकी पत्नी को अवैध रूप से नेल्लोर में बंधक बना कर रखा है। उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, आंध्र प्रदेश पुलिस ने उस युवती को, जिसे थंगावेल की पत्नी बताया गया, नेल्लोर सिविल कोर्ट के समक्ष पेश किया। इस मौके पर नेल्लोर कोर्ट और हाई कोर्ट वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़े रहे। ऑनलाइन पूछताछ के दौरान यह स्पष्ट होने के बाद कि महिला की थंगावेल से शादी नहीं हुई थी, उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने नेल्लोर कोर्ट की महिला से बातचीत की और चार सवाल पूछे। क्या आपने आवेदक से विवाह किया है? क्या कोई विवाह प्रस्ताव है? आप कहां रहते हैं क्या माता-पिता की ओर से कोई धमकी या दबाव है? इस पर युवती ने जवाब दिया, मैं शादीशुदा नहीं हूं और न ही शादी का कोई प्रस्ताव है। युवती ने स्पष्ट किया कि उसके माता-पिता कोई जबरदस्ती नहीं कर रहे या ना ही उन्होंने कोई धमकी नहीं दी थी। युवती के जवाब के बाद न्यायमूर्ति पीएस दिनेश कुमार और न्यायमूर्ति टीजी शिवशंकर गौड़ा की खंडपीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी। साथ ही, वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होकर आंध्र प्रदेश के नेल्लोर सिविल कोर्ट के जज जी। साथ ही हाई कोर्ट ने इस बात की सराहना की कि देविका ने मामले को निपटाने के लिए कड़ी मेहनत की। मामले की पृष्ठभूमि क्या है? बेंगलुरु के बोम्मनहल्ली स्थित गुलबर्गा कॉलोनी निवासी दिनेश थंगावेल ने हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी।

अपनी याचिका में उन्होंने कहा था कि मेरी शादी आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के सरस्वती नगर की एक युवती से हुई है। फिलहाल, युवती को उसके माता-पिता ने नेल्लोर में अवैध रूप से हिरासत में रखा है। इसलिए, उन्होंने अनुरोध किया कि राज्य पुलिस को युवती को उच्च न्यायालय के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया जाना चाहिए।

पैरोल पर जेल से बाहर आए कैदी के पास मिली दो लाख 50 हजार की चरस

उज्जैन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मादक पदार्थ के साथ युवक के आने की सूचना मिलने पर पुलिस ने सोमवार रात घेराबंदी की जहां कवेलू कारखाने के पास युवक पुलिस को देख भागने लगा। जिसे पीछाकर पकड़ा, उसके पास से चरस बरामद की गई। युवक कुछ दिन पहले ही पैरोल पर जेल से बाहर आया था। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि रात में गश्त कर रही पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक मादक पदार्थ लेकर आने वाला है, कवेलू कारखाने के पास उसे किसी को देना है। टीम ने युवक की धरपकड़ के लिये घेराबंदी की। देशी शराब दुकान के पास से एक युवक थैली लेकर जाता दिखाई दिया। जिसे रोकने का प्रयास करने पर वह भागने लगा। प्रधान आरक्षक राहुल कुशवाह, मंगल टेगौर ने पीछा किया और उसे पकड़ लिया। उसके पास थैली की तलाशी ली गई। जिसमें मादक पदार्थ भरा होना सामने आया। युवक को थाने लाकर पूछताछ शुरू की गई। उसने अपना नाम विजय पिता राजेन्द्र नागवंशी निवासी शास्त्रीनगर बताया। जिसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया। नीलगंगा टीआई विवेक कनोडिया ने बताया कि आरोपी विजय हत्या का आरोपी है, जिसे आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। वह पैरोल पर आया हुआ है। उसके पास से बरामद मादक पदार्थ चरस है, जिसका वजन 240.80 ग्राम है।

बाल दिवस के दिन मौत की सजा

इस कड़े कानून को भी आज पूरे हो गए 11 साल और कोर्ट ने सुनाई ऐसी सजा

कोच्चि, 14 नवंबर (एजेंसियां)। केरल की एक अदालत ने अलुवा में बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। विशेष पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालत के न्यायाधीश के। सोमन ने बिहार की पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के लिए एक प्रवासी मजदूर अश्वाक आलम को मौत की सजा सुनाई। यह सजा ऐसे दिन सुनाई गई है जब पूरा देश आज बाल दिवस मना रहा है। आज पॉक्सो अधिनियम को लागू हुये 11 वर्ष भी हो गये हैं। यह अधिनियम 14 नवंबर 2012 को लागू किया गया था। जिस समय दोषी आलम को सजा सुनाई गई, उस वक्त पीड़िता के माता-पिता अदालत में ही मौजूद थे। आलम को चार नवंबर को दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि मामला दुर्लभतम श्रेणी में आता है और इसलिए दोषी को मौत की सजा दी जानी चाहिए।

अभियोजन पक्ष ने कहा था कि सजा पर बहस के दौरान, आलम ने अदालत में दावा किया था कि अन्य आरोपियों को छोड़ दिया गया था तथा केवल उसे ही मामले में पकड़ा गया और इसके अलावा, उसने कोई अन्य दलील नहीं दी। अदालत ने आरोपपत्र में आलम को सभी 16 अपराधों का दोषी पाया था। अभियोजन पक्ष ने पूर्व में कहा था कि 16 में से पांच अपराधों में मौत की सजा

का प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई को बच्ची का उसके किराए के घर से अपहरण कर लिया गया और फिर दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। बच्ची का शव पास के अलुवा में एक स्थानीय बाजार के पीछे दलदली इलाके में फेंक दिया गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था।

स्वामी प्रसाद के विवादित बयान पर सियासत तेज, अब बेटी संघमित्रा की पोस्ट वायरल, सपा नेता ने दी सलाह

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर विवादों में फंस गए हैं। पहले रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी और अब मां लक्ष्मी पर दिए बयान के बाद चर्चा में आ गए हैं। इस बयान के बाद भाजपा से लेकर खुद की पार्टी के नेता उनके बयान पर एतराज उठा रहे हैं। दिवाली पर स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी ने शुभकामना देते हुए पोस्ट साझा किया। उसके बाद स्वामी प्रसाद ने पोस्ट साझा किया लेकिन उनके पोस्ट को लेकर विवाद हो रहा है। इन सबके बीच

सपा नेता ने स्वामी के ट्वीट पर सलाह दी है।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगोत्री धाम के कपाट हुए बंद

उत्तरकाशी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध श्री गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो गये हैं। अन्नकूट के पावन पर्व पर अपराह्न 11:45 बजे वैदिक मंत्रोच्चार पूजा-अर्चना के साथ विधि-विधान से शीतकाल के लिए बंद हो गए। उत्तराखंड के चार धामों में प्रसिद्ध श्री गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अन्नकूट के पावन पर्व पर 11: 45 बजे वैदिक मंत्रोच्चार पूजा-अर्चना के साथ विधि-विधान से शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। इसके बाद मां गंगा की उत्सव डोली समारोहपूर्वक जयकारों के साथ मुखबा गांव के लिए रवाना हुई। मां गंगा का रात्रि विश्राम आज मां चंडी देवी मंदिर में होगा। कल मां गंगा की उत्सव डोली भैया दूज के पर्व पर अपने मायके मुखबा (मुखीमठ) पहुंचेगी। शीतकाल में मां गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखबा स्थित गंगा मंदिर में पूजा-अर्चना होगी। इस यात्रा वर्ष 9 लाख 98 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां गंगा के दर्शन किए। इस अवसर पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, गंगोत्री मंदिर समिति के रावल हरीश सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, राजेश सेमवाल सहित बड़ी संख्या में तीर्थपुरोहित, जन प्रतिनिधिगण एवं श्रद्धालुजन मौजूद रहे।

'भगवान राम पूरे देश के', मुफ्त रामलला के दर्शन के वादे पर अमित शाह पर भड़के संजय राउत, ईसी से लगाई गुहार

गुना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। चुनावी जनसभा में एक तरफ जहां कांग्रेस नेता ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं तो वहीं भाजपा राम मंदिर के जरिए कांग्रेस पर निशाना साध रही है। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख तय हो गई है। मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में चुनावी रैली के दौरान अमित शाह ने यह बात कही है कि एमपी में भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य की जनता को राज्य सरकार के खर्चे पर भगवान रामलला के दर्शन करवाए जाएंगे। इस बात पर मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा है।

भगवान रामलला पूरे देश और दुनिया के हैं: संजय राउत

उन्होंने कहा,मैंने मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह और बीजेपी नेताओं के बयान को सुना और पढ़ा है कि अगर मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनती है तो लोग मध्य प्रदेश के भगवान रामलला के दर्शन निशुल्क कर सकेंगे। पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश के बेतूल में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है।

शिवसेना नेता ने आगे कहा,भगवान रामलला पूरे देश और दुनिया के हैं। क्या इसका मतलब यह है कि अगर आप मध्य प्रदेश में हार गए तो आप मध्य प्रदेश को लोगों को रामलला के दर्शन करने से सिर्फ इसलिए रोक देंगे क्योंकि उन्होंने भाजपा को वोट नहीं दिया।

उन्होंने आगे सवाल उठाया,। हमारे देश में किस तरह की राजनीति चल रही है? चुनाव आयोग को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।"

भाजपा भगवान राम लला के दर्शन का खर्च वहन करेगी: अमित शाह

बता दें कि गुना के राघौगढ़ में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने वादा किया कि अगर मध्य प्रदेश में उनकी सरकार बनती है तो भाजपा भगवान राम लला के दर्शन का खर्च वहन करेगी। अमित शाह ने कहा, आप 3 दिसंबर को बीजेपी की सरकार बनाएं, बीजेपी की मध्य प्रदेश सरकार आपको मुफ्त में भगवान रामलला के दर्शन कराने में मदद करेगी।

कांग्रेस ने भारतीय संस्कृति का अपमान किया: अमित शाह

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने आगे कांग्रेस पार्टी पर मंदिर के निर्माण को 'रोकने' और भारतीय संस्कृति का 'अपमान' करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ने हमेशा हमारे तीर्थ स्थलों और भारतीय संस्कृति का अपमान किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.2 2080 बुधवार, 15 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 8+8 मूल्य : 8 रुपये

सोनिया गांधी भी दिल्ली के प्रदूषण से त्रस्त

डॉक्टरों के कहने पर जयपुर हो रहीं शिफ्ट

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी इस समय दिल्ली के प्रदूषण से त्रस्त चल रही हैं। उस वजह से डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिन जयपुर में रहने के लिए कह दिया है। असल में राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति विस्फोटक बनी हुई है, कई जगहों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में पहुंच चुका है। अब सोनिया गांधी को पहले से ही सांस लेने में तकलीफ है, ऐसे में डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिनों के लिए ऐसी जगह जाने के लिए कहा है जहां पर हवा की गुणवत्ता बेहतर हो।

सोनिया गांधी जाएंगी जयपुर :

उसी कड़ी में बताया जा रहा है कि सोनिया गांधी अब जयपुर जाने वाली हैं। कुछ दिनों के लिए उनका नया ठिकाना पिंक सिटी रहने वाली है क्योंकि वहां पर हवा की गुणवत्ता कुछ बेहतर चल रही है। वैसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी अपनी मां से मिलने जा सकते हैं। चुनावी प्रचार के बीच एक रात वे अपनी मां के साथ जयपुर में बिता सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि ये कोई पहली बार नहीं है जब सोनिया गांधी को प्रदूषण की वजह से दिल्ली से दूर जाना पड़ा हो।

कम सक्रिय हुईं सोनिया गांधी

असल में साल 2020 में दिल्ली में जब प्रदूषण बढ़ गया था, तब डॉक्टरों के कहने पर कुछ दिन के लिए सोनिया गांधी गोवा चली गई थीं। यहां ये समझना जरूरी है कि पिछले कुछ सालों से सोनिया गांधी का स्वास्थ्य ज्यादा ठीक नहीं चल रहा है। वे राजनीति में भी उतनी ज्यादा सक्रिय नहीं दिखाई देती हैं जितना पहले हुआ करती थीं। कुछ चुनावी रैलियों में वे जरूर कांग्रेस के लिए प्रचार करती हैं, लेकिन वो सक्रियता अब नहीं दिखती है।

कांग्रेस बहुत बड़ी हार की तरफ : मोदी

झाबुआ में कड़कनाथ मुर्गी और अंडे का जिक्र कर कांग्रेस का शासन याद दिलाया

बैतूल/शाजापुर/झाबुआ, 14 नवंबर (एजेंसिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को झाबुआ की चुनावी सभा में गांधी परिवार को घेरा। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेता गरीबों की झोपड़ी में जाकर फोटो खिंचवाते थे, उनकी गरीबी और बेहाली दिखाते थे। एक बार उनकी तस्वीर चमक गई तो गरीबों को भूल जाते थे। ये ड्रामा नाना, दादी, पिता... सभी ने भी किया। कांग्रेस बहुत बड़ी हार की तरफ बढ़ रही है।

पीएम ने कहा, कांग्रेस सरकार में लोन देने की योजना बनती थी। कहते थे लोन मिलेगा, इससे इतनी कड़कनाथ मुर्गी आएंगी, इतने अंडे होंगे, फिर इनसे इतनी मुर्गी होंगी, इतने अंडे होंगे। गरीब आदिवासी लोन लेते थे। सोचते थे कि विस्तार होगा तो अंडे-मुर्गी बेचेंगे। लेकिन, मुर्गी घर पहुंचती थी, उसी शाम लाल लाइट वाली गाड़ी आ जाती थी। उसी रात मुर्गी साफ हो जाती थी। हफ्ते के बाद बाबू आता था। दो मुर्गी और चली जाती थी। बेचारे आदिवासी कर्जदार हो जाते थे।

इससे पहले पीएम ने शाजापुर में

कहा, भाजपा की ऐसी आंधी चली है कि कांग्रेस का तंबू उखड़ जाएगा।

बैतूल में राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए बोले, कांग्रेस के एक महाज्ञानी कह रहे थे कि भारत के पास 'मेड इन चाइना' मोबाइल फोन होता है। अरे, मूर्खों के सरदार, किस दुनिया में रहते हैं लोग? कांग्रेस नेताओं को देश की उपलब्धियां न देखने की बीमारी हो गई है। आज भारत दुनिया में मोबाइल फोन का सबसे बड़ा निर्माता है।

राहुल गांधी ने सोमवार को हरदा की चुनावी सभा में कहा था, मैं चाहता हूं कि ऐसा दिन आए, जब चीन में कोई मोबाइल खोले और पीछे लिखा देखे 'मेड इन मध्यप्रदेश'। वो सोचे कि मध्यप्रदेश कहां है, जिसने हमारी नौकरियां ले लीं।

कांग्रेस कुछ परिवारों के लालच को पूरा करती है :

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में यह मेरी आखिरी सभा है। जनता जनार्दन की गारंटी है कि कमल खिलने वाला है। कांग्रेस इस चुनाव में कहीं टक्कर में नहीं है। कांग्रेस आपकी आकांक्षाओं की नहीं, बल्कि कुछ परिवारों के लालच को पूरा करने वाली पार्टी है।

कुपोषित बच्चे तस्वीरें सजाने के काम आते थे :

कांग्रेस ने आदिवासी समाज को हमेशा वोटबैंक समझा। जिन बच्चों को कांग्रेस के राज में सही पोषण नसीब नहीं था, वे बच्चे कांग्रेस नेताओं की तस्वीरें सजाने के काम आते थे। इस तरह की मानसिकता रखने वाली कांग्रेस क्या कभी गरीब का, आदिवासी का भला कर सकती थी?

जिन्हें कभी किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूछा : भाजपा ने वंचितों को वरीयता दी। जो समाज के आखिरी छोर पर छूटे हुए थे, हमने उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जिन्हें कभी किसी ने नहीं पूछा था, उन्हें मोदी ने पूछा। डबल इंजन सरकार ने हर प्रकार से लोगों का जीवन बदलने के लिए निरंतर काम किया है।

महाज्ञानी की सोच ने देश को तबाह किया :

यह महाज्ञानी कहते हैं कि आपको अपनी भाषा सीखने की जरूरत नहीं है। इसी सोच ने इस देश को तबाह किया। हमने तय किया है कि गरीब से गरीब बच्चा भी अंग्रेजी आती हो या नहीं आती हो, वो डॉक्टर-इंजीनियर बनेगा।

चुनी हुई सरकार को भाजपा ने चोरी किया : राहुल

विदिशा/टीकमगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी मंगलवार को मध्यप्रदेश दौरे पर हैं। विदिशा के बाद वे टीकमगढ़ के खरगापुर में सभा को संबोधित कर हैं। उन्होंने कहा, दो तरह की सरकार होती है। एक अरबपतियों के लिए काम करने वाली, दूसरी किसान, मजदूर, युवाओं के लिए काम करती है। अरबपतियों वाली सरकार चुनने से सिर्फ भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार होगा।

इससे पहले राहुल गांधी ने विदिशा में सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं 100 प्रतिशत कह सकता हूं कि यहां पर कांग्रेस पार्टी का तूफान आने वाला है। आप लिखकर रख लो मध्यप्रदेश की जनता कांग्रेस को 145 से 150 सीट तक देने जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता ने प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार चुनी थी। मोदी, शिवराज, अमित शाह ने मिलकर चुनी सरकार को चोरी किया।

राहुल गांधी ने एक बार फिर नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तोमर के बेटे के अलग-अलग वीडियो

सामने आए हैं। जिनमें वो करोड़ों रुपये की बात कर रहा है। इस पर मोदी कुछ नहीं बोलते? अब तक उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

दो तरह की सरकार होती है। एक जो सूटबूट वालों और अरबपतियों के लिए काम करती है। दूसरी, कांग्रेस पार्टी की सरकार किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों के लिए काम करती है। अरबपतियों वाली सरकार चुनने से किसानों, मजदूरों को फायदा नहीं होगा। सिर्फ भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार होगा।

बीजेपी की टेक्नोलॉजी देखो, मुर्दों का इलाज चल रहा है मध्यप्रदेश में। यहां एमबीबीएस की सीट बिकती है। पटवारी भर्ती घोटाला होता है। बच्चों के खाने का पैसा चोरी होता है।

पत्रकारों ने पूछा, नाराज हैं क्या मुख्यमंत्री जी

नीतीश ने सिर झुकाया, दोनों हाथ जोड़े, सेक्स वाले बयान के बाद मीडिया से दूरी बनाई

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा में सेक्स वाले बयान पर विवाद के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मीडिया से बात नहीं कर रहे हैं। अपने कार्यक्रम में पत्रकारों की एंट्री बैन कर रखी है। इस पर मंगलवार सुबह पत्रकारों ने उनसे सवाल किया, नाराज हैं क्या मुख्यमंत्री जी।

इस पर नीतीश कमर तक झुके और दोनों हाथ जोड़कर पत्रकारों को प्रणाम करते हुए निकल गए, लेकिन कोई बात नहीं की। बेली रोड़ पर हुए इस कार्यक्रम में मीडिया की एंट्री बैन कर दी गई थी। पार्क के बाहर पत्रकारों को रोक दिया गया था। इसके पहले नीतीश कुमार ने मीडिया से दूरी बनाने का ऐलान किया था।

मैं खुद जेल गया था, यह बड़ी उपलब्धि है : अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पर बोले गडकरी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जब से अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनना शुरू हुआ है, देश में एक अलग सा उत्साह देखा जा रहा है। सियासत भी खूब हो रही है। 2024 का आम चुनाव भी करीब आ रहा है। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि भाजपा राम मंदिर का चुनावी फायदा उठाना चाहती है। ऐसे में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ये हमारे जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है, जिस इतिहास को हम कभी भूल नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा, अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन में मैं खुद शामिल था, जेल में गया था। अनेक लोगों ने सत्याग्रह किए थे। अनेक दिनों तक संघर्ष हुआ था। प्रभु श्री राम हमारे इतिहास, संस्कृति और विरासत के प्रतीक हैं और उनकी स्थापना उनके जन्मस्थान पर हो रही है, इससे ज्यादा खुशी भारतीयों को और क्या हो सकती है। गडकरी ने आगे कहा कि मैं ये मानता हूं कि भारतीयों का मतलब केवल हिंदू नहीं है, भारतीय संस्कृति, इतिहास और विरासत पर विश्वास रखने वाले, उनकी उपासना पद्धति कोई भी हो, सभी लोगों को इस बात का विश्वास और आनंद है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिल-जुलकर रहें और प्रभु श्रीराम मंदिर की स्थापना में सभी भारतीय शामिल हों। विश्व हिन्दू परिषद ने कहा है कि वह 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए देश-विदेश के 10 करोड़ से अधिक परिवारों को आमंत्रित करेगी। विहिप के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि पांच नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में पवित्र किया गया 'अक्षत कलश' पहले ही देशभर में भेजा जा चुका है।

स्वामी प्रसाद के खिलाफ पुलिस में शिकायत

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य देवी-देवताओं पर टिप्पणी करके अक्सर चर्चा में रहते हैं। मौर्य के माता लक्ष्मी के बयान पर सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस के बाद सपा नेता ने भी अपत्ति जताई है। वहीं, हिंदू महासभा ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत की है।

अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता सपा नेता स्वामी प्रसाद के बयान से नाराज हैं। उन्होंने मौर्य के खिलाफ हजरतगंज इंस्पेक्टर से मिलकर लिखित शिकायत की है। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने बताया कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार हिंदू धर्म के खिलाफ गलत बोल रहे हैं। उनकी मांग है कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो और रासुका लगाई जाए।

मराठा आरक्षण पर युवाओं को नहीं किया जा सकता नजरअंदाज : शरद पवार

पुणे, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लंबित आरक्षण मुद्दे पर मराठा युवाओं की भावनाएं मजबूत हैं और सरकार इसे नजरअंदाज नहीं कर सकती।

पवार परिवार द्वारा आयोजित वार्षिक दिवाली 'मेला' के अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यहां नए साल के जश्न के लिए आने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग युवा हैं। पवार ने कहा, कोटा मुद्दे पर गेंद केंद्र के पास है, सरकार जनता की भावनाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती। सरकार को हाल की सर्वदलीय बैठक में सहमत निर्णयों को लागू करना चाहिए।

राकांपा सुप्रीमो ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी मराठा मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया, लेकनि पछिले सप्ताह कुछ लोगों ने यह गलत धारणा बनाने का प्रयास किया कि वह ओबीसी जाति से हैं। पवार ने कहा कि नए साल के जश्न के लिए पूरे महाराष्ट्र, खासकर कोंकण और विदर्भ क्षेत्रों से लोग यहां आ रहे हैं और वह जनता की भावनाओं से केंद्र को अवगत कराएंगे, साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि इस सप्ताह कुछ न कुछ हो जाएगा।

दिवाली और नए साल के त्योहारों के लिए प्रतिद्वंद्वी राकांपा गुटों के सदस्यों के एकजुट होने की राजनीतिक अटकलों का जिक्र करते हुए, पवार ने स्वीकार किया कि इस साल, स्थिति थोड़ी अलग है। इससे पहले, राकांपा की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया था कि अजित पवार और अन्य के बीच प्रतिद्वंद्विता विशुद्ध रूप से वैचारिक है और इसका पारिवारिक संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ता है।

सुबह से ही एनसीपी (एपी) से अलग हुए धड़े के नेताओं और कार्यकर्ताओं सहित हजारों लोग बारामती के गोविंद बाग स्थित पवार के आवास पर एकत्र हो रहे हैं, जहां पवार और सुले ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और हाथ जोड़कर अपने सभी प्रशंसकों का अभिनंदन स्वीकार किया। कई राकांपा कार्यकर्ताओं, पवार के प्रशंसकों और आम लोगों को हाथ जोड़कर कतार में खड़े देखा गया और जब उनकी बारी आई तो वे मुस्कुराते हुए शरद पवार के पैर छूने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए झुके, इसके जवाब में उन्होंने कुछ लोगों की पीठ थपथपाई।

जवाहर लाल नेहरू जयंती

पीएम मोदी, खड़गे और सोनिया गांधी ने श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। देश के पूर्व और प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दिल्ली के शांतिवन में पुष्पांजलि अर्पित की। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर भी पूर्व पीएम के योगदानों को याद किया।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, भारत को शून्य से शिखर तक ले जाने वाले, आधुनिक भारत के निर्माता और हमारे प्रेरणा स्रोत पंडित जवाहर लाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उनकी प्रगतिशील विचारधारा ने भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के देश के लोगों को एक साथ रहने और हमेशा देश को पहले रखने के लिए प्रोत्साहित किया है।

पंडित नेहरू की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया के जरिए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देता हूं।

चंद्रयान-3 के बाद अब निसार मिशन की तैयारी

नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी की निदेशक ने कही यह बात

बेंगलुरू, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसियों के वैज्ञानिक नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार) मिशन पर मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अंतरिक्ष यान से नीचे आने वाले डेटा का अधिकतम लाभ उठा सकें। यह बात नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) की निदेशक लॉरी लेशिन ने मंगलवार को कही।

निसार को 2024 में लॉन्च किया जाना है। इसे नासा और इसरो के द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है ताकि पृथ्वी की जमीन और बर्फ की सतहों की गतिविधियों की बारीकी निगरानी की जा सके।

लेशिन ने कहा, हम नासा और इसरो के मिलकर काम करने को

लेकर बहुत उत्साहित हैं। यह (निसार) एक रडार मशीन है जो पृथ्वी की सतह की निगरानी करेगी कि यह कैसे बदल रही है। वे भारत में यह समझने चाहते हैं कि तटों पर मैंग्रोव पर्यावरण कैसे बदल रहा है। इससे हम यह भी समझेंगे कि बर्फ की चादरें कैसे बदल रही हैं और पूरी दुनिया मं भूकंप और ज्वालामुखी कैसे हो रहे हैं। हमारी पृत्वी को बेहतर ढंग से समझने के लिए अलग-अलग पहलू हैं।

उन्होंने आगे कहा, बेंगलुरू में जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के हमारे सहयोगियों का इसरो में अपने सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना बहुत रोमांचक रहा है। अविश्वसनीय सहयोग, अच्छा टीम वर्क और एक-दूससे से सीखना। टीम एक साथ बहुत अच्छी तरह से काम कर रही है और इसरो व नासा के बीच मिशन लगभग फिफ्टी-फिफ्टी है।

निसार हर 12 दिनों में कम से कम एक बार हमारे ग्रह के करीब हर हिस्से की निगरानी करता है, इसलिए अन्य अवलोकनों के अलावा यह उपग्रह वैज्ञानिकों को जंगलों, आर्द्रभूमि और कृषि भूमि की गतिशीलता को समझने में भी मदद करेगा। नासा की लेशिन ने कहा, इसके अलावा, वे पृथ्वी विज्ञान से परे भविष्य में सभी प्रकार की चीजों पर काम करने के लिए तैयार हैं।

जकार्ता, आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ बात करेंगे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 10वीं बैठक- प्लस (एडीएमएम-प्लस) में भाग लेने के लिए 16 से 17 नवंबर, 2023 तक इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। एडीएमएम-प्लस में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड तथा वियतनाम शामिल हैं। रक्षा मंत्री 16 नवंबर को प्रारंभ होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर फोरम को संबोधित करेंगे।

इंडोनेशिया एडीएमएम-प्लस का अध्यक्ष है और वह इस वर्ष बैठक की मेजबानी कर रहा है। भारतीय रक्षा मंत्रालय का कहना है कि राजनाथ सिंह आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 10वीं बैठक-प्लस से इतर भी इस आयोजन में भाग लेने वाले देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। वे इस दौरान पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों को और सशक्त करने के लिए रक्षा सहयोग मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक एडीएमएम आसियान देशों के हित में सर्वोच्च रक्षा परामर्श व सहकारी तंत्र है। एडीएमएम-प्लस आसियान सदस्य देशों के लिए एक महत्वपूर्ण संवाद मंच की भूमिका निभाता है। इसके आठ संवाद भागीदार देशों (भारत, अमेरिका, चीन, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) के मध्य सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग को सशक्त करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

भारत 1992 में आसियान का संवाद भागीदार देश बना था और एडीएमएम-प्लस का उद्घाटन सत्र 12 अक्टूबर, 2010 को वियतनाम के हनोई में आयोजित किया गया था। एडीएमएम-प्लस के मंत्री वर्ष 2017 से आसियान और प्लस देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वार्षिक बैठक आयोजित कर रहे हैं।

खाने-पीने की मिलावटी चीजें बेचने पर कम से कम 6 महीने की जेल

संसदीय समिति ने की सिफारिश

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने मिलावटी खाद्य या पेय पदार्थ बेचने वालों के लिए कम से कम छह महीने की कैद और न्यूनतम 25,000 रुपये के जुर्माने की सिफारिश की है। भाजपा सांसद बृजलाल की अध्यक्षता वाली गृह मामलों की स्थायी समिति ने कहा कि मिलावटी भोजन के सेवन से होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए इस धारा के तहत दोषियों के लिए निर्धारित सजा अपर्याप्त है। इसमें कहा गया है, समिति सिफारिश करती है कि इस धारा के तहत अपराध के लिए न्यूनतम छह महीने की कैद और न्यूनतम 25,000 रुपये के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया जाए। हानिकारक खाद्य या पेय पदार्थों की बिक्री का जिक्र करते हुए समिति ने कहा कि इस अपराध में बड़े पैमाने पर जनता को प्रभावित करने की क्षमता है और इस धारा के तहत अपराधियों के लिए निर्धारित की गई सजा भी अपर्याप्त है। इस समय खाद्य पदार्थों में मिलावट के अपराध के लिए छह महीने तक की अवधि के कारावास या 1,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों सजा का प्रावधान है।

सामुदायिक सेवा की शुरूआत को स्वागत योग्य कदम बताया। उसने कहा, यह एक बहुत ही सराहनीय प्रयास है और अपराधियों को

सही रास्ते पर लाने के लिए एक सुधारवादी दृष्टिकोण है। सजा के रूप में इसे पेश करने की सभी हितधारकों ने सराहना की है क्योंकि इससे न केवल जेल के बुनियादी ढांचे पर बोझ कम होगा बल्कि देश में जेलों के प्रबंधन में भी सुधार होगा। हालांकि समिति ने कहा कि सामुदायिक सेवा की अवधि और प्रकृति के बारे में बताया नहीं गया है।

समिति ने क्या कहा :

समिति का मानना है कि सामुदायिक सेवा अवैतनिक कार्य के एक रूप का प्रतिनिधित्व करती है, जिसे अपराधियों को कैद के विकल्प के रूप में करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, इसलिए समिति सिफारिश करती है कि सामुदायिक सेवा की अवधि और प्रकृति के बारे में बताया जाना चाहिए और उपयुक्त रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। समिति ने यह भी सिफारिश की कि प्रस्तावित कानून में सामुदायिक सेवा की परिभाषा जोड़ते समय, सामुदायिक सेवा के रूप में दी गई सजा की निगरानी के लिए एक व्यक्ति को जिम्मेदार बनाने के संबंध में एक प्रावधान भी किया जा सकता है।

टाइपिंग की क्या गलती है :

समिति ने प्रत्येक खंड के पाठ की विस्तृत जांच भी की और कहा कि भारतीय न्याय संहिता में कुछ टंकण और व्याकरण संबंधी त्रुटियां हैं। समिति का मानना है कि संहिता में एक भी टाइपिंग या व्याकरण संबंधी त्रुटि से गलत व्याख्या होने और प्रावधान के इरादे को कमजोर करने की क्षमता है। इसलिए समिति मंत्रालय से इस तरह की टंकण और व्याकरण संबंधी त्रुटियों को सुधारने की सिफारिश करती है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसए-2023) विधेयक को 11 अगस्त को लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस-2023) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए-2023) विधेयकों के साथ पेश किया गया था। तीन प्रस्तावित कानून क्रमशः दंड प्रक्रिया संहिता अधिनियम, 1898, भारतीय दंड संहिता, 1860 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की जगह लेंगे। संसदीय समिति की रिपोर्ट पिछले शुक्रवार को राज्यसभा को सौंपी गई थी।

भारत ने ब्रिटेन से मांगी इन संदिग्धों की डिटेल

19 मार्च को प्रो-खालिस्तानी प्रोटेस्ट में थे शामिल

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने ब्रिटेन से उन संदिग्धों के खिलाफ सबूत मांगे हैं जो 19 मार्च को खालिस्तान समर्थक प्रदर्शन के दौरान लंदन में भारतीय उच्चायोग में हुई हिंसा में शामिल थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पारस्परिक कानूनी सहायता संधि के तहत ये अनुरोध किया है। इसके अलावा एनआईए ने एक अलग प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें 2 जुलाई को सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास को निशाना बनाने वालों का अमेरिका से विवरण मांगा गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि यूके का दौरा करने और कई सबूत इकट्ठा करने के बाद एनआईए को 19 मार्च की हिंसा के बारे में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले। एक सूत्र ने कहा, मामले से संबंधित अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एमएलएटी के तहत 24 प्रश्नों का एक सेट भेजा गया है जिसमें विरोध प्रदर्शन, विरोध के आयोजकों, उनकी साख, उनकी अनुमति के बारे में पूछा गया है।

अप्रैल में गृह मंत्रालय ने एनआईए को लंदन विरोध प्रदर्शन के संबंध में एक नया मामला दर्ज करने का निर्देश दिया था। इसमें प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े आतंकी लिंक की ओर इशारा किया गया था। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस (यूएपीए के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी) को जांच एनआईए को सौंपने का भी निर्देश दिया था।

मई में एनआईए की एक टीम ने यूके का दौरा किया और सीसीटीवी फुटेज सहित महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा किए।

सियासी कवायदः महिलाओं और मांझी पर फजीहत करा चेता महागठबंधन

जदयू-राजद का अब 'जमीन' प्लान

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में आरक्षण का दायरा बढ़ाने और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनसंख्या नियंत्रण एवं पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी पर दिए बयान के बाद बिहार की राजनीति में उथल-पुथल है। माना जा रहा है कि इससे जदयू और राजद की राजनीतिक जमीन को काफी आघात पहुंचा है। अब इससे उपजे राजनीतिक हालात को देखते हुए अब महागठबंधन ने छठ पर्व के बाद बड़ी तैयारी कर ली है। जदयू के नेता और कार्यकर्ता बिहार के गांव-गांव जाकर आरक्षण के दायरा बढ़ने और इसका फायदा बताने की कवायद शुरू करने वाले हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि आरक्षण का दायरा बढ़ने के बाद उसका राजनीतिक लाभ जदयू-राजद समेत महागठबंधन के घटक दल उठा सकें। दरअसल, जदयू दफ्त हो या इनकम टैक्स चौराहा ऐसे ऐसे पोस्टर लगने शुरू हो गए हैं, जिसमें ये बताने

की कोशिश हो रही है कि आरक्षण का दायरा बढ़ने से बिहार की जनता को कितना फायदा पहुंचा है, और ये बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार की वजह से संभव हो सका है, जिनके नेतृत्व में महा गठबंधन की सरकार ने ये फैसला किया। नीरज कुमार, जदयू एमएलसी कहते हैं कि आरक्षण का दायरा बढ़ाने का फैसला ऐतिहासिक है और ऐसा निर्णय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही कर सकते हैं। इस फैसले को बिहार की जनता तक पहुंचाना है, खासकर गांवों तक। इसके बारे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही जदयू विधायक दल की बैठक में बोला था और अब इसे हमारी पार्टी गांव-गांव तक जाकर जनता को बताएंगे कि कैसे ये फैसला बिहार के वैसे तबकों की जिंदगी बदलने वाली है जो अब तक विकास से महरूम थे। दरअसल, विधान सभा सत्र के दौरान जब नीतीश कुमार आरक्षण का दायरा बढ़ाने की घोषणा कर रहे थे, उसी दौरान जनसंख्या नियंत्रण के साथ साथ पूर्व मुख्य मंत्री जीतन राम मांझी को लेकर जिस तरह का बयान दिया था उसने महागठबंधन को थोड़ा बैकफुट पर धकेल दिया था। एक तरफ जहां महागठबंधन आरक्षण का दायरा बढ़ाने के बाद फैसले को लेकर बड़े राजनीतिक फायदा उठाने की तैयारी में था, इस मुद्दे पर वो मुखर नहीं हो पाया था। लेकिन, अब जदयू सहित महागठबंधन ने तय किया है कि इस मुद्दे को आक्रामक तरीके से जनता के बीच में लेकर जाना है और उसी के तहत ये तैयारी शुरू हो गई है, लेकिन बीजेपी महागठबंधन के इस कवायद पर चुटकी ली है।

आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव कहते हैं, तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार की अगुवाई वाली सरकार ने ये फैसला कर बिहार की जानता के लिए बड़ा काम किया है, जबकि बीजेपी इसे असफल करने की पूरी कोशिश कर चुकी थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। अब जब ये फैसला हुआ तब उनकी बेचैनी बढ़ गई है, लेकिन वो अपने मकसद में सफल नहीं हो पाएंगे। इस बात को हमलोग जनता के बीच में मजबूती से बतायेंगे कि आरक्षण का दायरा बढ़ने से उन्हें कितना फायदा मिलने वाला है। वहीं, बीजेपी विधायक केदार गुप्ता कहते हैं कि महागठबंधन के नेता गांव-गांव जाए या घर घर उसका कोई फायदा नहीं होने वाला है, क्योंकि बिहार की जनता भी जानती है कि बिहार में अगर आरक्षण का दायरा बढ़ा है तो उसके लिए बीजेपी ने प्रयास किया था और अपना पूरा समर्थन भी दिया था।

जबकि, महागठबंधन के लोग इस बहाने सिर्फ राजनीतिक फायदा उठाना चाहते हैं, जो जनता समझ चुकी है। बहरहाल, महागठबंधन की ये कवायद किस तरह से शुरू होती है और जमीन पर इनके नेता और कार्यकर्ता जनता बीच जाकर कैसे इसका फायदा समझाते हैं, यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा। दरअसल, माना जा रहा है ये वो मुद्दा है जो बिहार के साथ साथ देश की सियासत को प्रभावित कर सकता है और इस पर तमाम सियासी दलों की निगाहें टिकी हैं। जाहिर है ये मुद्दा बिहार से शुरू हुआ है तो सबसे ज्यादा नजरें भी बिहार पर ही टिकी हुईं हैं।

यूपी में मौसम ने ली करवट, रात में चलेगी शीत लहर

मुरादाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत पूरे राज्य में मंगलवार से ठंड बढ़ने जा रही है। इसके साथ यूपी में आज से हल्की शीत लहर भी दस्तक देगी। इस शीत लहर का लोगों को रात के वक्त एहसास होने लग जाएगा। यही नहीं अधिकतम तापमान में भी दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है।

कोहरे का दिखेगा असर

वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश के अनुसार उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस, तो न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री सेल्सियस तक रहने का पूर्वानुमान है। साथ ही बताया कि अब कोहरा भी बढ़ेगा। इसका रात और सुबह के वक्त ज्यादा असर देखने को मिलेगा। लखनऊ मौसम केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि अब बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। अब ठंड बढ़ेगी। तापमान में गिरावट होने का पूर्वानुमान है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में जहां पिछले दिनों अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा था। तो वहीं अब 28 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है। जबकि न्यूनतम तापमान 12 से 14 डिग्री सेल्सियस तक कई जिलों में जा सकता है।

ऐसा रहेगा आज आपके जिले का तापमान

लखनऊ मौसम केंद्र के मुताबिक आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस, तो न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं बाराबंकी, हरदोई, कानपुर शहर, कानपुर देहात, इटावा, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर और वाराणसी समेत बलिया चुर्क, बहराइच और प्रयागराज में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से लेकर 14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। जबकि इन जिलों का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से लेकर 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है। फतेहपुर, बांदा, सुल्तानपुर, फैजाबाद, फुरसतगंज, गाजीपुर, फतेहगढ़, बस्ती, झांसी, उरई और हमीरपुर में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस से लेकर 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है। वहीं, अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से लेकर 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इसके अलावा बरेली, शाहजहांपुर, नजीबाबाद, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, मेरठ, आगरा, अलीगढ़ और बुलंदशहर समेत इटावा में न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इन जिलों में अधिकतम तापमान 28 से 29 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, आजमगढ़, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, सहारनपुर, बाराबंकी, कन्नौज और हरदोई जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है।

पेट दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती कराई थी 10वीं की छात्रा

शौचालय में हुआ कुछ ऐसा कि उड़ गए सभी के होश

हाथरस, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जिला अस्पताल में रविवार की रात्रि को 10वीं की अविवाहित छात्रा को पेट दर्द के लिए भर्ती कराया गया। लघुशंका के लिए छात्रा शौचालय गई, इसी दौरान उसने बच्ची को जन्म दे दिया। बच्ची शौचालय के शीट में चली गई। उसे अस्पतालकर्मियों ने बाहर निकाला। छात्रा और बच्ची को महिला अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। वहां उनका उपचार चल रहा है। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। हाथरस जनपद के एक गांव की किशोरी 10वीं की छात्रा है। उसकी मथुरा जनपद में ननिहाल है। वहीं रहकर वह पढ़ाई कर रही है। पेट दर्द की शिकायत पर स्वजन उसे रात्रि करीब 10 बजे जिला अस्पताल लाए। युवती की हालत देखकर चिकित्सक व स्टाफ कुछ समझ नहीं सके। इस लिए उसे वार्ड में भर्ती करा दिया गया। छात्रा लघुशंका के लिए शौचालय में गई। वहां उसने बच्ची को जन्म दे दिया। प्रसव के दौरान बच्ची शौचालय की शीट में फंस गई। इसकी जानकारी चिकित्सक व अस्पताल के स्टाफ को जानकारी हुई तो खलबली मच गई। आनन-फानन इसकी सूचना जिला महिला अस्पताल को दी गई। जिला अस्पताल से चिकित्सक व स्टाफ वहां पहुंच गए और प्रसव के बारे में जानकारी ली। स्टाफ ने कड़ी मशक्कत के बाद टायलेट की शीट में फंसी बच्ची को बाहर निकाला। जिला अस्पताल के शौचालय में प्रसव होने की सूचना मिली थी। इस पर तुरंत ही चिकित्सक और स्टाफ को मौके पर भेजा गया।

सपा-कांग्रेस की लड़ाई एमआरआई और एक्स रे पर आई

जातिगत जनगणना पर अखिलेश ने राहुल गांधी को घेरा

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर सियासी तपिश बढ़ गई है। राजनीति दलों के नेताओं के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। मंगलवार को मध्य प्रदेश के कटनी में समाजवादी पार्टी चीफ अखिलेश यादव ने कांग्रेस और बीजेपी दोनों पर जमकर हमला बोला है। कटनी जिले के बहोरीबंद में एक रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कांग्रेस पर भी तंज कसा और कहा कि पार्टी द्वारा जाति जनगणना की मांग एक चमत्कार है।

सपा-कांग्रेस की लड़ाई एमआरआई और एक्स रे पर आई

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने

जातीय सर्वे पर कांग्रेस की कथित दोहरी नीति और मंशा को लेकर घेरा। अखिलेश यादव ने राहुल गांधी की उस टिप्पणी पर कटाक्ष किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जाति जनगणना एक एक्स-रे की तरह होगी जो देश में विभिन्न समुदायों का विवरण देगी। अखिलेश यादव ने तंज कसा कि जब एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) और सीटी (कंप्यूटेड टोमोग्राफी) स्कैन जैसी नई तकनीक उपलब्ध है तो एक्स-रे क्यों?"

अखिलेश ने राहुल गांधी को घेरा

समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आधार कार्ड तंत्र की उपलब्धता के कारण जाति जनगणना तीन महीने में पूरी की जा सकती है। कांग्रेस वह पार्टी है जिसने आज़ादी के बाद जातीय जनगणना नहीं कराई...आज क्यों जातीय गणना कराना चाहते हैं? क्योंकि वो जानते हैं कि उनका परंपरागत वोट उनके पास नहीं है, वो पिछड़े, दलित, आदिवासी की तरफ़ देख रहे हैं।

इंडिया गठबंधन पर सवाल?

वहीं इंडिया गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि,' इंडिया गठबंधन को आगे देखा जाएगा।'दरअसल, इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों सहयोगी दल हैं, लेकिन मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में इन दोनों दलों के बीच गठबंधन का कोई फॉर्मूला नहीं बन सका। ऐसे में समाजवादी पार्टी ने अकेले ही चुनावी बिगुल फूंक दिया।

डासना-मसूरी में कई सालों से चल रहा है गोमांस का काला कारोबार, पुलिस की चेकिंग के दावे फेल

गाजियाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। डासना-मसूरी में गोमांस का काला कारोबार कई वर्षों से चल रहा है। पुलिस की नाक के नीचे लगातार क्षेत्र में गो-हत्या होती है। गोमांस देश के कई हिस्सों में भेजा जाता है। जांच में सामने आया है कि लुधियाना में पकड़ा गया 10 टन गोमांस भी डासना की फर्म का है। इतने बड़े स्तर पर गो हत्या कर दूसरे शहर में गोमांस भेज दिया गया, लेकिन चेकिंग का दावा करने वाली पुलिस फेल रही। डासना-मसूरी क्षेत्र में गो हत्या कर तस्करी करने वाले धड़ल्ले से अपना काम करते हैं। यही वजह है कि यहां से लगातार गो तस्करी के मामले सामने आते हैं। बीते साल 13 जनवरी को नोएडा पुलिस ने सेक्टर-62 में गो तस्कर जुनैद को एनकाउंटर के बाद पकड़ा था। आरोपित से डेढ़ हजार किलो गोमांस पकड़ा गया था। इसी वर्ष 30 जून को तीन ट्रक गोमांस पकड़ा गया। 26 फरवरी को मसूरी के ननका गढ़ी गांव के पास खेत में पांच गाय की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि एक वर्ष में गो तस्करी के नौ मामले दर्ज किए गए जिनमें 31 आरोपित पकड़े गए और 15 क्विंट गोमांस बरामद किया गया। इन फैक्ट्रियों में आने वाले वाहनों में ठूंस ठूंस कर पशुओं को भरा जाता था। जिस कारण क्रूरता के साथ-साथ बच्चा पशु काटने के आरोप भी लगते रहे हैं।

अल नफीस मीट फैक्ट्री पर आरोप था कि जमीन में बोर करके मीट फैक्ट्री का गंदा पानी डाला जाता है। जिस कारण इलाके का भूजल गंदा व खून युक्त हो गया था। क्षेत्र के लोगों ने लगभग 6 वर्ष पूर्व धरना प्रदर्शन किया था। इतना ही नहीं, क्षेत्र में मुर्दा पशु ठेकेदारों पर भी आरोप है कि आरोपित स्वस्थ पशुओं को किसी न किसी रूप में जहर देकर मार देते हैं।

जमीयत उलमा-ए-हिंद के मौलाना अरशद मदनी बोले

षड्यंत्र के तहत मुस्लिम लड़कियों का किया जा रहा मतांतरण

सहारनपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के सम्मेलन में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि षड्यंत्र के तहत मुस्लिम लड़कियों को मतांतरण का शिकार बनाया जा रहा है। देश में बढ़ रहा सांप्रदायिक तनाव चिंता का विषय है। सांप्रदायिक ताकतें देश में आग लगाना चाहती हैं। आपसी प्रेम व सद्भाव से ही सांप्रदायिक ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सकता है।

मदनी मेमोरियल स्कूल में हुए मजलिस-ए-मुंतजिमा (वर्किंग कमेटी) के एक दिवसीय सम्मेलन में मदनी ने कहा कि वतन के लिए हमने बेशुमार कुर्बानियां दी हैं, लेकिन वर्तमान में देश का माहौल सांप्रदायिक बनाकर समाज को बांटने का काम हो रहा है। इनसे सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि सांप्रदायिकता बढ़ेगी तो इससे देश का नुकसान होगा। कहा, जमीयत लड़कियों को कक्षा आठ के बाद अलग स्कूल मुहैया कराने के मिशन पर काम कर रही है।

सम्मेलन में देश में व्याप्त सांप्रदायिकता के माहौल को परिवर्तित कर अच्छे माहौल की स्थापना करने में अपना पूर्ण सहयोग देने, बालिकाओं के लिए कक्षा आठ के बाद अलग स्कूल खोले जाने, मतदाता जागरूकता अभियान चलाने, वोटर लिस्ट में नए नाम जुड़वाने आदि विषयों पर चर्चा करते हुए इन प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर भीषण हादसा, चलते ट्रक में घुसी कार, छह दोस्तों की मौत

मुजफ्फरनगर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर छप्पर थाना क्षेत्र में ट्रक में कार की भीषण टक्कर होने के कारण 6 लोगों की मौत हुई। कर में सवार 6 दोस्त दिल्ली से हरिद्वार की तरफ जा रहे थे। मंगलवार को तड़के करीब 04.00 बजे थाना छपार क्षेत्र में शाहपुर कट के पास यह सड़क दुर्घटना हुई। क्षेत्राधिकारी सदर तथा थाना प्रभारी छपार मय पुलिस बल द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचे। सीओ विनय गौतम ने बताया कि सियाज कार अनियंत्रित होकर मुजफ्फरनगर से हरिद्वार की तरफ जा रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी, जिसमें कार सवार सभी छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

संजय सिंह के जेल जाने से यूपी में आम आदमी पार्टी को झटका

संगठन के विस्तार का काम सुस्त, तैयारियों पर असर

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के जेल जाने से पार्टी को झटका लगा है। गांव-गांव संपर्क अभियान चलाने की योजना अभी शुरू नहीं हो पाई है। बीते चार अक्टूबर को संजय सिंह को ईडी ने दिल्ली में हुए शराब घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था और इससे ठीक एक सप्ताह पहले ही राजधानी में कार्यकर्ता सम्मेलन कर उन्होंने केंद्र सरकार की गलत नीतियों के विरोध में गांव-गांव अभियान चलाने की घोषणा की थी। कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने लखनऊ के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र

बांटे थे और पहचान पत्र दिया था। पहले पार्टी में ऐसी व्यवस्था नहीं थी। पार्टी से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए वार्ड अध्यक्ष की तर्ज पर पहली बार ग्राम पंचायत अध्यक्ष भी बनाए जा रहे थे। यही नहीं लोकसभा चुनावों को देखते हुए पार्टी के मुख्य संगठन और प्रकोष्ठों के गठन का काम भी तेजी से चल रहा था। संजय सिंह यूपी में आप को मजबूत बनाने के लिए लगातार जिलों का दौरा कर रहे थे। उनके जेल जाने के बाद डेढ़ साल से भंग चल रही राज्य कार्यकारिणी में निवर्तमान अध्यक्ष सभाजीत सिंह को छह महीने के लिए अध्यक्ष व दिनेश पटेल को महामंत्री बनाया गया है। फिलहाल संगठन विस्तार का काम भी धीमा हो गया है।इस बार नगर निकाय चुनाव में आप ने पिछले चुनाव के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया था। पहली बार तीन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। छह नगर पंचायत अध्यक्ष, 59 नगर पंचायत सदस्य, 28 नगर पालिका सदस्य व आठ पार्षद की सीटें जीती हैं। फिलहाल लोकसभा चुनाव की तैयारियां सुस्त हो गई हैं। आप के कार्यवाहक अध्यक्ष सभाजीत सिंह कहते हैं कि आप की लोकप्रियता से केंद्र सरकार घबरा गई है, बड़े नेताओं को जेल भेजकर वह कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ना चाहती है, लेकिन कार्यकर्ता भी साजिश के प्रति सजग हैं।

स्पीड में चल रही थी ट्रेन, इंजन में फंस घिसटता गया युवक लोगों ने मचाया शोर

फिरोजाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। फिरोजाबाद में एक युवक फर्रुखाबाद-शिकोहाबाद पैसेंजर ट्रेन के इंजन में फंस गया और ट्रेन दौड़ती रही। गांववालों ने जब शव को फंसा देखा तो शोर मचाया। इस पर ड्राइवर ने ब्रेक लगाया और तब जाकर शव निकाला जा सका। दरअसल, सिरसागंज के गांव नगला मदारी के सौरभ ने सुबह लगभग 10:30 बजे फर्रुखाबाद-शिकोहाबाद पैसेंजर ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। इस दौरान उसका शव ट्रेन के इंजन में फंस गया। ट्रेन के ड्राइवर को इस बात की जानकारी नहीं थी और इस वजह से शव के साथ ही ट्रेन पटरी पर दौड़ती रही। एक किमी दूर जाने के बाद जब खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों और क्रिकेट खेल रहे युवकों ने ये दृश्य देखा तो उनके होश उड़ गए। उनके शोर मचाने के बाद ड्राइवर ने ट्रेन रोकी। इसके बाद शव को इंजन से निकाला गया।

'किसी का नाम नहीं लूंगा', आनंद मोहन ने क्यों कह दी ये बात

बोले- हमारी छतरी के नीचे 36 कौम के लोग सुरक्षा पाए

पुनपुन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में गौरीचक थाना क्षेत्र के तारणपुर ग्राम स्थित पुनपुन नदी किनारे शिव मंदिर प्रांगण में सोमवार की शाम आनंद मोहन अपने सहयोगी मित्र के साथ अगामी 19 नवंबर को पटना में होने वाले महाराणा प्रताप के शौर्य सम्मान समारोह का ग्रामवासी को आमंत्रण देने के लिए पहुंचे थे। ग्रामीणों ने आनंद मोहन के साथ अन्य लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कंडाप, लंका कछुआरा बैरिया करणपुरा इत्यादि गांव के भ्रमण पर निकले। मौके पर आनंद मोहन ने कहा कि इसलिए नहीं निकले हैं वो लोग की उनको रैली करना है। उनको तो आनंद मोहन के बहाने हमारे समाज को कमजोर करना है। उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए सब लोग निकले हैं जब मैं निकला हूं। मेरी रैली जैसे ही डिक्लेअर हुई। अब देखीए रैलियों का भरमार हो गया। उन्होंने कहा कि मैं किसी व्यक्ति का नाम नहीं लूंगा दो-तीन लोग रैली में निकले हैं। उन्होंने कहा है कि अकबर का सेनापति मानसिंह था? तो महाराणा प्रताप का सेनापति हकीम खान सूरी थे। वो जब निकले सहजास में, महलों को त्याग करके तमाम लोहार जातियों ने कुम्भलगढ़ जिला छोड़ दिया। सभी लोग महाराणा प्रताप के साथ जंगलों में निकल पड़े। उन्होंने कहा कि वही तलवार बर्छी और ढाल बनाकर के महाराणा को दिया करते थे। चितौड़ गढ़ में एक तरफ राजपूत की तस्वीर है तो दूसरी तरफ भील की तस्वीर है। इसलिए हम उसी महापुरुष को चुना जिसने कभी जात-पात धर्म का मजहब नहीं देखी। आनंद मोहन ने कहा कि हमारी छतरी के नीचे 36 कौम के लोगों ने सुरक्षा हासिल की है। इसलिए हम कहा करते हैं कि राजपूत कभी भी संकीर्ण नहीं हुआ करता है। इस मौके पर मुखिया राजू सिह, ग्रामीण राजेंद्र सिह, पूर्व मुखिया नरेंद्र कुमार सिह, अरविंद सिंह, अवधेश कुमार सिंह, नवल किशोर सिंह, चुनचुन सिह आदि दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

बदायूं में युवती ने आईपीएस की वर्दी में फोटो फेसबुक पर अपलोड किया

बधाई की जगह पूछताछ करने पहुंच गई पुलिस

बदायूं, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बदायूं में आईपीएस अफसर की वर्दी में एक युवती फोटो काफी वायरल हुआ। फोटो फेसबुक पर अपलोड किया गया था। ऐसा लग रहा था कि युवती ने आईपीएस की वर्दी पहनकर फोटो खिंचवाया है। पुलिस तब बात पहुंची तो उसने पूछताछ की और पाया कि युवती ने फोटोशॉप के जरिए फोटो एडिट करके अपना चेहरा लगाया था। अब पुलिस इस मामले की जांच कर रही है कि ऐसा करने के पीछे वजह क्या थी। जानकारी के मुताबिक यह युवती बदायूं के अलापुर थाना क्षेत्र के दारानगर निवासी काजल यादव है। उसी ने आईपीएस की वर्दी पहने अपनी यह फोटो बनाई है। थाना पुलिस की मानें तो पुलिस का कहना है कि लड़की ने शौक-शौक में फोटो एडिट कर फेसबुक पर लगा दिया था। मामले से संबंधित आगे की जांच पड़ताल जारी है।

दर्दनाकः पल भर में उजड़ गई 5 साल की गृहस्थी

पहले पति ने लगाई फांसी फिर घबराकर पत्नी ने उठाया खौफनाक कदम

कौशांबी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के कौशांबी जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां पति-पत्नी दोनों ने फांसी लगा ली। पहले पति ने घर में लगे पंखे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, इससे घबराकर पत्नी भई फंदे से झूल गई। हालांकि घटना की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने महिला को रस्सी काटकर बचा लिया जबकि इलाज के दौरान पति ने दम तोड़ दिया। घटना से जहां घर में मातमी सनाटा पसर गया तो वही कस्बे में सनसनी फैल गई। घटना कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे की है जहां के मोबाइल व्यापारी दीपक केसरवानी का विवाह मध्य प्रदेश के बड़गड की रहने वाली शुभांगी के साथ 5 साल पहले हुआ था। दंपत्ति की दो बेटियां है। दीपक मोबाइल शॉप चला कर जीवन यापन कर रहा था। बताया जा रहा है कि इन दिनों पति-पत्नी से

आपस मे बन नहीं रही थी, हर रोज किसी न किसी बात पर विवाद हो रहा था। सोमवार शाम को भी दीपक का अपनी पत्नी से विवाद हो गया। इसके बाद पत्नी शुभांगी अपने कपड़े पैक कर मायके जाने के लिए निकलने लगी। इसी बात से आवेश में आकर दीपक कमरा बंद कर फांसी के फंदे से झूल गया। पति को फांसी के फंदे से झूलते देख पत्नी ने भी फांसी लगा ली।

पूरे कस्बे के लोग सकते में

मामले की सूचना पर परिजन और डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर दोनो को बाहर निकाला गया। डायल 112 पुलिस ने दोनों को अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान दीपक की मौत हो गई, जबकि पत्नी शुभांगी को बचा लिया गया। इस घटना से लोग अचंभित है। इस पूरी घटना पर सीओ सिराथू अवधेश विश्वकर्मा ने बताया कि भरवारी में पति और पत्नी के मध्य विवाद का एक प्रकरण सामने आया है जिसमें पति ने नाराज होकर फांसी लगा ली। इसके बाद पत्नी ने भी सुसाइड करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस के द्वारा उन्हें बचा लिया गया है। उन्होंने कहा, मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 15 नवंबर, 2023 5

युविचार

खुशी केवल पैसों में नहीं बल्कि सफलता के आनंद में है !

अगले कार्यकाल में बुनकरों के लिए ऋण माफी योजना : केटीआर

चेनेता मित्रा सहायता बढ़ाकर 5,000 रुपये करने की घोषणा की

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि बीआरएस सरकार चेनेता मित्रा कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता को 3,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रति माह करेगी, इसके अलावा अगले कार्यकाल में बुनकरों के लिए ऋण माफी के अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने घोषणा की कि वारंगल टेक्सटाइल पार्क की तरह, गडवाल, दुब्बाका, नारायणपेट, मुनुगोडे और नलगोंडा में और अधिक विकास कार्य किए जाएंगे।

यदि कांग्रेस या भाजपा सरकारों को चेनेता मित्रा सहायता बढ़ानी हो या बुनकरों के लिए ऋण माफी की घोषणा करनी हो, तो उन्हें अपने आलाकमान की मंजूरी का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रतीक्षा अवधि के बीच एक नये मुख्यमंत्री की नियुक्ति भी की जा सकती है. रामा राव ने मंगलवार को यहां हथकरघा और कपड़ा उद्योग बुनकरों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना की बागडोर दिल्ली के नेताओं को सौंपना राज्य के लिए अच्छा नहीं होगा।

उन्होंने याद दिलाया कि वेलस्पन समूह गुजरात में अपनी नई इकाई स्थापित करना चाहता था, लेकिन तेलंगाना सरकार ने प्रबंधन पर दबाव डाला और उन्हें तेलंगाना में इकाई स्थापित करने के लिए मना लिया। यह नई इकाई करों के माध्यम से सरकार के लिए राजस्व के अलावा युवाओं के लिए रोजगार भी पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि इसे गरीबों के बीच वितरित किया जाएगा।

अगर यह कल्याण और विकास जारी रखना है, तो राज्य में एक स्थिर और सक्षम नेतृत्व होना चाहिए। रामाराव ने कहा कि अगर हर छह महीने में एक नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है, तो कल्याण और विकास दोनों ख़राब हो जायेंगे मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का एकमात्र एजेंडा धन पैदा करना और इसे गरीबों के बीच वितरित करना था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के लिए जीतने के लिए 28 अन्य राज्य थे लेकिन बीआरएस के लिए तेलंगाना की जीत एकमात्र प्राथमिकता है। प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने में अक्षमता के लिए कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पूछा कि अतीत में किसानों और बुनकरों की आत्महत्या के लिए कौन जिम्मेदार है।

कांग्रेस पार्टी ने 65 वर्षों तक शासन किया और बीआरएस ने लगभग 6.5 वर्षों तक शासन किया, जिसमें कोविड महामारी के कारण हुए समय का नुकसान शामिल है।

बीजेपी नेताओं ने चुनाव आयोग से की शिकायत

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य महासचिव गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी, भाजपा कानूनी सेल के नेता एंटनी रेड्डी, जी रामाराव और अन्य ने आज राज्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात की और गडवाल निर्वाचन क्षेत्र में बीआरएस पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आज यहां एक बयान में उन्होंने कहा कि अगर राज्य चुनाव अधिकारियों ने बीआरएस पार्टी विधायक उम्मीदवार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की तो उनकी पार्टी इस मामले पर केंद्रीय चुनाव आयोग और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट तक जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्मल निर्वाचन क्षेत्र में सत्तारूढ़ दल के नेताओं द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया जा रहा है और कहा कि पुलिस तंत्र पूरी तरह से सत्तारूढ़ दल के नेताओं के पक्ष में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में बीआरएस सरकार जल्द ही गायब होने वाली है। उन्होंने कहा कि राज्य में अगली सरकार भारतीय जनता पार्टी की होगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 18 नवंबर को भाजपा के चुनाव प्रचार के तहत गडवाल निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न अभियानों में भाग लेंगे।

'लोक संगीत–डायरा' का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज हैदराबाद द्वारा दीपावली नूतन वर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत गुजरात सस्कृति से जुड़े 'लोक संगीत–डायरा' आयोजन किया गया। समाज के सभी सदस्य एक दूसरे से मिले एवं गुजराती नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रदान की।

कार्यक्रम को चार चांद लगाने गुजरात के सुप्रसिद्ध लोक लाडिले कलाकार गौरव अवार्ड विजेता इंदिरा बेन श्रीमाड़ी, हास्य कलाकार हितेश अंटाला, लोक साहित्यकार घनश्याम गढ़वी, लोक गायक चेतन गढ़वी, आदि गुजरात से पधारे 10 कलाकारों ने सभी सदस्यों का खूब ही मनोरंजन किया। गुजरात राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत इन सभी कलाकारों ने गुजरात की संस्कृति से हैदराबाद में बसे गुजरातियों को परिचित किया। अवसर पर अम्बरपेट के विधायक कालेरु वेंकटेश भी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गुजरात के साहित्य कल एवं संस्कृति पर आधारित इस कार्यक्रम में समाज के सभी बंधुओ ने बहुत ही उत्साह से लाभ लिया। कार्यक्रम के मध्य अंबरपेट के एमएलए कलेरू वेंकटेश जी का सम्मान किया गया। अवसर पर के समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में अध्यक्ष गोविंद दास शाह, उपाध्यक्ष महेश पटेल, मंत्री राहुल छेड़ा, कार्यक्रम संयोजक भारतीबेन पटेल, घनश्याम पटेल, दिनेश गोसर, अंबालाल पटेल, संजय चोटाई, किरण पटेल, हरिलाल पटेल, गुणावंत पटेल, संतोषी मेहता, चेतनाबें, रमेश सावला, उदय मेहता, आदि उपस्थित रहे।

गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में हैदरगुड़ा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, टीना खंडेलवाल, बबिता गर्ग, श्वेता खंडेलवाल, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल व अन्य।

महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद स्थित पहाडी श्याम मन्दिर में आयोजित दीपावली महोत्सव के अन्तर्गत सजाया गया भव्य दरबार। अवसर पर मुख्य यजमान नरेन्दर कुमार गोयल का सम्मान करते हुए पहाडी श्याम मन्दिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया।साथ में रुपेश सिंघानिया, रवि सबलका एवं मोहित परसरामपुरिया।

संयुक्त खम्मम जिले में बीआरएस को धूल चटायेगी : रेणुका

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी ने आज कहा कि कांग्रेस पार्टी अविभाजित खम्मम जिले की 10 में से 10 विधानसभा सीटें जीतेगी। मंगलवार को यहां गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेणुका ने कहा कि राज्य भर में आने वाली कांग्रेस पार्टी की सुनामी में मुख्यमंत्री केसीआर की पार्टी का बह जाना तय है। राज्य मंत्री पुववाड़ा अजय कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री हार के डर से उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला कर रहे हैं और कहा कि उनकी पार्टी की खम्मम पार्षद रफीना बेगम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मजलिस और बीआरएस पार्टियां उनकी पार्टी को हराने के लिए मिलकर संघर्ष कर रही हैं और कहा कि पुलिस कानून के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने पुलिस को उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि केसीआर यह चुनाव हारने वाले थे क्योंकि वह पुववाड़ा अजय जैसे लोगों को लेकर आए थे, जो कांग्रेस पार्टी के टिकट पर जीते थे और बाद में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी में चले गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा, बीआरएस और मजलिस पार्टियां एक ही हैं और कहा कि ये पार्टियां सांप्रदायिक राजनीति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के लिए खम्मम जिले में प्रचार करेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उनकी पार्टी के नेताओं पर छापेमारी करा रही है।

सीपी ने चुनाव को लेकर बैठक की

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, साइबराबाद स्टीफन रवीन्द्र ने डीसीएसपी जी.सुदीप, डीसीपी माधापुर और श्रीनिवास, डीसीपी बालानगर के साथ टीएसएलए के आम चुनावों के मद्देनजर जिला सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में सेरिलिंगमपल्ली और पठानचेरुवु निर्वाचन क्षेत्रों पर एक समीक्षा बैठक की। बैठक मे एन नरसिम्हा रेड्डी एडीसीपी माधापुर जोन माधापुर, मियापुर, कुक्कटपल्ली, बालानगर और पाटनचेरु डिवीजनों के एसीएसपी और एसएचओ और उप कार्यालय में चुनाव कर्मचारी उपस्थित रहे।

मानव कल्याण सेवा संघ द्वारा छठ पूजा 19 से

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानव कल्याण सेवा संघ द्वारा रेनबो हॉस्पिटल के पीछे चिंतलकुंटा, जीएचएमसी में छठ महापर्व पूजा का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 19 नवंबर को अपराह्न 3 बजे से 20 नवंबर को सुबह 8 बजे तक आयोजित होंगे। सूचित हो कि छठ पूजा में आये हुए लोगों के मनोरंजन के लिए छठ भजन और छठ गीत के आयोजन भी किये जाएंगे। इसमें भोजपुरी कलाकार राजकुमार पांडेय पधारेंगे। संघ के संस्थापक कैलाश सिंह, अध्यक्ष मनोहर सिंह, उपाध्यक्ष राजकुमार पांडेय व बी. भाष्कर, कोषाध्यक्ष राजीव वर्मा, संगठन मंत्री पंकज सिंह, संगठन मंत्री आई. गणेश पाटिल, संगठन मंत्री सतीश सिंह ने सभी लोगो से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आत्म प्रकाश की दिशा में हमारा प्रस्थान होता रहे : साध्वी डा.मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन, सिकन्दराबाद में साध्वी श्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी ने महावीर निर्वाणोत्सव के मंगल अवसर पर अपने उद्गार में कहा कि भगवान महावीर ने अहिंसा, संयम और तप की उत्कृष्ट साधना की है। उनके द्वारा प्रदत्त जिनशासन में श्रावक–श्राविका, साधु–साध्वी रूप चार तीर्थ साधना कर रहें है। हमारे आराध्य एक मात्र वीतराग है। हम सभी वितरागता यानि शाश्वत प्रकाश पाने की दिशा में प्रस्थान करते रहें। साध्वीश्रीजी ने आगे कहा धनतेरस का दिन बाह्य वैभव प्राप्त करने के साथ आत्मिक संपदा बढ़ाने की प्रेरणा देता है। अपने विवेक पुरुषार्थ और पराक्रम से अतीत को, जीवन–पथ को सुन्दर बनाएं। अध्यात्म शक्ति को उद्घाटित करें। यही भगवान महावीर का शाश्वत संदेश है। साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी की प्रेरणा से त्रिदिवसीय जप–अनुष्ठान का तेरापंथ भवन में भव्य समायोजन गया किया गया। तेरापंथ किशोर मंडल द्वारा लगाया गय दीपावली त्याग लॉटरी "स्टॉल' का श्रावक समाज ने आनन्द लिया। किशोर मंडल ने "त्याग का अध्यारोहण" गेम भी आयोजित किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बाबुलाल बैद ने अपने विचार व्यक्त किया।

हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के नये विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. आलोक पांडेय ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रो. पांडेय का स्वागत करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. गजेंद्र पाठक, विश्वविद्यालय के पूर्व समकुलपति प्रो. आरएस. सर्राजू, डीन प्रो. वी. कृष्णा, प्रो. अन्नपूर्णा, प्रो. श्यामराव, प्रो. अंजनुयूलू, डॉ. भीम सिंह, डॉ. आत्माराम व अन्य।

ताड़बन्द स्थित हनुमान मंदिर में श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्टस् बाकलिया परिवार निम्बोल द्वारा 17 नवम्बर सायं 5.15 बजे से आयोजित 10वें अन्नकूट प्रसादी की तैयारी के लिए विचार–विमर्श करते हुए आयोजक गजेन्द्रसिंह निम्बोल, तेजसिंह सेवड़, सोहनसिंह जागरवाल, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, शंकरसिंह, पृथ्वीसिंह, छोटुसिंह राजपुरोहित।

पं. जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर गांधी भवन में उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव, प्रेमलता अग्रवाल, कुमार राव व अन्य।

दिवाली के उपलक्ष्य में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर शुभकामना देते हुए गोशामहल बीआरएस नेता आनंद कुमार गौड़, जामबाग मंडल के महासचिव जी. नंदू कुमार, सुरेश सिंह, माजिद व अन्य।

दिपावली पर नागारम गुरुकृपा सदन में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में उपस्थित धार्मिक सेवा समिति की किरनकंवर सोलंकी, पूजाकंवर, प्रिया सोलंकी, खुशबू राजपुरोहित, कंचनदेवी, ममता काग व अन्य।

दीपावली के पावन अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से भेंटकर शुभकामनाएँ देते हुए बी.आर.एस.युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, रामनिवास भंसल, संजय पसारी, पीयूष, प्रेम गुप्ता व अन्य।

वास्तविक मुद्दों से भटकाना कांग्रेस पर एमआईएम के हमलों का उद्देश्य : समीर

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह ने आज कांग्रेस नेताओं, खासकर टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी पर व्यक्तिगत हमले करने के लिए ओवैसी बंधुओं की कड़ी निंदा की। मंगलवार को चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार मुजीबुल्लाह शरीफ के चुनाव प्रचार में भाग लेने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, वलीउल्लाह ने कहा कि एमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन औवैसी और विधायक अकबरुद्दीन औवैसी कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। ओवैसी बंधुओं के पास पुराने शहर में अपने प्रदर्शन या विकासात्मक गतिविधियों के बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है। इसलिए, वे कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रहे हैं। यह वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के अलावा और कुछ नहीं है।समीर वलीउल्लाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पुराने शहर के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में गहन प्रचार कर रही है और सार्वजनिक मुद्दों को उठा रही है। हम कांग्रेस पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटियों को हर घर तक ले जा रहे हैं। हमें 500 रुपये में गैस सिलेंडर, हर महिला के लिए 2,500 रुपये, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 200 युनिट तक मुफ्त बिजली के वादों पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

उन्होंने कहा कि एमआईएम नेता पुराने शहर में कांग्रेस पार्टी को मिल रही प्रतिक्रिया को पचा नहीं पा रहे हैं और इसलिए वे कीचड़ उछाल रहे हैं। समीर वलीउल्लाह ने कहा कि कांग्रेस अपना अभियान जारी रखेगी और एमआईएम और बीआरएस सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी।

पवित्र कार्तिक माह के उपलक्ष्य में इमलीबन गौशाला में गोसेवा करते हुए जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, गजानंद यादव, संजय, अनिल, नरसिंह व अन्य।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं. eT-East-WAT-36-2023 दिनांक : 01.11.2023

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के अमृत भारत स्कीम (फेज-II) के अधीन विजयनगरम रेलवे स्टेशन में स्टेशन पहुंच एवं परिचलन क्षेत्र के उन्नयन के साथ द्वितीय एंट्री साइड में न्यू स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 6,53,19,451.39, **EMD(रुपये में) :** 4,76,600/-

(2) सूचना सं. eT-East-WAT-37-2023 दिनांक : 31.10.2023

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के अमृत भारत स्कीम (फेज-II) के अधीन चिपुरुपल्लि रेलवे स्टेशन में स्टेशन पहुंच एवं परिचलन क्षेत्र के उन्नयन के साथ द्वितीय एंट्री साइड में न्यू स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 4,95,92,713.09, **EMD(रुपये में) :** 3,98,000/-

(3) सूचना सं. eT-East-WAT-38-2023 दिनांक : 01.11.2023

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के अमृत भारत स्कीम (फेज-II) के अधीन श्रीकाकुलम रेलवे स्टेशन में स्टेशन पहुंच एवं परिचलन क्षेत्र के उन्नयन के साथ द्वितीय एंट्री साइड में न्यू स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 5,99,69,669.34, **EMD(रुपये में) :** 4,49,900/-

(4) सूचना सं. eT-East-WAT-39-2023 दिनांक : 31.10.2023

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के अमृत भारत स्कीम (फेज-II) के अधीन नूआपड़ा रेलवे स्टेशन में स्टेशन पहुंच एवं परिचलन क्षेत्र के उन्नयन के साथ न्यू स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 5,61,40,758.80, **EMD(रुपये में) :** 4,30,700/-

(5) सूचना सं. eT-East-WAT-40-2023 दिनांक : 31.10.2023

कार्य का नाम : (1) वाल्टियर मण्डल के RV लाइन में गोतलम-विजयनगरम स्टेशन के बीच अप लाइन में कि.मी.464.45 से कि.मी.465.305 तक एवं डाउन लाइन में कि.मी.464.45 से कि.मी.465.318 तक 1.723 Tr.Km लम्बाई के लिए नये 60 कि.ग्रा. 110 UTS रेल एवं PSC 60 कि.ग्रा. स्लीपर के साथ प्रत्येक कि.मी. @1660 संख्यक दर पर 60 कि.ग्रा. स्लीपर में लगे मौजूदा 60 कि.ग्रा.90 UTS रेल का कंप्लीट ट्रैक नवीकरण (द्वितीयक)। (2) सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन RV लाइन लाइन में विभिन्न स्टेशन यार्ड में 8.049 Tr.Km लम्बाई के लिए SH 60 कि.ग्रा. 90 UTS रेल एवं SH PSC 60 कि.ग्रा. स्लीपर @1660 के साथ प्रत्येक कि.मी.@1540 संख्यक दर पर 52 कि.ग्रा.स्लीपर में लगे मौजूदा 52 कि.ग्रा.90 UTS रेल का कंप्लीट ट्रैक नवीकरण (द्वितीयक)।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 3,94,50,697.65, **EMD(रुपये में) :** 3,47,300/-

(6) सूचना सं. eT-East-WAT-41-2023 दिनांक : 31.10.2023

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन NG लाइन पर पैचों में कि.मी.1.517 से कि.मी.20.94 तक 18.914 Tr.Km लम्बाई के लिए SH PSC 60 कि.ग्रा. स्लीपर @1660 एवं SH 60 कि.ग्रा.90 UTS रेल के साथ प्रत्येक कि.मी.@1310 संख्यक दर पर 52 कि.ग्रा. स्लीपर में लगे मौजूदा 52 कि.ग्रा.90 UTS रेल का कंप्लीट ट्रैक नवीकरण (द्वितीयक)।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 4,44,34,532.95, **EMD(रुपये में) :** 3,72,200/-

कार्य पूरा होने की अवधि (सभी निविदा हेतु) : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय (सभी निविदा हेतु) : दिनांक 23.11.2023 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-765/O/23-24

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिखाया कनाडा को आईना!

कहा- अपने देश में कट्टरपंथ और पूजा स्थलों पर हमले रोकें

जिनेवा, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-कनाडा के बीच जारी राजनयिक विवाद के बीच भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कनाडा को आईना दिखाया है। भारत ने एक बड़े कूटनीतिक कदम के तहत संयुक्त राष्ट्र में कनाडा को पूजा स्थलों और घृणा अपराध को रोकने की सलाह दी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान एक प्रस्ताव पर चर्चा में भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के राजनयिकों ने कनाडा को कुछ सलाह दीं।

भारत ने दी ये सलाह

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने कहा 'भारत की कनाडा को सलाह है कि वह अपने घरेलू ढांचे को मजबूत करे, जिससे बोलने की आजादी का गलत इस्तेमाल ना हो सके। साथ ही कट्टरपंथ को बढ़ावा ना मिले और हिंसा ना भड़के।' भारतीय राजनयिक ने कहा कि 'कनाडा में पूजा स्थलों, धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों को भी रोका जाना चाहिए। घृणा अपराध और घृणा भाषणों को रोकने के लिए कानून मजबूत करने चाहिए।'

बांग्लादेश के राजनयिक अब्दुल्ला अल फोरहाद ने कहा कनाडा को रंगभेद, घृणा अपराध और अप्रवासी और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। बांग्लादेश ने कनाडा को कार्बन उत्सर्जन कम करने की भी सलाह दी और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने को कहा। श्रीलंका के राजदूत थिलिनी जयशेखरा ने कनाडा से कहा अप्रवासी कामगारों और उनके परिवारजनों के अधिकारियों की रक्षा की जानी चाहिए। साथ ही रंगभेद, भेदभाव भरी नीतियों के खिलाफ और अप्रवासी मजदूरों के अधिकारों को प्रभावी तरीके से लागू करने की जरूरत है।

भारत कनाडा के रिश्ते खराब दौर से गुजर रहे

बता दें कि भारत और कनाडा के रिश्ते इन दिनों बुरे दौर से गुजर रहे हैं। दरअसल कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की बीते जून महीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में खड़े होकर इस हत्या में भारत का हाथ बताया था।

हालांकि भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। इसके बाद भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं स्थगित कर दी थीं। हालांकि बीते दिनों वीजा सेवाएं फिर से चालू कर दी गई हैं। अब बीते शनिवार को कनाडा के पीएम ने एक बार फिर भारत पर आरोप लगाए और भारत द्वारा कनाडा के 40 राजनयिकों की राजनयिक इम्युनिटी खत्म करने के फैसले को वियना कन्वेंशन का उल्लंघन बता दिया था। कनाडा पीएम ने ये भी कहा कि अगर बड़े देश अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करेंगे तो हालात बेहद खतरनाक हो जाएंगे।

श्रीलंका में भूकंप के तेज झटके

रिक्टर पैमाने पर 6.2 तीव्रता मापी गई

कोलंबो, 14 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.2 मापी गई है। भूकंप दोपहर 12 बजकर 31 मिनट पर आया। इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर अंदर कोलंबो से दक्षिण-पूर्व की ओर था। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

अमेरिका-भारत मिलकर बनाएंगे मिसाइलों से लैस सैन्य वाहन

चीन का मुकाबला करने के लिए सीमा पर होंगे तैनात, नई दिल्ली में मंत्री स्तरीय बैठक

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया में चीन की बढ़ती ताकत को देखते हुए अमेरिका और भारत ने मिलकर सैन्य वाहन और बख्तरबंद गाड़ियों के निर्माण करने की योजना बनाई है। नई दिल्ली में आयोजित मंत्री स्तरीय बैठक में दोनों देशों के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्रियों ने मिलकर यह फैसला लिया। दोनों देशों की ओर से संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि दोनों देश मिलकर सैन्य साजोसामान का निर्माण करेंगे।

खासतौर पर ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम यानी सैन्य वाहनों के निर्माण में दोनों एक-दूसरे के सहयोग से करेंगे। यह भी कहा गया कि दोनों देश इस तरह की और भी परियोजनाओं को प्राथमिकता पर करने के लिए एक साथ आएंगे। अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा- इस कदम से सप्लाई चेन बेहतर होगी और दोनों देशों की सेना में आपसी सहयोग बढ़ने से दोनों देशों की सुरक्षा मजबूत होगी।

इस सहयोग से भारत की रूस के हथियारों और दूसरे सैन्य सामानों पर लंबे समय से चली आ रही निर्भरता कुछ कम होगी। साथ ही चीन के साथ विवादित सीमाओं पर भी इन वाहनों को तैनात किया जा सकता है। इससे देश का औद्योगिक आधार बेहतर होगा।

यह घोषणा भारत-अमेरिका के बीच कई वर्षों के सहयोग के तहत इंटेलिजेंस शेयरिंग यानी गोपनीय सूचनाएं साझा करने, तकनीक के हस्तांतरण और कूटनीतिक संबंध को मजबूत करने के लिए की गई है। एक भारतीय सैन्य अधिकारी ने बताया कि 2020 में चीन के साथ हुए विवाद के बाद जिन इलाकों में ज्यादा तनाव बढ़ा है, वहां ये वाहन तैनात किए जाएंगे। साथ ही इनमें से कुछ वाहनों को पाकिस्तान सीमा पर भी तैनात किया जाएगा।

मिलिट्री ने फिर एयरस्ट्राइक की

5 हजार लोग भागकर मिजोरम पहुंचे, 2021 में तख्तापलट के बाद से 30 हजार लोगों ने पनाह ली

म्यांमार, 14 नवंबर (एजेंसियां)। म्यांमार में मंगलवार को सेना भारत से लगी सीमा के पास एयरस्ट्राइक की, जिसके बाद करीब 5 हजार लोग भागकर मिजोरम आ गए। दरअसल, रविवार से म्यांमार में पीपुल्स डिफेंस फोर्सेस (पीडीएफ) और मिलिट्री के बीच में मुठभेड़ चल रही थी। इस दौरान घायल लोग मिजोरम के चम्फाई शहर पहुंचे, जहां उनका इलाज चल रहा है।

चम्फाई के डिप्टी कमिश्नर जेम्स लालरिंचना ने बताया कि इस लड़ाई की शुरुआत तब हुई जब पीडीएफ ने भारतीय सीमा के पास स्थित म्यांमार के चिन राज्य में खावमावी और रिहखावदार में दो सैन्य ठिकानों पर हमला कर दिया। उन्होंने रिहखावदार सैन्य अड्डे को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद उन्होंने खावमावी सैन्य अड्डे पर भी दोपहर तक कंट्रोल कर लिया।

पीडीएफ के 5 लड़ाकों की मौत

इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए म्यांमार की मिलिट्री ने खावमावी और रिहखावदार गांवों पर हवाई हमले किए। इसमें एक 51 साल के व्यक्ति की मौत भी हो गई। इसके अलावा करीब पीडीएफ के करीब 5 लोगों ने हमले में जान गंवाई है। मिजोरम के 6 जिले चम्फाई, सियाहा, लांग्टलाई, सेरछिप, हनाथियाल और सैतुअल म्यांमार के चिन राज्य के साथ 510 किमी लंबी सीमा साझा करते हैं। 2021 के तख्तापलट के बाद से करीब 30 हजार चिन शरणार्थी यहां रहते हैं। इससे पहले अप्रैल में म्यांमार सेना ने हवाई हमले किए थे, जिसमें करीब 100 लोग मारे गए थे। हमला पाजीगी कस्बे में हुआ था। आर्मी ने यह हमला तब किया था जब पाजीगी शहर में पीडीएफ का ऑफिस खोल रहे थे। दरअसल, पीडीएफ देश में मिलिट्री के खिलाफ अभियान चला रही है। हमले के वक्त 300 से ज्यादा लोग वहां मौजूद थे।

म्यांमार में सेना ने 1 फरवरी 2021 को तख्तापलट कर दिया था। वहां की लोकप्रिय नेता और स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था।

इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी। दरअसल, म्यांमार में नवंबर 2020 में आम चुनाव हुए थे। इनमें आंग सान सू की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। वहीं विपक्ष की यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। नतीजे आने के बाद सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए।

सेना ने चुनाव में सू की की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया था। चुनाव नतीजों के बाद से ही सरकार और सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया, जिसके बाद सेना ने तख्तापलट कर दिया था। पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार में साल 2021 में हुए तख्तापलट के बाद से सेना 6,000 लोगों को मार चुकी है। म्यामांर लगातार विरोधियों को फांसी की सजा भी दे रहा है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक म्यामांर में हवाई हमले रोज की कहानी बनते जा रहे हैं। सेना अपने विरोधियों को ढूंढ़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

गाजा के अल-शिफा अस्पताल पर इजराइली हमले के विरोध में अमेरिका

हमास का शीर्ष कमांडर ढेर

वॉशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। गाजा के अल शिफा अस्पताल पर बीते दिनों हुए हमले में 22 लोगों की मौत हो गई थी। इजराइली सेना ने अस्पताल को खाली करने का आदेश दिया है लेकिन अभी भी वहां पर सैंकड़ों लोग फंसे हुए हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि अगर अस्पताल के जेनरेटर के लिए जल्द ही ईंधन का इंतजाम नहीं हुआ तो इलाज की कमी से कई लोग मारे जा सकते हैं, जिनमें कई नवजात बच्चे भी शामिल हैं। अब अमेरिका ने भी अस्पताल पर हमले का विरोध किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपील की है कि मुझे उम्मीद है कि अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। बाइडन ने कहा कि अस्पतालों की सुरक्षा होनी चाहिए।

'अस्पताल सुरक्षित रहने चाहिए'

एक मेडिकल चैरिटी संगठन डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स के एक सर्जन ने बताया कि गाजा के अल शिफा अस्पताल में सैंकड़ों लोग फंसे हुए हैं और अमानवीय हालात में रहने को मजबूर हैं। इजराइल का आरोप है कि हमास के आतंकियों ने अल शिफा अस्पताल में अपने ठिकाने बनाए हुए हैं। वहीं हमास इन आरोपों से इनकार करता है। संयुक्त राष्ट्र ने भी अल शिफा अस्पताल पर हमले की कड़ी निंदा की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि अल शिफा अस्पताल में करीब 2300 मरीज, स्वास्थ्य कर्मी और शरणार्थी रह रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलीवन ने भी अस्पताल में लड़ाई का विरोध किया और कहा कि हम मरीजों को सुरक्षित देखना चाहते हैं। सुलीवन ने गाजा पट्टी में लंबे युद्धविराम की भी अपील की ताकि गाजा में फंसे लोगों की मदद की जा सके।

हमास का शीर्ष कमांडर ढेर

इजराइली सेना ने दावा किया है कि उन्होंने हमास के शीर्ष कमांडर को एक एयर स्ट्राइक में ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि मारा गया हमास कमांडर अमहद सियाम है, जो गाजा के एक अस्पताल में करीब 1000 लोगों को बंधक बनाकर रखे हुए था। इजराइली सेना का कहना है कि सियाम अस्पताल से आम नागरिकों और मरीजों को निकलने नहीं दे रहा था। इजराइली सेना ने बताया कि सियाम गाजा के रनतीसी अस्पताल में डेरा जमाए हुए था और वह अस्पताल में मौजूद आम नागरिकों और मरीजों को इजराइली चेतावनी के बावजूद दक्षिणी गाजा के सुरक्षित ठिकानों पर नहीं जाने दे रहा था।

सियाम हमास की नासेर रादवान कंपनी का कमांडर था। इजराइली सेना ने बताया कि सियाम भी इस बात का उदाहरण है कि हमास आम नागरिकों को अपने आतंकी मंसूबों के लिए मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। फिलहाल सियाम अपने कई सहयोगियों के साथ गाजा के अल बुराक स्कूल में छिपा हुआ था, जब इजराइली सेना के फाइटर जेट ने उस स्कूल को निशाना बनाकर सियाम को ढेर कर दिया। इजराइल की आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेत को सियाम के ठिकाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सूचना पर कार्रवाई करते हुए इजराइली सेना ने हमास कमांडर को ढेर कर दिया। इजराइली सेना ने बताया है कि बीती 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने जिन 200 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया है, उनमें नौ महीने का एक बच्चा भी शामिल है। इजराइली सेना ने बताया कि इस बच्चे का नाम कफिर बिबास है और जब हमास के आतंकियों ने उसे अगवा किया था, तब वह 9 महीने का था अब वह 10 महीने का है और अभी भी हमास की कैद में है।

ऋषि सुनक के खिलाफ अविश्वास पत्र

उनकी पार्टी की ही सांसद बोलीं- सुनक को पार्टी मेंबर्स ने नकारा, अब जनता भी साथ नहीं

लंदन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में सियासी उथल-पुथल के बीच पीएम ऋषि सुनक के खिलाफ अविश्वास पत्र दाखिल हो गया है। सुनक की ही पार्टी की सांसद एंड्रिया जेन्किंस ने लेटर में लिखा अब बहुत हुआ। हमारी पार्टी का लीडर एक ऐसा व्यक्ति है, जिसे सदस्यों ने खारिज कर दिया था। अब पोल्स में साबित हो गया है कि जनता भी सुनक को नहीं पसंद करती है। अब समय आ गया है जब सुनक को चले जाना चाहिए।

दरअसल, सोमवार को सुनक ने होम मिनिस्टर सुएला ब्रेवरमैन को पद से हटा दिया था, जिस बात से उनकी पार्टी के कुछ नेता नाराज हैं। एंड्रिया ने आगे कहा- पहले सुनक ने बोरिस जॉनसन को हटने पर मजबूर कर दिया। अब कैबिनेट में मौजूद इकलौती ऐसी नेता जो सड़कों की खस्ताहाल स्थिति और पुलिस के डबल स्टैंडर्ड पर बोलने की क्षमता रखती थीं, को भी निकाल दिया गया है। अगर ऋषि सुनक के खिलाफ 15% सांसद नो कॉन्फिडेंस लेटर जमा कर देते हैं, तो यह अविश्वास प्रस्ताव में बदल जाएगा। सुएला को मंत्री पद से हटाने के लिए करीब 50 सांसदों ने सुनक का साथ दिया था। हालांकि, डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें कई ऐसे लेटर भी मिले थे, जिनमें सुएला को न निकालने की अपील की गई थी। सुनक ने सोमवार शाम सुएला को पद से हटाने के बाद उनकी जगह विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली को गृह मंत्री बना दिया। इसके बाद उन्होंने पूर्व पीएम डेविड कैमरन को ब्रिटेन का विदेश मंत्री घोषित कर दिया। दरअसल, भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने हाल ही में कई विवादित बयान दिए थे।

पार्टी के ही सदस्यों ने सुएला को हटाने को कहा था

सुनक की पार्टी के अंदर से ही कई दिनों से यह मांग उठ रही थी कि सुएला की बयानबाजी ब्रिटेन की मिडिल ईस्ट पॉलिसी के खिलाफ है और वे अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश कर रही हैं। गृह और विदेश मंत्री के अलावा भी सोमवार को कुछ पदों पर बदलाव किए गए।

इन बदलावों के बाद सुनक ने ट्वीट कर कहा था- हमने एक ऐसी टीम बनाई है, जो लंबे समय तक देश की जरूरतों को पूरा कर पाएगी। ये टीम वो बदलाव लेकर आएगी, जिसकी हमें जरूरत है। हम साथ मिलकर देश के हित में फैसले करेंगे। बता दें कि पिछले एक साल के अंदर ब्रिटेन में 3 प्रधानमंत्री बदल चुके हैं। सितंबर 2022 में बोरिस जॉनसन ने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन पर कोरोना की पाबंदियों के बीच पार्टी करने, संसद को गुमराह करने सहित कई घोटालों के आरोप थे।

मियांवाली एयरबेस पर 3 नहीं 6 पाकिस्तानी विमान तबाह हुए

3-4 नवंबर के हमले में 12 सैनिक भी मरे, पाकिस्तान ने ये नुकसान छिपाया

इस्लामाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब में एयरफोर्स के हाई सिक्योरिटी वाले मियांवाली ट्रेनिंग एयरबेस पर 03- 04 नवंबर की दरमियानी रात को लगभग 2 बजे हमला हुआ। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि हमले में 3 नॉन ऑपरेशनल विमानों और एक पोर्टेबल ईंधन ट्रक को नुकसान हुआ। सेना ने प्रेस रिलीज जारी कर 9 हमलावरों को मार गिराने की बात भी कही थी।

एयरबेस पर हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नए सहयोगी तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) ने ली थी। पड़ताल में जाहिर हुआ है कि पाकिस्तानी सेना इस हमले में हुए नुकसान को छिपा रही है। हमले में पाकिस्तानी एयरफोर्स के 3 नहीं, बल्कि यूएवी समेत 6 विमान पूरी तरह बरबाद हुए थे।

सैनिकों के मारे जाने पर खामोश रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान में मौजूद सूत्रों से जो जानकारी इकट्ठा की है, उसके मुताबिक, इस हमले में कम से कम 12 सैनिक भी मारे गए थे, जो उस समय एयरबेस के अंदर मौजूद थे। पाकिस्तानी सेना ने अपनी प्रेस रिलीज में सैनिकों और अफसरों के मारे जाने के बारे में कुछ नहीं कहा था।

सूत्रों के यह भी बताया कि रॉकेट लॉन्चर के जरिए एयरफोर्स के एक रडार टॉवर को भी हमले में नष्ट कर दिया गया। साथ ही विमानों के उड़ान भरने और उतरने में गाइडेंस के लिए इस्तेमाल होने वाला कंट्रोल रूम भी इस हमले में पूरी तरह बरबाद हो गया। पाकिस्तानी सेना इस पर भी खामोश रही।

हमला करने के लिए 9 नहीं, 7 लोग ही पहुंचे थे

पाकिस्तानी मिलिट्री ने दावा किया था कि मियांवाली अटैक में 9 हमलावर शामिल थे। सूत्रों ने बताया है कि केवल 7 आत्मघाती हमलावरों ने एयरबेस पर अटैक किया था। इस फिदायीन समूह का लीडर मौलवी मुहम्मद बिन कासिम कर रहा था। हमले में शामिल बाकी लोगों के नाम कारी सलाहुद्दीन अयूबी, हुसैन अहमद मदनी, तारिक बिन जायद, जाफरतियार शहीद, मुतासिम बल्लाह और ओसामा बिन जायद हैं।

पाकिस्तानी सैनिकों ने हमलावरों की मदद की

सूत्रों ने कहा कि सात हमलावर लकड़ी की सीढ़ी के जरिए एयरफोर्स कैंपस में दाखिल हुए थे। एयर बेस में मौजूद पाकिस्तान आर्मी के कुछ सैन्य कर्मियों ने अंदर घुसने में उनकी मदद की थी। सूत्रों ने बताया कि मियांवाली एयरबेस पर हमले की तैयारी लगभग 40 दिन से चल रही थी।

मियांवाली एयरबेस पर विंग लूंग यूएवी का स्टेशन

मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी वायुसेना नवंबर 2017 से इस एयरबेस का उपयोग 'विंग लूंग' यूएवी को रखने के लिए कर रही है। यह यूएवी चीन की चेंगदू एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री ग्रुप (सीएआईजी) ने बनाए हैं। इन यूएवी का उपयोग हवा से निगरानी करने के अलावा हवा से सतह पर मौजूद टारगेट पर बम गिराने के लिए किया जाता है।

इजराइली रक्षा बलों ने गाजा के संसद भवन पर किया कब्जा

लंदन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच चल रहा युद्ध अपने छठे सप्ताह में प्रवेश कर गया है और गाजा में जान-माल का भारी नुकसान जारी है। इस बीच, इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा के संसद भवन पर कब्जा कर लिया है। हमास के रॉकेट हमलों के बाद इजराइल ने गाजा में तेज हवाई हमले किए थे। बाद में जमीनी अभियान शुरू कर दिया।

दूसरी ओर, ब्रिटेन में एक टॉक शो के दौरान उस समय गरमागरम बहस देखने को मिली, जब लेबर पार्टी के पूर्व नेता जेरेमी कॉर्बिन ने हमास को आतंकी संगठन के रूप में मानने से इनकार कर दिया। टॉक शो को पियर्स मॉर्गन होस्ट कर रहे थे। हालांकि, देश के नवनियुक्त गृहमंत्री जेम्स क्लेवरली ने हमास को एक आतंकवादी संगठन बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टॉक शो होस्ट पियर्स मॉर्गन के साथ जेरेमी कॉर्बिन की तीखी बहस का एक वीडियो पोस्ट करते हुए क्लेवरली ने लिखा, मैं एक गृहमंत्री के रूप में पुष्टि कर सकता हूं कि हमास एक आतंकवादी संगठन है।

क्लेवरली की यह प्रतिक्रिया एक वीडियो के सामने आने के बाद आई है, जिसमें मॉर्गन बार-बार धुर वामपंथी नेता से पूछते नजर आ रहे हैं कि क्या पिछले महीने इजराइल पर हमला करने वाले फलस्तीनी आतंकवादी थे, लेकिन वह इसका सीधे जवाब नहीं देते हैं। यह 'पियर्स मॉर्गन अनसेंसर्ड' कार्यक्रम के दौरान हुआ।

मॉर्गन लेबर पार्टी के पूर्व नेता से पूछते हैं- क्या वह एक आतंकवादी समूह है? जवाब में सांसद कॉर्बिन स टॉक टीवी के होस्ट से कहते हैं- सभी जानते हैं कि वह क्या है। मॉर्गन फिर पूछते हैं- क्या वह आतंकवादी समूह है? क्या आप यह कह सकते हैं? क्या आप उसे आतंकवादी संगठन कह सकते हैं? इसके बाद सवालों का जवाब देते हुए कॉर्बिन कहते हैं- क्या आपके साथ तर्कसंगत चर्चा करना संभव है।

दोनों देशों के संबंध जटिल, टकराव का खतरा भी बरकरार

बाइडन-जिनपिंग शिखर वार्ता से पहले एनएसए सुलिवन

वॉशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका-चीन संबंध आसानी से संघर्ष की ओर बढ़ सकते हैं। ये मानना है अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन का। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर दोनों देशों के रिश्तों को अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं किया गया तो अमेरिका और चीन के बीच टकराव होने की आशंका बिल्कुल निराधार नहीं है। बता दें कि सुलिवन का यह बयान राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच होने वाली बहुप्रतीक्षित शिखर वार्ता से कुछ घंटे पहले आया है। सुलिवन ने अमेरिका-चीन रिश्तों को जटिल और प्रतिस्पर्धी करार दिया।

गौरतलब है कि बाइडन और शी जिनपिंग बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) लीडरशिप समिट के मौके पर मिलने वाले हैं। दोनों शीर्ष नेताओं की आखिरी मुलाकात नवंबर 2022 में जी20 शिखर सम्मेलन, बाली में हुई थी। यह भी दिलचस्प है कि 80 वर्षीय बाइडन और 70 वर्षीय शी जिनपिंग राष्ट्रपति बनने से पहले से एक दूसरे को जानते रहे हैं। 2021 में बाइडन के राष्ट्रपति बनने से पहले दोनों एक दशक से अधिक समय से एक-दूसरे से परिचित हैं।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने जेल ट्रायल पर रोक लगाई

इस्लामाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत मिली। अदालत ने मंगलवार को गुप्त राजनयिक केबल (सिफर) मामले में जेल ट्रायल पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने जेल में सुनवाई के खिलाफ स्थगन आदेश जारी किया। बता दें कि मामले की संवेदनशीलता और इमरान खान से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण एक दिन पहले ही पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने उच्च सुरक्षा वाली रावलपिंडी जेल में इस मामले की सुनवाई की अनुमति दी थी। बता दें कि पाकिस्तान में सरकार चला चुकी राजनीतिक पार्टी- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष 71 वर्षीय इमरान खान वर्तमान में न्यायिक रिमांड पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उनके साथ सहयोगी मंत्री 67 वर्षीय शाह महमूद कुरेशी भी जेल में हैं। इमरान और उनके करीबी रहे पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर सिफर यानी गुप्त राजनयिक केबल लीक करने के आरोप लगे हैं। हालांकि गिरफ्तारी के बावजूद दोनों ने आरोपों को सिरे से खारिज कर खुद को निर्दोष बताया है।

इमरान के खिलाफ जेल ट्रायल पर रोक लगाने वाली इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) की दो सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब और न्यायमूर्ति समन रफत इम्तियाज शामिल हैं।

10 साल में 8 बड़े सेमीफाइनल और फाइनल हार

आईसीसी टूर्नामेंट में 86% लीग मैच जीतता है भारत, नॉकआउट में 89% मौकों पर फेल

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के मैनचेस्टर शहर का ओल्ड ट्रैफर्ड ग्राउंड। 10 जुलाई, 2019। महेंद्र सिंह धोनी 2 इंच के फासले से रन आउट हो जाते हैं। इसी के साथ वर्ल्ड कप जीतने की भारत की उम्मीद भी रन आउट हो जाती है। भारत सेमीफाइनल मैच 18 रन से हार कर वर्ल्ड कप से बाहर हो जाता है।

2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद यह पांचवां मौका था जब भारतीय टीम किसी आईसीसी इवेंट के सेमीफाइनल या फाइनल में हारी थी। उसके बाद तीन बार और ऐसा हो चुका है। पिछले 10 साल में 9 अलग-अलग आईसीसी टूर्नामेंट में 8 बार ऐसा हो चुका है जब भारतीय टीम नॉकआउट राउंड का कोई मैच हारकर बाहर हो गई। क्योंकि एक बार फिर इसी तरह दिल की धड़कनें बढ़ाने वाला मुकाबला हमारे सामने है। यह भी वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल ही है। 15 नवंबर को मुंबई में हमारी टीम फिर उसी न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी। सवाल उठ रहा है कि इंडियन टीम कहीं एक बार फिर से नॉकआउट मुकाबले में फियर ऑफ फेल्योर का शिकार तो नहीं हो जाएगी। फियर ऑफ फेल्योर यानी मुकाबले से पहले फेल हो जाने का डर।

बड़े मैचों में इंडिया के फियर ऑफ फेल्योर को समझने के लिए हमने आईसीसी टूर्नामेंट में टीम इंडिया के 48 सालों के सफर का एनालिसिस किया है। इसे हमने 4 फेज में बांटा है...

1975 से 1983: 1975 और 1979 वर्ल्डकप में भारत नॉकआउट में पहुंचा ही नहीं। 1983 में पहली बार नॉकआउट में पहुंचे और चैंपियन बने।

1984 से 2006: भारत ने 11 आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। इनमें से 5 में हम सेमीफाइनल या फाइनल में हारे। 1 फाइनल बारिश के कारण पूरा नहीं हुआ, जिसमें भारत संयुक्त विजेता बना था। 5 टूर्नामेंट ऐसे थे जिसमें भारत नॉकआउट राउंड में पहुंचा ही नहीं। 1983 वर्ल्डकप के बाद से 2007 के वनडे वर्ल्डकप तक भारत एक भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत सका। 2007 से 2013: 2007 टी-20 वर्ल्डकप से लेकर 2013 चैंपियंस ट्रॉफी तक 7 आईसीसी टूर्नामेंट में भारत ने हिस्सा लिया। इसमें टीम इंडिया 3 के नॉकआउट राउंड में पहुंची और तीनों में खिताब जीता। 2014 से 2023: अभी चल रहे वर्ल्डकप से पहले भारत 9 में से 8 आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में पहुंचा और एक भी खिताब नहीं जीत पाया है।

लीग मैचों में भारत के मुकाबले में कोई नहीं

पिछले 10 सालों में भारतीय टीम आईसीसी टूर्नामेंट के लीग मैचों में शानदार खेल दिखा रही है, लेकिन सेमीफाइनल या फाइनल में बड़े अंतर से हार जाती है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 2019 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल छोड़ दें तो बाकी 7 मैचों में भारतीय टीम पहले बैटिंग करने पर कम से कम 6 विकेट से और बाद में बैटिंग करने पर कम से कम 95 रन से हारी है।

2013 की चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से जितने भी आईसीसी टूर्नामेंट हुए हैं उनमें टीम इंडिया मैच जीतने के लिहाज से सबसे कामयाब टीम है। भारत ने तब से अब तक अलग-अलग आईसीसी टूर्नामेंट के 44 लीग मैचों में से 38 जीते हैं। यानी भारत ने 86% लीग मैच जीते हैं। वहीं, भारतीय टीम इस दौरान 9 में से 8 टूर्नामेंट में नॉकआउट राउंड में बाहर हुई। यानी 89% मौकों पर भारत को एक्जिट टिकट नॉकआउट राउंड में ही मिला।

लीग मैचों में भारत की सफलता से जाहिर है कि टीम अगर 10 साल से कोई बड़ा खिताब नहीं जीत पाई है तो उसके पीछे क्रिकेटिंग रीजन नहीं है। एक्सपर्ट्स भी कहते हैं कि बीसीसीआई की प्लानिंग में कोई बड़ी खामी नजर नहीं आती है और न ही टीम कॉम्बिनेशन में कोई खराबी रही है। फिर नॉकआउट में हार की वजह क्या है?

क्रिकेट एक्सपर्ट्स और स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट इसके पीछे फियर ऑफ फेल्योर यानी नाकाम होने के खौफ को वजह बताते हैं।

फियर ऑफ फेल्योर क्या है?

फियर ऑफ फेल्योर एक ऐसी अवस्था है जिसमें लोग ऐसा कोई फैसला नहीं लेते, जिसमें हार की संभावना हो। वो न तो नई चीजें ट्राई करते हैं और न ही रिस्क लेना चाहते हैं। इसके पीछे चार प्रमुख कारण बताए जाते हैं...

हारने का डर: आप हर हाल में जीतना चाहते हो, लेकिन मन में डर बैठ जाता है कि नहीं जीत सकते।

लोग क्या कहेंगे: मैच से पहले यह डर बैठ जाना कि हार की स्थिति में लोग क्या कहेंगे। समाज, देश इस नतीजे को किस रूप में लेगा। शर्मिंदा होने का डर: इस खौफ का आ जाना कि फेल होने की स्थिति में दूसरों के सामने शर्मिंदा होना पड़ेगा।

उम्मीद पर खरा न उतरने का डर: आपको पता होता है कि लोगों की आपसे उम्मीदें आसमान छू रही हैं, लेकिन आपको डर लगता है कि लोगों की उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएंगे।

स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट करनबीर सिंह और मेंटल कोच प्रकाश राव के मुताबिक...

इतने बड़े टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच में प्रेशर होना लाजिमी है। अगर खिलाड़ी मैच को चैलेंज की तरह लेते हैं तो पॉजिटिव रिजल्ट्स की संभावना ज्यादा होती है और अगर थ्रेट की तरह लेते हैं तो खेल पर नेगेटिव इम्पैक्ट पड़ता है।

खिलाड़ी जब ये सोचता है कि फैन्स क्या बोलेंगे, कोच क्या सोचेगा, हार गए तो क्या होगा... ऐसे विचार प्रेशर डालते हैं। इसके अलावा भी कई सारे एक्सटर्नल फैक्टर होते हैं।

इनकी वजह से खिलाड़ियों ने जो न्यूरल पाथवेज डेवलप किए हैं, वो ब्लॉक हो जाते हैं। मसल मेमोरी शॉर्ट टर्म के लिए मिटने लगती है और खिलाड़ी ब्लैक आउट हो जाता है। ब्लैक आउट होने पर सिचुएशन के मुताबिक फैसले नहीं ले पाता। खिलाड़ी को रूटीन मोशन पाने में भी दिक्कत होती है। खिलाड़ी इसीलिए इतनी ज्यादा प्रैक्टिस करते हैं ताकि ऐसी सिचुएशन में उनकी मसल मेमोरी बनी रहे और वो इस सिचुएशन से बाहर निकल सकें।

बड़े मैच में प्रेशर की वजह से प्रॉसेस की बजाए नतीजे पर ज्यादा फोकस किया जाता है। जिससे दिमाग तय नहीं कर पाता कि अभी क्या करना चाहिए। इससे खिलाड़ी की मूवमेंट धीमी हो जाती है। इसका मैच के नतीजे पर नकारात्मक असर पड़ता है। चोकिंग किसी के साथ कभी भी हो सकती है। चाहे खिलाड़ी जितना भी अनुभवी क्यों न हो।

भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी भी कई बार कह चुके हैं कि किसी भी मैच में उनका फोकस रिजल्ट से ज्यादा एक्शन पर होता है। यानी वो क्या कर सकते हैं उस पर फोकस करते हैं न कि नतीजा क्या होगा। माल्कम ग्लैडवेल ने अपनी स्टडी 'द आर्ट ऑफ फेल्योर' में लिखा कि फियर ऑफ फेल्योर की वजह से चोकिंग होती है। पैनिक और चोकिंग बिल्कुल विपरीत हैं। कम सोचने से पैनिक होता है, जबकि ज्यादा सोचने से चोकिंग होती है। चोकिंग में खिलाड़ी का इंस्टिंक्ट गायब हो जाती है।

सेमीफाइनल में भारत पर कितना हावी होगा हार का डर?

स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट करनबीर सिंह के मुताबिक टीम इंडिया इस वक्त राइट माइंडसेट में है और इस बार फियर ऑफ फेल्योर को मात देने के लिए बहुत अच्छी पोजिशन में है। इसे 3 पैमानों पर देखा जा सकता है...

परफॉर्मेंस और टीम बिहेवियर: टीम इंडिया ने अब तक 9 लीग मैच खेले हैं। कमोबेश सभी मैचों में कन्विंसिंग जीत दर्ज की है। 9 मैचों में 6 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच बने हैं। इससे जाहिर होता है कि सभी खिलाड़ी टीम की जीत में कॉन्ट्रिब्यूट कर रहे हैं।

मेंटल स्टेटस: टीम इंडिया मनोवैज्ञानिक रूप से बेहद मजबूत है। न्यूजीलैंड को लीग स्टेज में हरा चुकी है। इस वर्ल्डकप से पहले 20 साल से हम न्यूजीलैंड से वर्ल्डकप में हार रहे थे। इस बार भारत ने इतिहास बदल दिया। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्ड कप में लगातार 8वीं जीत हासिल कर 31 साल से जारी इतिहास कायम भी रखा है। मतलब इस भारतीय टीम में इतना माद्दा है कि वह सकारात्मक इतिहास कायम रखे और नकारात्मक इतिहास बदल दे। भारतीय टीम पिछले 10 साल के ट्रैक रिकॉर्ड को भी पलट कर रख देने की क्षमता रखती है। हाई प्रेशर मैच में टीम इंडिया ने हर क्षेत्र में अच्छा किया। चाहे पहले बैटिंग कर टारगेट सेट करना हो या बाद में बैटिंग कर टारगेट चेज करना हो भारतीय टीम दोनों ही चुनौतियों को काबू करने में सफल रही है। इससे साफ है कि टीम प्रेशर एब्जॉर्ब करने की क्षमता रखती है।

लीडरशिप: रोहित शर्मा 2 एशिया कप जीत चुके हैं। उनकी अगुआई में मुंबई इंडियंस 5 बार आईपीएल चैंपियन बन चुकी है। वे ऐसे कप्तान नहीं हैं जिनके लिए ट्रॉफी जीतना नई बात होगी।

जापान पैरा बैडमिंटन: प्रमोद ने जीता स्वर्ण पदक, फाइनल में मनोज सरकार को हराया

खेल डेस्क, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सुशांत कदम को एसएल-4 में मलयेशिया के मोहम्मद अमीन बुरहानुद्दीन के हाथों हार के बाद कांस्य से संतोष करना पड़ा। भारत के ही तरुण को अन्य सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक मिला।

पैरा एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए टोक्यो में हुए हुलिक देहातसू जापान पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एसएल-3 एकल वर्ग में उन्होंने हमवतन मनोज सरकार को 21-16, 21-19 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भगत और मनीषा रामदास को चीन के येंग जियानयुआन और वेंग कियू जिया के हाथों 21-14, 15-21, 21-16 से हार मिली।

सुशांत कदम को एसएल-4 में मलयेशिया के मोहम्मद अमीन बुरहानुद्दीन के हाथों हार के बाद कांस्य से संतोष करना पड़ा। भारत के ही तरुण को अन्य सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक मिला। निहाल गुप्ता और नवीन शिवकुमार को एसएल 3-एलएल 4 में स्वर्ण मिला। उन्होंने फाइनल में दीप रंजन बिसोयी और मनोज सरकार को 21-19, 18-21, 21-17 से हराया। मनीषा जोशी ने महिलाओं के एसएल-3 में कांस्य जबकि पुरुष युगल एसयू-5 में हार्दिक मक्कड़ और रुथिक रघुपति ने कांस्य जीता। टी मुरुगसेन को रजत पदक मिला। उसके बाद महिला युगल में मुरुगसेन ने मानसी जोशी के साथ इंडोनेशियाई जोड़ी को 21-16, 21-11 से हराकर स्वर्ण जीता।

'पिता को देख सोच लिया था स्पोर्ट्स में ही जाऊंगा' पढ़ाई के साथ 8-8 घंटे प्रैक्टिस की, दुबई में गोल्ड जीतकर जयपुर लौटे

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर के रिषभ जैन ने 4 से 7 नवंबर तक दुबई में हुई साउथ एशियन चैंपियनशिप में बैडमिंटन में गोल्ड मेडल जीता है। रिषभ ने फाइनल में नाइजीरियन खिलाड़ी को तीन सेट के मुकाबले में शिकस्त दी। पहला सेट जीतने के बाद रिषभ को दूसरे सेट में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने तीसरे सेट को जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। रिषभ इससे पहले 2 नेशनल और 2 इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीत चुके हैं।

गोल्ड मेडल जीतकर जयपुर लौटे रिषभ ने बताया- अपने पापा को क्रिकेट खेलते देखा तो मुझे प्रेरणा मिली और खेल में ही अपना करियर बनाने के बारे में सोचा। 14 साल की उम्र में पहली बार बैडमिंटन रैकेट पकड़ा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। कई बार खेल में हार का भी सामना करना पड़ा, लेकिन मम्मी-पापा ने उनको मोटिवेट किया। वो कहते हैं- मंजिल मिलेगी परिंदों को, ये फैले हुए उनके पर बोलते हैं, अक्सर वो लोग कम बोलते हैं जमाने में जिनके हुनर बोलते हैं।

जयपुर के मुरलीपुरा के रहने वाले रिषभ जैन ने साउथ एशियन चैंपियनशिप की बैडमिंटन कॉम्पिटिशन सिंगल मेन्स कैटेगरी में 16 देशों के खिलाड़ियों से मुकाबला कर प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जिसमें श्रीलंका के खिलाड़ी को हराया। क्वार्टर फाइनल में फिलिपींस और 7 नवंबर को सेमीफाइनल में दुबई के खिलाड़ी को 20-14, 20-11 से हराया। इसके बाद 8 नवंबर को फाइनल में नाइजीरिया के

खिलाड़ी को में 22-20, 19-21 और 20-17 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। रिषभ ने बताया कि साउथ एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने के बाद अब वो 2024 में होने वाली एशियन चैम्पियनशिप और वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह रोजाना 6 घंटे की प्रैक्टिस कर रहे हैं। उनका लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीतने के साथ ही ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर मेडल जीतने का है। रिषभ ने बताया- उन्होंने अपने पिता को क्रिकेट खेलते देखा तो उनको प्रेरणा मिली और उन्होंने खेल में ही अपना करियर बनाने के बारे में सोचा। 14 साल की उम्र में पहली बार बैडमिंटन रैकेट हाथ में पकड़ा। इसके बाद उनके पिता ने उनको एकेडमी जॉइन करा दी। प्रैक्टिस के लिए वैशाली नगर स्थित अकादमी में अकेले ही बस में बैठकर आते जाते थे। शुरुआत में अकेले घर से एकेडमी आने-जाने में परेशानी होती थी, लेकिन खेल के प्रति जुनून के कारण परेशानियों को भूलकर खेल पर ध्यान दिया। पढ़ाई के साथ-साथ बैडमिंटन को भी बराबर समय दिया। पढ़ाई से समय निकाल कर रोजाना प्रैक्टिस करने जाता था। एग्जाम के समय मैं 3-4 घंटे प्रैक्टिस और 5-6 घंटे पढ़ाई करता था।

रिषभ ने बताया- खेल के प्रति उनके डेडिकेशन और हार्ड वर्क के कारण उनको 16 साल की उम्र में नेशनल खेलने का मौका मिला। 2019 में जम्मू-कश्मीर में नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप और 2020 में धर्मशाला में खेले गए नेशनल में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद 2020 में ही श्रीलंका इंटरनेशनल चैलेंज में गोल्ड और फिर 2023 में नेपाल इंटरनेशनल सीरीज में गोल्ड मेडल जीता। रिषभ ने बताया- किसी टूर्नामेंट में जाते समय वह प्रैक्टिस को बढ़ाकर 8-10 घंटे की कर देते हैं। उनके कोच प्रदीप शर्मा खेल की बारीकियों को समझने में पूरी मदद करते है।

बाबर के सपोर्ट में आए कपिल देव: बोले-पाकिस्तान को नंबर वन टीम बनाया, वर्ल्ड कप से बाहर होने पर आजम की हो रही है आलोचना

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत को पहला वनडे वर्ल्ड कप दिलाने वाले टीम इंडिया के कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम का बचाव किया है और उनके समर्थन में उतर आए हैं। पाकिस्तान के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने के बाद टीम के कप्तान बाबर आजम की पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर आलोचना कर रहे हैं और उन्हें कप्तानी से हटाने की मांग की जा रही है। इस बीच भारत को वनडे वर्ल्ड कप का पहला खिताब दिलाने वाले कप्तान कपिल देव ने एक यूट्ब चैनल को दिए इंटरव्यू में

बाबर का बचाव किया। उन्होंने कहा कि खराब प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाना ठीक नहीं है। कभी भी करेंट परफॉर्मेंस पर नहीं जाना चाहिए, उसने पीछे कैसा परफॉर्मेंस किया है उस पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यही कप्तान था

जिसने 6 महीने पहले पाकिस्तान टीम को नंबर वन बनाया है। जब कोई जीरो बनाता है तो अगर आप ओपिनियन लोगे पब्लिक की तो 99 प्रतिशत उसको ड्रॉप करने को बोलेंगे। एक ऑर्डिनरी प्लेयर आता है ब्रिलिएंट इनिंग खेलता है तो लोग कहेंगे यही सुपरस्टार है। कभी भी करेंट परफॉर्मेंस पर नहीं जाना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भी देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कैसे वह खेलता है, कितना उसमें जोश है, जुनून है, टैलेंट है यह देखना चाहिए। आप पहली बॉल पर भी आउट हो सकते हो। ऐसा नहीं है या कोई दुनिया में ऐसा बैट्समैन नहीं है जो पहले गेंद पर आउट नहीं हो सकता है, लेकिन उसका खेलने का तरीका कैसा है उसके ऊपर हम गौर करते हैं, मैं गौर करता हूं।

पाकिस्तान टीम इस वर्ल्ड कप में लीग स्टेज में 9 मैच खेली, जिसमें 4 जीती और 5 में हार मिली। बता दें कि वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान की टीम 5 मैच हारी है। बतौर बल्लेबाज बाबर के प्रदर्शन को भी निशाना बनाया जा रहा है। वो नौ मैचों में केवल 320 रन ही बना सके। वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने इस्तीफा दे दिया था। पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने खुद इस बात की जानकारी दी थी। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने भारत में खेले जा रहे वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन किया। लिहाजा टीम लीग राउंड से ही बाहर हो गई। पाकिस्तान टीम ने 9 में से 4 मुकाबले ही जीते और 8 अंकों के साथ 8वें स्थान पर रही।

भारतीय फुटबाल कप्तान बोले- भारत विश्वकप क्वालिफायर के लिए मजबूत और अधिक तैयार है

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम फीफा विश्वकप 2026 और एएफसी एशिया कप सऊदी अरब 2027 के संयुक्त क्वालिफिकेशन में भाग लेगी। दूसरे दौर के इन मुकाबलों में 39 वर्षीय छेत्री टीम की अगुवाई करेंगे।

भारत के स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री का मानना है कि फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर्स के अगले दौर में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम इस बार पूर्व की तुलना में अधिक मजबूत और अधिक तैयार है। भारतीय टीम फीफा विश्वकप 2026 और एएफसी एशिया कप सऊदी अरब

2027 के संयुक्त क्वालिफिकेशन में भाग लेगी। दूसरे दौर के इन मुकाबलों में 39 वर्षीय छेत्री टीम की अगुवाई करेंगे।

भारत अपना पहला मैच गुरुवार को कुवैत के खिलाफ खेलेगा। इस दिग्गज फुटबॉलर ने कहा कि घरेलू मैदानों पर अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन से टीम को अधिक स्थायित्व मिला है। छेत्री ने कहा,' पिछले 6 से 8 महीनों के बीच में जो कुछ हुआ उससे टीम के मनोबल का पता चलता है। कई खिलाड़ियों ने टीम में अपनी जगह पक्की की और यही वजह है कि इस बार हम अधिक तैयार हैं। विश्वकप क्वालिफायर ऐसे समय में हो रहे हैं जब हमने काफी मैच खेले हैं। यह सब चीजें काफी मायने रखती हैं।'

जोकोविच ने हासिल की नंबर एक की ट्रॉफी

रिकॉर्ड आठवीं बार साल के अंत में शीर्ष स्थान सुरक्षित किया

तुरिन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने कहा कि साल का अंत नंबर एक खिलाड़ी के रूप में समाप्त करना प्रत्येक टेनिस खिलाड़ी का सपना होता है।

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच रिकॉर्ड आठवीं बार साल का अंत नंबर एक स्थान के साथ करेंगे। उन्होंने नंबर एक की ट्रॉफी प्राप्त की। जोकोविच को अपना नंबर एक स्थान सुरक्षित करने के लिए सिर्फ एक जीत की जरूरत थी और 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक ने एटीपी फाइनल्स में तीन घंट से अधिक चले मुकाबले में होल्गर रुने को 7-6 (4), 6-7 (1), 6-3 से हरा दिया। एटीपी के अध्यक्ष आंद्रे गाउदेंजी ने जोकोविच को ट्रॉफी प्रदान की। नोवाक जोकोविच ने कहा कि साल का अंत नंबर एक खिलाड़ी के रूप में समाप्त करना प्रत्येक टेनिस खिलाड़ी का सपना होता है।

रचिन का नाम राहुल-सचिन के ऊपर नहीं रखा गया: उनके पिता ने कहा- यह महज इत्तेफाक, सालों बाद हमें एहसास हुआ

खेल डेस्क, 14 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के बैटिंग-ऑलराउंडर रचिन रवींद्र के नाम को लेकर उनके पिता रवि कृष्णमूर्ति ने खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि रचिन रवींद्र का नाम राहुल और सचिन के ऊपर नहीं रखा गया है। यह महज इत्तेफाक है।

भारत में चल रहे वर्ल्ड कप में सबसे चर्चित कहानी में से एक यह है कि कैसे बेंगलुरु से तालुक रखने वाले रचिन का नाम रखा गया। यह नाम जो लगता है भारत के सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के ऊपर रखा गया है। रचिन के पिता रवि कृष्णमूर्ति ने एक भारतीय अखबार द प्रिंट को बताया, 'जब रचिन का जन्म हुआ, तो मेरी पत्नी ने यह नाम सुझाया और हमने इस पर ज्यादा चर्चा नहीं की।'

उन्होंने आगे कहा, 'नाम अच्छा लग रहा था, बोलने में आसान था और छोटा था, इसलिए हमने रखने का फैसला किया। सालों बाद हमें एहसास हुआ कि यह नाम राहुल और सचिन के नामों का मिश्रण था। यह महज इत्तेफाक है। उनका नाम हमारे बच्चे को क्रिकेटर या ऐसा कुछ बनाने के इरादे से नहीं रखा गया था।' रचिन ने कुछ दिन पहले स्टार स्पोर्ट्स के साथ एक इंटरव्यू में अपने नाम के पीछे की दिलचस्प कहानी साझा की थी। उन्होंने बताया था कि राहुल द्रविड़ के 'र' और सचिन तेंदुलकर के 'चिन' को मिलाकर नाम रखा। इससे उनका नाम रचिन पड़ गया।

रचिन के वर्ल्ड कप 2023 के 9 मैच के बाद 565 रन हैं। भारत के विराट कोहली और साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक के बाद टॉप-3 रन बनाने वालों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। रचिन (565 रन) डेब्यू वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बने। उन्होंने इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो का रिकॉर्ड तोड़ा। बेयरस्टो ने 2019 में अपने डेब्यू वर्ल्ड कप में 532 रन बनाए थे।

दलित बंधु की तर्ज पर गिरिजन बंधु योजना लागू करेगी सरकार : सीएम

पिछली सरकारों पर लगाया कमजोर वर्गों के लिए कोई योजना लागू न करने का आरोप

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने घोषणा की कि बीआरएस सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में सफल दलित बंधु पहल की तर्ज पर गिरिजन बंधु योजना लागू करेगी।

मंगलवार को पालकुर्ती निर्वाचन क्षेत्र में प्रजा आशीर्वाद सभा की बैठक में जनता को याद दिलाते हुए कि बीआरएस ने आदिवासियों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए गिरिजन बंधु योजना को बिना जमीन और नौकरियों के आदिवासी युवाओं तक बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश में 50 वर्षों से अधिक समय तक शासन करने के बावजूद, कांग्रेस तेलंगाना के लोगों को पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में विफल रही, उन्होंने कहा कि पालकुर्ती निर्वाचन क्षेत्र कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच है, लेकिन उन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिला।

स्वशासन के लिए आदिवासियों की मांगों का सम्मान करते हुए, बीआरएस सरकार ने आदिवासी बस्तियों को ग्राम पंचायतों में अपग्रेड किया। हमने आदिवासी आरक्षण को भी बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने दोहराया कि बीआरएस के तीसरे कार्यकाल में गिरिजन बंधु का कार्यान्वयन होगा।

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति समुदाय से इस बात पर विचार करने का आग्रह किया कि आजादी के बाद से पिछली किसी भी सरकार ने दलित बंधु जैसी योजना क्यों लागू नहीं की। उन्होंने याद दिलाया कि अगर पिछली सरकारों ने कमजोर वर्गों के लिए ऐसी सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण योजनाएं लागू की होतीं, तो देश कई विकसित देशों से आगे निकल गया होता। दलितों को केवल वोट-बैंक के रूप में माना जाता है। हम सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दलित बंधु को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने जनता से एक बार सत्ता का मौका मांगने की कांग्रेस की भी आलोचना की और कहा कि जनता पहले भी 10-11 बार सत्ता का मौका दे चुकी है, लेकिन कांग्रेस जनता को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में विफल रही।

टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के बयान की आलोचना करते हुए, जिन्होंने कहा कि 10 एचपी क्षमता की मोटर के साथ कृषि के लिए तीन घंटे की बिजली आपूर्ति पर्याप्त है, मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकांश किसान अपने कृषि पंप सेटों के लिए 3एचपी और 5 एचपी क्षमता की मोटर का उपयोग कर रहे हैं और पूछा कि कौन ये 10 एचपी की मोटरें खरीदनी चाहिए।

केसीआर ने बीआरएस में शामिल होने के वादे का पालन न करने के लिए जाना रेड्डी की आलोचना की

नागार्जुन सागर, हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बीआरएस में शामिल होने के अपने वचन का पालन नहीं करने के लिए पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जना रेड्डी की आलोचना की है। मंगलवार को नलगोंडा जिले के नागार्जुन सागर विधानसभा क्षेत्र के हलिया में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि जाना रेड्डी ने कहा था कि अगर खेती के लिए 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाती है, तो वह कांग्रेस पार्टी का दुपट्टा उतार देंगे तथा गुलाबी दुपट्टे के साथ बीआरएस पार्टी में शामिल होंगे। केसीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार के कार्यभार संभालने के डेढ़ साल के भीतर हम कृषि को 24 घंटे बिजली देने में सफल रहे हैं, लेकिन, जाना रेड्डी कांग्रेस छोड़ने और बीआरएस में शामिल होने के अपने वादे पर कायम रहने में विफल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता जाना रेड्डी कई बार प्रतिनिधित्व करने के बावजूद नागार्जुन सागर विधानसभा क्षेत्र का विकास करने में विफल रहे हैं और कांग्रेस के सत्ता में आने पर मुख्यमंत्री बनने का सपना देखने के लिए उनकी आलोचना की।

रेलवे कर्मचारियों को 'मैन ऑफ द मंथ' सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए

दमरे महाप्रबंधक ने की सुरक्षा समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कर्तव्य के प्रति सतर्कता और अत्यधिक समर्पण दिखाने के लिए जोन भर के 15 कर्मचारियों को "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान वस्तुतः पुरस्कार प्रदान किए। आर. धनजयुलु, अपर महाप्रबंधक, एससीआर ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने सतर्कता प्रदर्शित करने और असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई करने के लिए ज़ोन के 15 कर्मचारियों को वर्चुअल मोड के माध्यम से "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। प्रत्येक डिवीजन से मैन ऑफ द मंथ पुरस्कार विजेताओं में सिकंदराबाद डिवीजन-03, विजयवाड़ा डिवीजन-04, गुंतकल डिवीजन-03, गुंटूर-02, नांदेड़ डिवीजन-01 और हैदराबाद डिवीजन-02 शामिल हैं।

पुरस्कार विजेताओं ने मंडल रेल प्रबंधक अपने-अपने मंडलों में व्यक्तिगत रूप से हाथों से पुरस्कार प्राप्त किया। कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों जैसे लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, तकनीशियन, पॉइंट मैन, की/गेट मैन, ट्रैक मेंटेनर और ट्रेन मैनेजर आदि से संबंधित थे। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अपने कर्तव्यों के पालन में प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने और सुरक्षा के प्रति ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित और प्रेरित करेंगे, जिससे रेलवे को ट्रेनों के सुचारू संचालन में मदद मिलेगी।

बाद में अरुण कुमार जैन ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के लिए सुरक्षा कार्य योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को एक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने और लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों आदि सहित सभी सुरक्षा कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया।

उन्होंने जोन पर सुरक्षा अभियान जारी रखने का भी निर्देश दिया। और सतर्कता सुनिश्चित करने और अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए औचक निरीक्षण करें। इसके अलावा, श्री जैन ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूरे जोन में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कार्य की प्रगति की सराहना की और अधिकारियों को गति बनाए रखने की सलाह दी।

तेलंगाना के गठन के बाद हैदराबाद शहर का भारी विकास हुआ : तलसानी

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर विधायक उम्मीदवार और मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद हैदराबाद शहर का बहुत विकास हुआ है। वह सोमवार रात बेगमपेट डिवीजन के पीजी रोड पर सिल्वर जुबली अपार्टमेंट के निवासियों द्वारा आयोजित ग्रीन दिवाली कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्षों में, तेलंगाना राज्य के गठन के बाद साढ़े नौ वर्षों के भीतर विकास और कल्याण कार्यक्रम चलाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 2014 के बाद, मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में, कई विकास और कल्याण कार्यक्रम लागू किए गए और देश में कहीं भी एक आदर्श राज्य बन गया। उन्होंने कहा कि यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि एक दूरदर्शी नेता मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने 24 घंटे बिजली आपूर्ति, बुजुर्गों और विकलांगों के लिए मासिक पेंशन, शादी मुबारक, कल्याण लक्ष्मी के तहत गरीब महिलाओं की शादी के लिए 1 लाख 116 रुपये की वित्तीय सहायता योजना शुरू की। उन्होंने कहा, इसी तरह, नगरपालिका मंत्री केटीआर के प्रयासों से हैदराबाद शहर में फ्लाईओवर का निर्माण, अंडरपास का निर्माण और सड़कों के विकास जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर देश के प्रमुख शहरों में से एक बन गया है। इसी प्रकार, राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश के साथ आईटी उद्योग और विभिन्न प्रकार के उद्योग स्थापित किये गये हैं और हजारों लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किये गये हैं। उन्होंने बताया कि सनत नगर निर्वाचन क्षेत्र में जो विकास 50 वर्षों में भी नहीं हुआ वह तेलंगाना राज्य के गठन के बाद साढ़े नौ वर्षों में किया गया और लोगों की कई समस्याओं का समाधान किया गया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले विधानसभा क्षेत्र में कहीं भी अच्छी सड़कें नहीं थीं, जल निकासी की व्यवस्था अच्छी नहीं थी और सड़कों पर गंदा पानी बहता था. उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार आने के बाद सभी सड़कें विकसित हुईं, ड्रेनेज सिस्टम विकसित हुआ और कोई लीकेज नहीं हुआ. उन्होंने याद दिलाया कि पीजी रोड पर कई कॉलोनियों की सड़कें पहले भी बारिश के दौरान पानी से भर जाती थीं और इस क्षेत्र के लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

आगमन के बाद उन्होंने बताया कि एसएनडीपी कार्यक्रम के तहत लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से सीसी सड़कों का निर्माण, जल निकासी व्यवस्था का विकास कर समस्याओं का स्थाई समाधान किया गया है।

उन्होंने आगे के विकास के लिए इस महीने की 30 तारीख को होने वाले चुनाव में कार चुनाव चिह्न पर वोट देने और भारी बहुमत से जीतने को कहा. प्रत्येक मतदाता से अनुरोध है कि मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें. इस बैठक में बेगमपेट नगरसेवक माहेश्वरी श्रीहरि, सिल्वर जुबली अपार्टमेंट के अध्यक्ष बरकत गिलानी, अमीन दत्ता, करीम अज़ानी, नूर मोहम्मद गिलानी, जलाल कोटडिया फीडा बाई, प्रवीण संजय और अन्य ने भाग लिया।

खम्मम के डिप्टी मेयर व दो अन्य ने बीआरएस छोड़ी, कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी को उस समय झटका लगा जब खम्मम नगर निगम की उप महापौर फातिमा जोहरा और मुक्तार दंपत्ति ने सत्तारूढ़ पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस के खम्मम उम्मीदवार तुम्मला नागेश्वर राव की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इस अवसर पर बोलते हुए, तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि नए सदस्य एक बार टीआरएस के सदस्य थे और चुनाव जीते थे। उन्होंने कहा कि नए लोगों को बीआरएस नेताओं ने प्रिवेंशन डिटेंशन एक्ट के तहत मामले दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर गंभीर रूप से अपमानित किया। उन्होंने कहा कि नए सदस्य सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की यातना सहन नहीं कर सके और उन्होंने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फैसला किया। तुम्मला ने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से अगले 15 दिनों तक कड़ी मेहनत करने और चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की प्रचंड जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

चोरी से जुड़े दो लोग गिरफ्तार, 300 अमेरिकी डॉलर बरामद

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईएस सदन पुलिस ने मंगलवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया, जो लगभग दस दिन पहले हुई चोरी में कथित तौर पर शामिल थे। पुलिस ने उनके पास से सोने के आभूषण और 300 अमेरिकी डॉलर बरामद किये। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति हबीब मोहम्मद उर्फ छोटू (35) और मोहम्मद इब्राहिम (40), दोनों शाहीनगर निवासी हैं, 5 नवंबर को न्यू संतोषनगर कॉलोनी स्थित सैयद मुजाहिद के घर में घुस गए, जब परिवार एक समारोह में शामिल होने गया था।

डीसीपी (दक्षिण पूर्व) रोहित राज ने कहा कि गिरोह ने भागने से पहले 80,000, लगभग 300 अमेरिकी डॉलर और अन्य आभूषण आइटम चूड़ियाँ, हार, उंगली की अंगूठियाँ, सोने की चेन, नकद रुपये सहित सोने के गहने एकत्र किए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दो विशेष टीमें गठित कीं। टीमों ने हबीब और इब्राहिम को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपराध और सैदाबाद और फलकनुमा पुलिस थाना क्षेत्रों में दर्ज तीन अन्य मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

तेलंगाना में तीन और जनसभाओं को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव के लिए सिर्फ दो हफ्ते बचे हैं, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पिछले कुछ महीनों में बीआरएस और कांग्रेस को आमने-सामने देखने के बाद चुनावी मैदान में वापसी करने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो तेलंगाना में पार्टी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, क्रमशः 25 और 26 नवंबर को करीमनगर और निर्मल विधानसभा क्षेत्रों में सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करेंगे, जिसका समापन 27 नवंबर को हैदराबाद में एक रोड शो में होगा।

मोदी पहले ही महबूबनगर, निज़ामाबाद में सार्वजनिक बैठकों और हैदराबाद में दो बैठकों-बीसी आत्मा गौरव सभा और मदिगा रिजर्वेशन पोराटा समिति (एमआरपीएस) द्वारा आयोजित "मदिगा और उप-जाति महासभा" को संबोधित कर चुके हैं।

मोदी से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 17 नवंबर को नलगोंडा, वारंगल, गद्वाल और राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करेंगे। मोदी और अमित शाह के अलावा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे।

एमसीसी उल्लंघन के 25 मामले दर्ज

निज़ामाबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने जिले में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए राजनीतिक दलों और व्यक्तियों के खिलाफ अब तक 25 मामले दर्ज किए हैं। मामलों की जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त कलमेश्वर शिंगेनवर ने कहा कि भड़काऊ भाषण देने के आरोप में नवीपेट मंडल के रामपुर स्क्वायर में एक राजनीतिक पार्टी की कार्यकारी समिति के सदस्य और उनके आठ अनुयायियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

इसी तरह, मतदाताओं के विचार जानने के लिए सर्वेक्षण करने के लिए बोधन, निज़ामाबाद टाउन और आर्मूर में 26 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार की नमाज के दौरान एक मस्जिद में प्रचार करने के लिए बोधन टाउन में एक राजनीतिक दल के एक उम्मीदवार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, उन्होंने कहा कि आर्मूर निर्वाचन क्षेत्र के तहत अलूर ग्राम पंचायत में, सरकारी अधिकारियों के कर्तव्य प्रदर्शन में बाधा डालने के लिए व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आयुक्त ने चेतावनी दी कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले लोगों और राजनीतिक दलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कांग्रेस उम्मीदवार पर महिला से दुर्व्यवहार का मामला दर्ज

आदिलाबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद से कांग्रेस उम्मीदवार कंडी श्रीनिवास रेड्डी पर भेला मंडल के चेप्राला गांव में मंगलवार को आयोजित एक चुनावी रैली में बोलते हुए एक अन्य कांग्रेस उम्मीदवार जी. सुजाता को गाली देने, उसे शूर्पणखा बताने और ग्रामीणों से उसकी नाक काटने के लिए कहने के आरोप में मामला दर्ज किया गया।

आदिलाबाद के डीएसपी उमेंदर ने एक बयान में कहा कि सुजाता के खिलाफ गंदी भाषा का इस्तेमाल करने और उसे रामायण की पात्र शूर्पणखा कहने के आरोप में श्रीनिवास रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुजाता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. उमेंदर ने कहा, महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आदर्श आचार संहिता को प्रभावी ढंग से लागू करें : खम्मम सीपी

खम्मम, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त विष्णु एस. वारियर ने कहा कि जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को स्वतंत्र वातावरण में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए समन्वित तरीके से काम करना चाहिए। उन्होंने मंगलवार को यहां चुनाव कर्तव्यों, प्रक्रियाओं और कानून व्यवस्था पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी को चुनाव आयोग के नियंत्रण में अनुशासन के साथ काम करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई गलती न हो। सीपी ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को संबंधित थाना क्षेत्र के मतदान केंद्रों की पूरी जानकारी होनी चाहिए. चुनाव के संचालन में क्रिटिकल एवं वल्नरेबल मतदान केन्द्रों की समय-समय पर मैदानी स्तर पर निगरानी की जानी है।

चुनाव में कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए एहतियाती कदम उठाए जाएं। अधिकारियों को कानून-व्यवस्था के मामले में सख्त रहना होगा और शांति भंग करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी होगी. वॉरियर ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी चुनाव कर्तव्यों में लापरवाही करेगा तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों को पिछले विधानसभा और संसदीय चुनावों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए विधानसभा चुनाव-2023 को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए।

चुनाव नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। वारियर ने सुझाव दिया कि उच्च अधिकारियों को छोटे से छोटे घटनाक्रम जैसे कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले संदेश और वीडियो के बारे में भी सूचित किया जाना चाहिए, जो कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकते हैं।

कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी (कानून एवं व्यवस्था) प्रसाद राव, अतिरिक्त डीसीपी (एआर) कुमार स्वामी, एसीपी गणेश, हरिकृष्ण, भास्व रेड्डी, रहमान, रामानुजम, सारंगापानी, प्रसन्न कुमार, रविकुमार, शिवरामैया, सुशील सिंह और नरसैया ने भाग लिया।

बीआरएस का मतलब है केसीआर का परिवार विकास : लक्ष्मण

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य लक्ष्मण ने आज कहा कि बीआरएस पार्टी भाजपा के विपरीत सीएम केसीआर और उनके परिवार के सदस्यों के विकास के लिए खड़ी होगी, जो सबका साथ सबका विकास के लिए खड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी का मतलब 'राहुल के परिवार का विकास' है और आरोप लगाया कि जो लोग बीआरएस और कांग्रेस पार्टियों में काम करते हैं वे उन परिवारों के गुलाम हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी अब तक किए गए वादों को लागू किए बिना चुनाव आयोग के पास जाने और उन्हें लागू करने के लिए चुनाव आयोग से अनुमति मांगने का नाटक करती है।

लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार द्वारा अब तक एक भी राशन कार्ड जारी नहीं किया गया है और कहा कि सत्तारूढ़ दल अब आगामी चुनावों में जीतने के बाद उन्हें देने का वादा कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक बार फिर घोषणाओं और गारंटी का वादा करके लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों का डीएनए एक ही है और उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां अल्पसंख्यक वोटों के लिए होड़ कर रही हैं और ऐसा करके वे हिंदुओं का अपमान कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई कमी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि केसीआर ने अब तक राज्य में पेट्रोल और गैस की कीमतें कम नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सामाजिक न्याय के तहत एक बीसी नेता को सीएम बनाने का वादा किया था और कहा कि बीसी सीएम बीसी के लिए नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए था। यह दावा करते हुए कि कांग्रेस पार्टी और एमआईएम दोनों एक ही पार्टी हैं, उन्होंने कहा कि एमआईएम पार्टी अतीत में कांग्रेस पार्टी के साथ थी। उन्होंने कहा कि उनका घोषणापत्र वोटों के लिए नहीं है और दावा किया कि वे असंभव वादे नहीं करते।

चार रेलकर्मियों को मिला 'मैन ऑफ द मंथ' पुरस्कार

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा डिवीजन के चार कर्मचारियों को अक्टूबर-2023 के लिए जीएम एससीआर का "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त हुआ। नरेंद्र ए. पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे ने आज यानी 14वें दिन ड्यूटी में सतर्कता दिखाने और असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई करने के लिए विजयवाड़ा मंडल के 4 कर्मचारियों को महाप्रबंधक का "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया।

नरेंद्र ए. पाटिल, डीआरएम ने आयोजित आभासी सुरक्षा बैठक के दौरान पुरस्कार प्रदान किए। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे के साथ रेल निलयम, सिकंदराबाद और मंडल रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद, नादेड़ मंडलों के प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर रहे हैं।

महाप्रबंधक ने जोन की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। डीआरएम नरेंद्र ए पाटिल ने पुरस्कार देते हुए कर्मचारियों को ड्यूटी पर उनकी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के लिए बधाई दी। डीआरएम ने सुरक्षा विभागों को अधिकारियों द्वारा निरीक्षण रिपोर्टों की दैनिक निगरानी करने और अनुभाग में पाई गई कमियों पर तुरंत कार्रवाई करने का सुझाव दिया।

विजयवाड़ा डिवीजन के चार कर्मचारियों ने अक्टूबर 2023 महीने के लिए "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार जीता। इंजीनियरिंग विभाग के ट्रैक मेंटेनर-IV (गेटमैन) आर.अश्रु नायडू, के. सतीश बाबू, पी. अविनाश, तकनिशियन-आई/सी&डब्ल्यू/गुदूर, मैकेनिकल विभाग, एस. वीरा रेड्डी, वरिष्ठ तकनीशियन, सी एंड डब्ल्यू, राजमुंदरी को उनकी समर्पित सेवाओं के लिए उक्त पुरस्कार प्रदान किये गये।

बीआरएस नेता ने ईसीआई से सीताक्का पर झूठे आरोपों के लिए मामला दर्ज करने को कहा

हनमकोंडा, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु विधायक दानसारी अनसूया (सीताक्का) द्वारा उनके और बीआरएस के खिलाफ लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए, बीआरएस नेता और एमएलसी पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से नकली वितरण के उनके आरोपों की विस्तृत जांच करने की मांग की। यदि आरोप निराधार है, तो मुद्रा, और उसके खिलाफ मामला दर्ज करें। उन्होंने आबकारी विभाग के अधिकारियों से जहरीली शराब के आरोपों की जांच करने और अगर ये आरोप झूठे हैं तो उन पर मामला दर्ज करने को भी कहा।

मंगलवार को यहां बीआरएस पार्टी मुलुगु जिले के नेताओं के साथ एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, एमएलसी श्रीनिवास रेड्डी, जो मुलुगु विधानसभा क्षेत्र के चुनावों के लिए पार्टी प्रभारी हैं, ने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि बीआरएस नकली मुद्रा नोट वितरित कर रहा है और मतदाताओं को लालच देने के उद्देश्य से नकली शराब की आपूर्ति भी कर रहा है। सीताक्का, जो चुनाव में अपनी हार को महसूस कर रही है, बीआरएस पार्टी और मेरे खिलाफ कीचड़ उछालने का सहारा ले रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सीताक्का को कांग्रेस पार्टी के नेताओं सहित विभिन्न स्रोतों से पहले ही 80 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस बहाने से कि बीआरएस सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च कर रही है, उन्हें रेवंत रेड्डी, राहुल गांधी, डीके शिव कुमार और अन्य से पैसे मिले हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक शु.2 2080 बुधवार, 15 नवंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 8+8 मूल्य : 8 रुपये**

आज रात 12 बजे से

10 लाख महंगा होगा

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

TODAY OPEN

84% SOLD OUT

BOOKING AMOUNT 10%

16% UNITS LEFT

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

युनिट टाइप	साइज	आज की रेट	कल की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल (POSSESSION DEC. 2025)
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

खुदरा महंगाई दर में गिरावट

पर दालों की कीमतों में उछाल के चलते खाद्य महंगाई से राहत नहीं !

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अक्टूबर महीने में खुदरा महंगाई दर 5 फीसदी के नीचे घटकर 4 महीने के निचले लेवल 4.87 फीसदी पर आ गई है। महंगाई दर के आंकड़े पर सरकार से लेकर आरबीआई खुश हो सकती है। लेकिन चिंता की बात ये है कि खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में कोई राहत नहीं है। खाद्य महंगाई दर सितंबर 2023 में जहां 6.62 फीसदी रही थी वो अक्टूबर 2023 में मामूली गिरावट के साथ 6.61 फीसदी पर आ गई है। इससे स्पष्ट है कि खाद्य महंगाई अभी भी आम लोगों के रसोई खर्च के बजट पर डाका डाल रही है। खाद्य महंगाई में सबसे ज्यादा चिंता बढ़ा रही है दालों की महंगाई।

दालों की महंगाई में जोरदार उछाल

सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा महंगाई दर के जो डेटा जारी किए हैं उसके मुताबिक दालों की महंगाई में सितंबर 2023 के मुकाबले जोरदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। दालों की महंगाई दर अक्टूबर 2023 में 18.79 फीसदी रही है जबकि सितंबर महीने में दालों की महंगाई दर 16.38 फीसदी रही थी। यानिएक महीने में ही दालों की महंगाई दर में 241 बेसिस प्लाइंट का इजाफा देखने को मिला है। जबकि अगस्त 2023 में दालों की महंगाई दर 13.04 फीसदी रही थी। सबसे ज्यादा दालों की महंगाई शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों को परेशान कर रही है। शहरी इलाकों में दालों की महंगाई अक्टूबर महीने में 21.07 फीसदी रही है जबकि ग्रामीण इलाकों में 17.68 फीसदी रही है।

38 फीसदी महंगा हुआ अरहर दाल !

खाद्य महंगाई दर के जस के तस बने रहने में दालों की कीमतों में तेज उछाल सबस प्रमुख वजहों में शामिल है। बेमौसम बारिश के चलते दालों की फसल प्रभावित हुई है जिससे कीमतों में उछाल देखा जा रही है। भारत अपने कुल दालों के खपत का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है। दालों की कीमतों में बढ़ोतरी के आंकड़े पर नजर डालें तो उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के डेटा के मुताबिर एक साल पहले अरहर दाल का औसत मुल्य 113.27 रुपये प्रति किलो था जो करीब 38 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 156.04 रुपये प्रति किलो पर जा पहुंचा है।

उड़द - चना दाल की कीमतें भी बढ़ी

उड़द दाल की कीमतों पर नजर डालें तो एक वर्ष में औसत मुल्य में 12.32 फीसदी की उछाल रही है। चना दाल भी महंगा हुआ है। एक वर्ष में चना दाल की कीमतों में 12 फीसदी के करीब बढ़ोतरी आई है। केवल मसूर दाल के दाम बीते वर्ष के मुकाबले 2.18 फीसदी कम हुए हैं।

सरकार के प्रयास नाकाफी

सरकार के दालों की कीमतों पर नकेल कसने के लिए कई पैसले लिए हैं। इसमें दाल आयात करने वाले इंपोर्टरों को कस्टम क्लीरेंस मिलने के बाद 30 दिनों के भीतर बाजार में दाल उतारने से लेकर हर शुक्रवार को सभी इंपोर्टरों को विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर अरहर और उरद दाल के होल्डिंग स्टॉक की जानकारी देने को कहा गया है। 17 अगस्त 2023 से केंद्र सरकार ने भारत दाल के नाम से चना दाल भई बेच रही है।

नहीं रहे पीआरएस ओबेरॉय, 94 साल की उम्र में निधन; होटल व्यवसाय को नई दिशा देने में थी अहम भूमिका

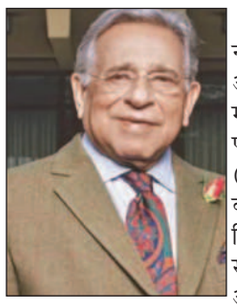

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। ओबेरॉय समूह के मानद चेयरमैन पृथ्वीराज सिंह ओबेरॉय (पीआरएस ओबेरॉय) का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वे 94 साल के थे। पीआरएस ओबेरॉय ने भारत में होटल व्यवसाय को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें इस व्यवसाय चेहरा बदलने के लिए जाना जाता था। पीआरएस ओबेरॉय ने 2022 में ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और ईआईएच एसोसिएटेड होटल्स लिमिटेड के चेयरमैन पद छोड़ दिया था। उन्हें 2008 में पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया था।कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हमें अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि ओबेरॉय समूह के चेयरमैन पी. आर. एस ओबेरॉय का आज सुबह निधन हो गया। आतिथ्य उद्योग में एक महान हस्ती ओबेरॉय की विरासत किसी सीमा तक सीमित नहीं है। इसने वैश्विक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

एक प्रतिभावन शख्स को खोने का शोक मनाते हुए उनकी विरासत को याद रखेंगे। श्रद्धांजलि सभा से जुड़ी जानकारी जल्द साझा की जाएगी। अंतिम संस्कार मंगलवार को शाम चार बजे कापसहेड़ा में भगवंती ओबेरॉय चैरिटेबल ट्रस्ट (ओबेरॉय फार्म) में किया गया।

'बिकी' के नाम से मशहूर पीआरएस ओबेरॉय का जन्म 1929 में दिल्ली में हुआ था। 'द ओबेरॉय ग्रुप' के संस्थापक दिवंगत राय बहादुर एमएस ओबेरॉय के बेटे पीआरएस ओबेरॉय लंबे समय तक ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष रहे और उसके विकास की राह पर आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ओबेरॉय को पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्म विभूषण दे नवाजा गया था। इसके अलावा भी उन्हें कई बड़े पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। असाधारण नेतृत्व और दूरदर्शिता के लिए उन्हें इंटरनेशनल लक्जरी ट्रैवल मार्केट (आईएलटीएम) में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी मिला था। ओबेरॉय को होटल्स (मैगजीन) यूएसए द्वारा 'कॉर्पोरेट होटलियर ऑफ द वर्ल्ड' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

वैश्विक आर्थिक संकट के कारण घट रही हीरों की डिमांड कंपनियों ने कीमतें बढ़ाने के लिए सप्लाई पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हीरे की उत्पादन करने वाली कंपनियों ने इंटरनेशनल मार्केट में कीमतों में गिरावट के चलते सप्लाई पर रोक लगा दी है। दुनिया में हीरे उत्पादन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी डी बीयर्स ने कच्चे हीरे की कीमतों में 35 फीसदी और पॉलिश्ड हीरे के दामों में 20 फीसदी की कमी के बाद सप्लाई पर रोक लगाया है जिससे कीमतों में तेजी लाई जा सके। रूस की दिग्गज डायमंड कंपनी अलरोसा ने भी हीरों की सेल्स को रोक रखा है। हीरों की कीमतों में गिरावट के कारणों पर नजर डालें तो इससे जुड़े सेक्टर्स में स्लोडाउन देखा जा रहा है। हीरे की ज्वेलरी की बाजार में डिमांड कम हुई है। इसके चलते हीरे की कीमतें एक साल के निचले लेवल पर आ चुकी है। पहले के मुकाबले लोग अब हीरे की ज्वेलरी खरीददारी को कम तवज्जो दे रहे हैं। इस महंगी लग्जरी आईटम की खरीदारी की जगह लोग ट्रैवल पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। चीन में हीरे की बड़ी खपत होती है। लेकिन महामारी के बाद चीनी अर्थव्यवस्था की कमजोर रिकवरी के चलते वहां डिमांड बहुत घट गया है। अमेरिका में भी महंगाई और महंगे कर्ज के चलते लोग हीरे की खरीदारी कम कर रहे हैं। इन कारणों के चलते हीरे की कीमतें घटी है। यही वजह है कि प्रोडक्शन करने वाली कंपनियां हीरों की सप्लाई पर रोक लगा रखी है। सप्लाई में कमी के बावजूद कंपनियां 2023 के प्रोडक्शन टारगेट को पूरा करेंगी। इन कंपनियों का कहना है कि कमजोर डिमांड के चलते डायमंड की सप्लाई घटा दी है। एक साल पहले के मुकाबले हीरों की डिमांड में 82 फीसदी की कमी आई है। वैश्विक आर्थिक चुनातियों और हालात के चलते लग्जरी आईटम्स की डिमांड प्रभावित हुई है। डायमंड कंपनियां हीरे की कीमतों में उछाल के साथ डिमांड में तेजी देखना चाहती हैं। हालांकि लॉन्ग-टर्म आउटलुक डिमांड बढ़ने को लेकर शानदार रहने वाला है। भारत में भी हीरों के व्यापारियों ने हीरे की कीमतों में कमी के बाद इंपोर्ट पर दो महीने तक के लिए रोक लगा रखी है। भारत में दुनिया की 90 फीसदी कच्चे हीरे की कटिंग और पॉलिश की जाती है। वहीं हीरे की सबसे बड़ी प्रोड्यूसर ने नवंबर और दिसंबर के लिए हीरे की नीलामी पर रोक लगा रखी है। रूस वॉल्यूम के लिहाज से हीरे का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

एनपीएस में शामिल केंद्रीय कर्मी अपने खाते से निकाल सकेंगे अब इतनी राशि

एकमुश्त रकम के लिए रखी गई ये शर्त

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में कुछ बदलाव किए हैं। जो भी कर्मचारी एनपीएस में शामिल हैं, उन्हें अपनी जमा राशि निकालने के लिए अब ज्यादा विकल्प मिलेंगे। ऐसे कर्मचारी एकमुश्त प्रत्याहरण (एसएलडब्ल्यू) के माध्यम से मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना आधार पर उनकी सामान्य निकासी के समय, उनके चयन के अनुसार, 75 वर्ष की आयु तक अपने पेंशन फंड का 60 फीसदी हिस्सा निकाल सकते हैं।पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) द्वारा पिछले दिनों जारी एक परिपत्र में उक्त जानकारी दी गई है। मौजूदा निकासी दिशानिर्देशों के अनुसार, अभिदाता साठ वर्ष की आयु या सेवानिवृत्ति के बाद वार्षिकी की सुविधा को और एकमुश्त

राशि के प्रत्याहरण की प्रक्रिया को 75 वर्ष की आयु तक, किसी भी युग्म में स्थगित कर सकते हैं। एकमुश्त राशि को एकल किश्त में या वार्षिक आधार पर निकाला जा सकता है। यदि वार्षिक आधार पर राशि को निकाला जाता है, तो अभिदाता को प्रत्येक बार निकासी अनुरोध शुरू कर उसे अधिकृत करना होगा।पीएफआरडीए (एनपीएस के तहत निकास और प्रत्याहरण) विनियम 2015 के विनियम 3 और विनियम 4 व उसमें हुए संशोधनों के अनुसार, व्यवस्थित एकमुश्त प्रत्याहरण (एसएलडब्ल्यू) के माध्यम से एकमुश्त राशि के चरणबद्ध प्रत्याहरण का विकल्प प्रदान करने का प्रस्ताव है। अभिदाताओं को एसएलडब्ल्यू के माध्यम से आवधिक रूप में अर्थात मासिक, त्रैमासिक, छमाही या वार्षिक आधार पर उनकी सामान्य निकासी के समय उनके चयन के अनुसार, 75 वर्ष की आयु तक, अपने पेंशन कोष का साठ फीसदी हिस्सा निकालने की अनुमति दी गई है।पीएफआरडीए ने अपने सभी नोडल कार्यालयों से कहा है कि वे इस संबंध में प्वाइंट्स ऑफ प्रेजेंस, एनपीएसटी और कॉरपोरेट, अपने उन संबद्ध अभिदाताओं को एसएलडब्लू के बारे में सूचित कर सकते हैं, जो साठ वर्ष की आयु में हों या सेवानिवृत्त हो रहे हों। ऐसे कर्मचारी, अगर एनपीएस से निकासी की योजना बना रहे हैं, तो उन्हें उक्त परिपत्र से अवगत कराएं।

मूल्य नियंत्रण के दायरे में आईं 33 और दवाएं, रक्तचाप-मधुमेह और हृदय रोग के इलाज में काम आती हैं दवाएं

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय औषधि मूल्य नियंत्रण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने तय डोज वाली 33 नई कॉम्बीनेशन दवाओं को मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाने की घोषणा की है। यह दवाएं रक्तचाप, मधुमेह, बच्चों में बैक्टीरिया संक्रमण के इलाज, कॉलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड कम करने व अन्य सामान्य बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। इस फैसले से इन जरूरी दवाओं के मूल्य में कमी आएगी। सोमवार को जारी एक आदेश में एनपीपीए ने इन दवाओं की सूची जारी की। प्राधिकरण ने कहा है कि कंपनियां सरकार की ओर से तय मूल्य से अधिक कीमत पर इन्हें बेच सकती हैं। हालांकि कंपनियों को जीएसटी वसूलने की छूट दी गई है, बशर्ते कंपनियां जीएसटी चुका रही हों। एनपीपीए ने जिन दवाओं को मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाने की घोषणा की है, उनमें अधिकांश एक जैसी बीमारियों के इलाज में काम आती हैं लेकिन अलग-अलग कंपनियों की ओर से बनाई जाती हैं।

बीटा ब्लॉकर की एक गोली 10.04 रुपये में

बीटा ब्लॉकर दवा मेटोप्रोलोल सक्सीनेटेड एक्सटेंडेड का इस्तेमाल एंजाइना के दर्द, हार्ट फेल और उच्च रक्तचाप के इलाज में होता है। इसकी एक गोली की कीमत 10.04 रुपये तय की गई है। यही मूल्य सिलनिडीपाइन और टेलमीसर्टन कॉम्बीनेशन का भी तय किया गया है। बच्चों में बैक्टीरियल संक्रमण से निपटने वाली दवा एमोक्सीसिलीन व पोटैशियम क्लैवुलेनेट ओरल सस्पेंशन का मूल्य प्रति मिलीलीटर 4.16 रुपये तय किया गया है।

मधुमेह की दवा 7.89 रुपये में

वयस्कों में टाइप 2 मधुमेह के इलाज में काम आने वाले विल्डाग्लिप्टीन और मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड की एक गोली का मूल्य 7.89 रुपये तय किया गया है।

एलन मस्क ने दुनिया के सामने पीयूष गोयल से मांगी माफी, कही ये बड़ी बात

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल अमेरिकी दौरे पर हैं। उन्होंने टेस्ला के प्लांट का दौरा भी किया। ये दौरा ऐसे समय पर देखने को मिला है, जब भारत सरकार टेस्ला को इंपोर्ट ड्यूटी में रियायत देने का विचार कर रही है। इस बीच एलन मस्क ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से माफी भी मांगी है। आखिर एलन मस्क को पीयूष गोयल से माफी मांगने की जरुरत क्यों पड़ गई? उन्होंने ऐसा क्या कहा कि हर भारतीय को गर्व हो सकता है। आइए आपको भी बताते हैं।

क्यों मांगी एलन मस्क ने माफी?

दुनिया के सबसे अमीर आदमी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में कंपनी की फैक्ट्री के दौरे के दौरान उनके साथ नहीं रह पाने के लिए माफी मांगी है। एलन मस्क ने कहा कि गोयल का फ्रेमोंट प्लांट का दौरा करना "सम्मान" की बात है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह भविष्य में उनसे मिलने के लिए काफी उत्सुक हैं। एक्स पर गोयल की पोस्ट का जवाब देते हुए मस्क ने लिखा कि आपका टेस्ला आना सम्मान की बात है! आज कैलिफोर्निया की यात्रा नहीं कर पाने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मैं भविष्य में मिलने के लिए उत्सुक हूं।

पीयूष गोयल ने किया टेस्ला प्लांट का दौरा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की विनिर्माण इकाई का दौरा किया। उन्होंने कहा कि कंपनी भारत से अपने व्हीकल कंपोनेंट्स के लिए इंपोर्ट को दोगुना करेगी। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में टेस्ला की अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का दौरा किया। प्रतिभाशाली भारतीय इंजीनियर तथा फाइनेंस प्रोफेशनल्स को सीनियर पोस्ट पर काम करते हुए देखना अच्छा लगा। साथ ही मोटर व्हीकल की दुनिया में बदलाव के लिए टेस्ला के योगदान को देखकर बेहद खुशी हुई।

टेस्ला को मिल सकती है टैक्स पर राहत

उन्होंने कहा कि टेस्ला इलेक्ट्रिक व्हीकल सप्लाई चेन में भारत के व्हीकल कंपोनेंट्स सप्लायर्स के बढ़ते योगदान को देखकर भी गर्व है। यह भारत से अपने कंपोनेंट्स के इंपोर्ट को दोगुना करने जा रहे हैं। पीयूष गोयल का यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब भारत सरकार भारत में टेस्ला को सीमा शुल्क में रियायत देने पर विचार कर रहा है। मस्क ने अगस्त 2021 में कहा था कि टेस्ला अगर देश में वाहनों को इंपोर्ट करने में सफल रहा तो तो वह भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर सकते हैं।

अडाणी एनर्जी एडवाइजर को केंद्र की समिति में जगह

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- समिति का एक मेंबर एजीईएल में सलाहकार

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने जनार्दन चौधरी को एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी (ईएसी) का मेंबर बनाया है। ईएसी, पर्यावरण मंत्रालय के अंतर्गत काम करती है। जनार्दन चौधरी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) में एडवाइजर हैं। इस पर शिवसेना (उद्धव गुट, यूटीबी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा- एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी का एक मेंबर एजीईएल में सलाहकार है। हितों के टकराव के बारे में ईएसी अध्यक्ष क्या सोचते हैं? ईएसी के अन्य सदस्य कौन हैं? उनमें से केवल एक निजी कंपनी का सलाहकार और आश्चर्यजनक रूप से एजीईएल में काम करते हैं। दोस्ती हो तो ऐसी।केरल कांग्रेस ने एक्स (पहले ट्विटर) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना लिखा- अडाणी प्रधान सेवक ने अडाणी के कर्मचारी जर्नादन चौधरी को ईएसी का मेंबर बनाया है। ईएसी ने 10 हजार 300 मेगावॉट के 6 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। हाल ही में चौधरी ने अडाणी के सातारा में 1500 मेगावॉट के प्लांट को मंजूरी दी है।

कई पैनल का हिस्सा हैं जनार्दन चौधरी

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि चौधरी को 27 सितंबर को नियुक्ति दी गई। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने पनबिजली और नदी घाटी परियोजनाओं के लिए ईएसी का पुनर्गठन करते समय चौधरी को सात गैर-संस्थागत सदस्यों में से एक के रूप में नामित किया था। रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया कि चौधरी को उन सभी महत्वपूर्ण पैनलों में अपॉइंट किया गया, जिसने कई पॉवर प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी। इनमें कुछ अडाणी ग्रुप के प्रोजेक्ट्स भी हैं।

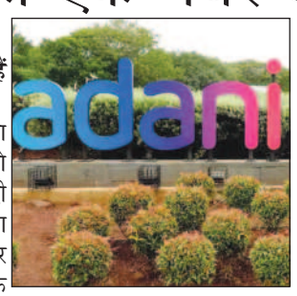

जनार्दन चौधरी की नियुक्ति को लेकर विपक्षी महिला सांसदों ने सरकार को घेरा

शिवसेना (यूटीबी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर लिखा- ईएसी के सामने अडाणी ग्रीन एनर्जी लि. के कई प्रोजेक्ट्स आए थे, जिनमें 850 मेगावॉट का रायवाड़ा (आंध्र प्रदेश), 1800 मेगावॉट का पेदाकोटा (आंध्र प्रदेश), 2100 मेगावॉट का पटगांव (महाराष्ट्र), 2450 मेगावॉट का कोयना-निवकाने (महाराष्ट्र), 1500 मेगावॉट का माल्शेज घाट भोरांडे (महाराष्ट्र), 1500 मेगावॉट का तराली (महाराष्ट्र) की परियोजनाएं 17 अक्टूबर को पास कर दी गईं। सवाल के बदले पैसे मामले में फंसीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा- मोदी सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने अडाणी के कर्मचारी जनार्दन चौधरी को ईएसी का मेंबर बनाया है। इस कमेटी ने अडाणी के 10 हजार 300 मेगावॉट के 6 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। पिछली मीटिंग में चौधरी ने एजीईएल के 1500 मेगावॉट के सातारा प्लांट को मंजूरी दी थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	04-22 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	वृश्चिक.	06-32 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	08-46 बजे
बुध-	वृश्चिक में	मकर..	10-52 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	12-43 बजे
शुक्र-	कन्या में	मीन ..	14-20 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	15-57 बजे
राहु-	मीन में	वृष--	17-42 बजे
केतु-	कन्या में	मिथुन..	19-42 बजे
		कर्क...	21-54 बजे
		सिंह...	00-07 बजे
		कन्या..	02-13 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- **हेमन्त**
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-24 सूर्यअस्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **13 -47-** तक उपरान्त तृतीया
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष , बुधवार **15 November**
नक्षत्र - ज्येष्ठा - **03- 00-** रातंतक उपरान्त मूल
योग - अतिगण्ड - **12 - 06 -** तक उपरान्त सुकर्मा
करण- कौलव - **13 -47 -** तक उप- तैतिल
विशेष:- भाईदूज यम द्वितीया
व्रत -त्योहार - विश्वकर्मा पूजा,चित्रगुप्त पूजा

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:01 से 13:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:24 - 07:47 शुभ	उत्पात	17:36 - 19:15 अशुभ
अमृत	07:47 - 09:11 शुभ	शुभ.	19:15 - 20:50 शुभ
काल	09:11 - 10:36 अशुभ	अमृत	20:50 - 22:25 शुभ
शुभ.	10:36 - 12:01 शुभ	चंचल	22:25 - 24:01 शुभ
रोग	12:01 - 13:25 अशुभ	रोग	24:01 - 01:36 अशुभ
उत्पात	13:25 - 14:50 अशुभ	काल.	01:36 - 03:12 अशुभ
चंचल	14:50 - 16:15 शुभ	लाभ	03:12 - 04:47 शुभ
लाभ	16:15 - 17:36 शुभ	उत्पात	04:47 - 06:24 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आज कोई लेनदार आपके पास आ सकता है और आपसे कर्ज चुकाने के लिए कह सकता है। हालाँकि आप राशि चुका देंगे, लेकिन यह जीवन में आर्थिक तंगी पैदा कर सकता है। इसलिए आपको उधार लेने से बचने की सलाह दी जाती है। दूसरों पर अपनी राय न थोपें- झगड़ों से बचने के लिए आपको दूसरों की बातें सुननी चाहिए।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

दांत दर्द या पेट खराब होना आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकता है। तुरंत राहत पाने के लिए चिकित्सक की सलाह लें। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना पैसा किसी सुरक्षित स्थान पर जमा करके रखना चाहिए, चोरी होने की संभावना है। दूर के रिश्तेदारों से अप्रत्याशित ख़ुशख़बरी पूरे परिवार के लिए ख़ुशनुमा पल लेकर आएगी।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप अपने आस-पास के लोगों को अत्यधिक मांग करने वाले पाएंगे- जितना आप कर सकते हैं उससे अधिक का वादा न करें- और केवल दूसरों को खुश करने के लिए खुद को थकाने के लिए तनाव न दें। आज के दिन आपको पैसों से जुड़ी समस्या आ सकती है और अपने पिता या पिता तुल्य व्यक्ति से सुझाव मांग सकते हैं।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

लंबे समय से जीवन में चल रहे तनाव और तनाव से आपको राहत मिलेगी। उन्हें स्थायी रूप से दूर रखने के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का सही समय है। इस राशि के कुछ जातकों को आज संतान के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व होगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा इसलिए अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए लंबी सैर पर निकलें। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं और उसका सही इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके बच्चे के पुरस्कार समारोह में निमंत्रण खुशी का स्रोत होगा। आप अपने सपने को सच होते हुए देख सकते हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

समय-समय पर टूटने से आपको कुछ परेशानी हो सकती है। अपने तंत्रिका तंत्र को क्रियाशील रखने के लिए पूरा आराम करें। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, जिससे आपको स्थिति को संभालना होगा और काफी धन खर्च करना होगा। गृह-सुधार परियोजनाओं पर विचार किया जाना चाहिए।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका बच्चों जैसा स्वभाव सामने आएगा और आप चंचलता के मूड में रहेंगे। अप्रत्याशित बिल आर्थिक बोझ बढ़ाएंगे। परिजनों के बीच पैसों के मामले में विवाद होने की संभावना है। आपको परिवार के सभी सदस्यों को वित्त और नकदी प्रवाह के बारे में स्पष्ट रहने की सलाह देनी चाहिए। आपके आंसू किसी खास दोस्त द्वारा पोंछे जा सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपकी जबरदस्त बौद्धिक क्षमता आपको विकलांगता से लड़ने में मदद करेगी। सकारात्मक विचार रखकर ही आप इस समस्या से लड़ सकते हैं। संयुक्त उद्यमों और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं में निवेश न करें। पुराने संपर्कों और संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए दिन अच्छा है। रोमांटिक अफेयर आज मार खा सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

कुछ अपरिहार्य परिस्थितियां आपको कुछ बेचैनी दे सकती हैं। लेकिन आपको अपना संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। आज आपके सामने कई नई वित्तीय योजनाएँ आएंगी- कोई भी वादा करने से पहले अच्छे-बुरे पर विचार कर लें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

तनाव दूर करने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। अगर आपको लगता है कि आपका पैसा बिना किसी अच्छे कारण के खर्च हो रहा है तो आज आपको एक सही और प्रभावी बजट योजना बनाने की जरूरत है। आपका कोई करीबी बेहद अप्रत्याशित मूड में रहेगा। आप प्यार के दर्द का अनुभव कर सकते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

जैसे-जैसे आप दूसरों के साथ खुशी के पल साझा करेंगे, आपका स्वास्थ्य भी खिलेगा। लेकिन सावधान रहें क्योंकि इसे नज़रअंदाज करना बाद में आपको परेशान कर सकता है। जैसा कि आपने अतीत में बहुत खर्च किया है, आपको अपने वर्तमान में इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

मोतियाबिंद के रोगियों को प्रदूषित वातावरण में जाने से बचना चाहिए क्योंकि धूम्रपान आपकी आँखों को और नुकसान पहुँचा सकता है। हो सके तो धूप के ज्यादा संपर्क में आने से बचें। यदि आपने अपने परिवार के किसी सदस्य से कुछ धन उधार लिया था तो उसे आज ही लौटा देना उत्तम होगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

चुनाव में रोजगार-बिजली पानी के साथ फ्री स्कीम्स का वादा

बीजेपी 9 दिन पहले जारी करेगी संकल्प पत्र; कांग्रेस की तारीख तय नहीं

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच खूब सियासी वार पलटवार चलते रहे हैं, लेकिन राज्य में दोनों ही पार्टियां ऐन वक्त पर ही घोषणा पत्र जारी करती हैं। राज्य में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव की वोटिंग होनी है और अब तक सत्ताधारी कांग्रेस और मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी के घोषणा पत्र जारी नहीं हुए हैं।

बीजेपी ने चुनाव घोषणा पत्र का काम पूरा करने का दावा किया है। बीजेपी अब 16 नवंबर को चुनाव घोषणा पत्र जारी करेगी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर में वरिष्ठ नेताओं के साथ बीजेपी के संकल्प पत्र को जारी करेंगे। कांग्रेस ने अभी तक घोषणा पत्र जारी करने की तारीख तय नहीं की है।

पिछले लंबे समय से यह ट्रेंड बन चुका है जिसके तहत वोटिंग से सप्ताह भर पहले ही दोनों दल चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, जनता तक इसे पहुंचने और इस पर पर्याप्त बहस का वक्त ही नहीं मिलता। बीजेपी ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल की अध्यक्षता में घोषणा पत्र कमेटी बनाई थी। बीजेपी ने घोषणा पत्र पर सुझाव के लिए प्रदेश भर में रथ भेजे थे, उन रथों में सुझाव बॉक्स रखे गए थे।

इनमें सुझाव बॉक्स में आए लाखों सुझावों को घोषणा पत्र में शामिल किया गया है। बीजेपी ने पॉपुलर डिमांड्स के साथ युवा, रोजगार, बिजली, पानी और विकास की गति को घोषणा पत्र का आधार बनाया है। कांग्रेस घोषणा पत्र का जिम्मा स्पीकर सीपी जोशी के पास

कांग्रेस ने विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी की अध्यक्षता में घोषणा पत्र कमेटी बनाई। इस कमेटी ने कई दौर की बैठकें करके घोषणा पत्र में शामिल बिंदुओं को तैयार किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में लोकलुभावन योजनाओं और फ्री की स्कीम्स को मुख्य आधार बनाया है। 2018 के विधानसभा चुनाव से पांच दिन पहले कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र जारी किया था। 2018 में 3 दिसंबर को वोटिंग थी। बीजेपी ने पिछली बार 27 नवंबर 2018 और कांग्रेस ने 29 नवंबर 2018 को चुनाव घोषणा पत्र जारी किया था। बीजेपी ने संकल्प पत्र के नाम से घोषणा पत्र जारी किया था, उस समय की सीएम वसुंधरा राजे और तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली ने घोषणा पत्र जारी किया था। कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र कमेटी के अध्यक्ष हरीश चौधरी थे। अशोक गहलोत, सचिन पायलट और वरिष्ठ नेताओं ने घोषणा पत्र जारी किया था। कांग्रेस घोषणा पत्र कमेटी के अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने कहा- हमने घोषणा पत्र का काम पूरा करके रिपोर्ट दे दी है।

पहली बार घर बैठे वोटिंग: दिव्यांग और 80+ के 64700 मतदाताओं ने चुना विकल्प; हवामहल सीट से इंदूबाला ने डाला पहला वोट

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के 80 प्लस उम्र के वोटर या फिर ऐसे मतदाता, जो चलने-फिरने में असमर्थ हैं और 25 नवंबर को पोलिंग बूथ तक नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की सुविधा दी गई है। यह सुविधा जयपुर में मंगलवार से शुरू हुई। जयपुर के मालवीय नगर, हवामहल, किशनपोल समेत सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए पोलिंग पार्टियां अलग-अलग लोकेशन से रवाना हुईं। जयपुर की हवामहल विधानसभा सीट से पहला वोट 87 साल की इंदूबाला ने डाला। अजमेर, सीकर और अलवर जिले में भी आज से यह सुविधा शुरू हो गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया- जिन विधानसभा क्षेत्रों में वोटर्स की संख्या ज्यादा है, वहां आज से वोटिंग प्रक्रिया शुरू करवाई है और जिन विधानसभा क्षेत्रों में कम है, वहां कल से वोटिंग प्रक्रिया शुरू होगी। जयपुर में आज सिविल लाइंस, हवामहल और मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में वोटिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पुलिस सुरक्षा के बीच मतदान दल बुजुर्गों-दिव्यांगों के घर तक पहुंचकर वोट डलवा रहे हैं। इस पूरे प्रोसेस की वीडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। मतदाताओं से बैलेट पेपर मत पेटी में डलवाए जा रहे हैं।

राजस्थान में 17.32 लाख बुजुर्ग (80+) और दिव्यांग वोटर्स

निर्वाचन आयोग के मुताबिक पूरे राजस्थान में 80 प्लस उम्र और दिव्यांग (40 फीसदी से ज्यादा) वोटर्स की संख्या 17 लाख 32 हजार 391 है। इनमें से कुल 64 हजार 700 ही मतदाता ऐसे हैं, जिन्होंने 'वोट फ्रॉम होम' का विकल्प चुना है। जो करीब 3.7 फीसदी है।

राजस्थान में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की सुविधा

80 प्लस उम्र के मतदाता : 11,72,007

दिव्यांग (40 फीसदी से ज्यादा) मतदाता : 5,60,384

कुल वोटर, जिन्होंने वोट फ्रॉम होम को चुना : 64,700

सुबह 9 से शाम 5 बजे तक कर सकेंगे मतदान

जयपुर जिले की स्थिति देखें तो 19 विधानसभा क्षेत्रों में 902 दिव्यांग वोटर्स ने 12-डी फॉर्म भरकर होम वोटिंग की सुविधा लेने की इच्छा जताई है, जबकि 6,328 बुजुर्ग वोटर्स ने होम वोटिंग का विकल्प चुना है। घर बैठे वोट वही मतदाता डाल सकेंगे, जिन्होंने 20 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच चुनाव आयोग को फॉर्म 12-डी भरकर दिया था। सुबह 9 से शाम 5 बजे तक वोटिंग करवाई जाएगी।

एक पोलिंग टीम में 5 सदस्य

जयपुर में बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं की वोटिंग के लिए एक टीम में 5 सदस्य पीठासीन अधिकारी, पोलिंग ऑफिसर (पीओ), माइक्रो ऑब्जर्वर, कैमरा मैन और सिक्योरिटी गार्ड शामिल हैं। एक पोलिंग पार्टी को एक दिन में 15 से 20 वोट कास्ट करवाने का टारगेट दिया है।

2 चरण में होम वोटिंग

पोलिंग पार्टियां पहले चरण में 14 से 19 नवंबर के बीच इन मतदाताओं के घर जाएंगी। वहां उनको बैलेट पेपर देगी। वोट डालने के बाद मौके पर ही बैलेट पेपर मत पेटी में डाले जाएंगे। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाई जाएगी। अगर पहले चरण में कोई वोटर घर पर नहीं मिलता है तो उसके यहां टीम दूसरे राउंड में 20 या 21 नवंबर को जाएगी। इस दौरान भी अगर वोटर नहीं मिलता है तो फिर उस वोटर का वोट निरस्त माना जाएगा।

इसलिए दिया अलग-अलग दिन का विकल्प

पहले वोट फ्रॉम होम की सुविधा की शुरुआत के लिए 14 नवंबर की तारीख तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे 15 नवंबर कर दिया। निर्वाचन विभाग के सीईओ के मुताबिक अब जिन जिलों के विधानसभा क्षेत्रों में होम वोटर्स की संख्या ज्यादा है, उनमें 14 से वोटिंग शुरू करने के निर्देश दिए हैं। ताकि सभी वोटर्स के घर पोलिंग पार्टियां पहुंचकर वोट कास्ट करवा सकें। जिन विधानसभा क्षेत्रों में होम वोटर्स की संख्या कम है, वहां वोटिंग की सुविधा 15 नवंबर से शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

ऐसे पूरी होती है प्रक्रिया

पोलिंग पार्टियां लिस्ट के अनुसार वोटर के घर पहुंचती हैं। वहां वोटर की पहचान के लिए मौके पर बीएलओ पहुंचता है। बीएलओ की जांच के बाद पोलिंग पार्टी मतदाता का वोटर आईडी कार्ड या दूसरे दस्तावेज चेक करती है। घर में सुविधाजनक स्थान पर वोटिंग का कंपार्टमेंट बनाया जाता है। इसके बाद वोटिंग लिस्ट में नाम सर्च करके वोटर के नाम के आगे मार्क करके उसे बैलेट पेपर और एक डिक्लेरेशन सर्टिफिकेट दिया जाता है। इस सर्टिफिकेट में वोटर का नाम लिखकर उससे हस्ताक्षर करवाए जाते हैं या अंगूठा लगवाया जाता है। वोटर को वोट करने के लिए 5 मिनट का समय दिया जाता है। बैलेट पेपर पर वोटर को पैन से टिक करवाया जा रहा है। इससे पहले वोटर को पूरी प्रक्रिया समझा रहे हैं। वोट देने के बाद वोटर से डिक्लेरेशन सर्टिफिकेट और बैलेट पेपर लेकर एक लिफाफे में बंद करके मत पेटी में डाला जाता है।

शेखावत का कांग्रेस पर हमला, कहा- पुरानी गारंटियां ही पूरी नहीं हुई, नई का क्या भरोसा

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार पुरानी गारंटियों को ही पूरा नहीं कर सकी है। इनकी नई गारंटियों का कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, मतदाताओं को अपने वोट की ताकत से कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकना है।

शेखावत जोधपुर के लूणी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी जोगाराम पटेल के समर्थन में डोली और बासनी सिलावटा का बास गांवों में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वसुंधरा सरकार में मोदीजी की योजनाओं को धरातल पर उतारा गया था। केंद्र सरकार की योजनाओं को बिना किसी धार्मिक भेदभाव के अमल में लाया गया। कांग्रेस का राज आया, तब हमें समझ में आया कि पहले वाला राज काफी अच्छा था। लेकिन, इस सरकार ने न कर्जा माफ किया, न बेरोजगारों को भत्ता दिया। युवाओं को नौकरी नहीं दी। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। पेपर लीक किया। आरोपियों को बचाने का भी प्रयास किया।

शेखावत कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है। ईडी ने जांच शुरू की तब पेपर लीक के सरगना को गिरफ्तार किया गया। अब जांच की आंच कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा तक पहुंच गई है। महिला अत्याचार के कारण प्रदेश का नाम बदनाम हुआ। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को बलात्कार की राजधानी बनाने का काम किया। जब इस बारे में सरकार से पूछा गया तो इस सरकार के सबसे बड़े मंत्री शांति धारीवाल ने विधानसभा में जवाब दिया कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। इसलिए यहां बलात्कार ज्यादा होते हैं। राजस्थान के मुंह पर कालिख पोतने का काम इस कांग्रेस सरकार ने किया है। शेखावत ने कहा कि जब भाजपा सरकार प्रदेश में थी, वह केंद्र की हर योजना में प्रथम था, लेकिन कांग्रेस सरकार आते ही पिछड़ गया। अब जब प्रदेश को घर घर पानी पिलाने का काम आया। राजस्थान इसमें भी पिछड़ गया। जल जीवन मिशन योजना में भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने नई गारंटियां दी हैं, लेकिन उसकी पुरानी गारंटियां ही पूरी नहीं हुई तो अब नई गारंटियों का क्या भरोसा? वास्तव में यह सरकार अपना भरोसा खो चुकी है। इसलिए जनता को इन गारंटियों का भरोसा नहीं है। अब वोट की चोट से इस सरकार को उखाड़ फेंकना है।

विधायक और निर्दलीय प्रत्याशी बैरवा पर हमला

कांग्रेस उम्मीदवार जाटव समेत परिवारजनों पर केस

धौलपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। विधायक खिलाड़ी लाल बेरवा ने बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी संजय जाटव और उसके समर्थकों ने पथराव कर गोलियां चला दी। फायरिंग से भीमनगर मोहल्ले में दहशत फैल गई। विधायक के परिवार ने घर में छुपकर जान बचाई। धौलपुर के भीमनगर में कांग्रेस विधायक और निर्दलीय प्रत्याशी खिलाड़ी बैरवा पर 20-25 लोगों ने हमला कर दिया। हमला में बैरवा की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। गाड़ियों पर पथराव होता देख बैरवा अपने परिवार को लेकर परिचित के घर में घुस गए। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर हमलावरों को खदेड़ा और बैरवा को सुरक्षित निकाला।

मामले को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी खिलाड़ी बैरवा के बेटे सनी बैरवा ने हमने को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में सनी ने कांग्रेस प्रत्याशी संजय जाटव, पिता सूआलाल, माता सरमथुरा प्रधान द्रोपदी जाटव समेत अन्य परिवारजनों के खिलाफ फायरिंग कर जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कराया है। खिलाड़ी बैरवा ने बताया कि वह रविवार रात को 9-10 बजे करीब भीमनगर में रामखिलाड़ी जाटव के घर परिवार सहित चाय पीने गए थे। जैसे ही वहां पहुंचे तो 20-25 लोगों ने नारेबाजी करते हुए पथराव कर दिया। हवाई फायरिंग से दहशत फैल गई और पथराव से गाडियों के शीशे टूट गए। परिवार के लोगों ने छुप कर जान बचाई।

विधायक ने बताया हमलावरों में महिला और पुरुष दोनों की पहचान हुई है। जिसमे सुआ जाटव पुत्र बुद्धाजाटव, संतोष पुत्र मांगी, हरीशंकर पुत्र चिरंजी, गोपाल पुत्र चिरंजी, चन्द्रभान, हेमराज, राजेश पुत्र रोशन, विजयपाल पुत्र मांगी, पप्पू राम पुत्र भरोसी, शिवसिंह पुत्र रामभरोसी, अजन पुत्र रतनलाल, किशनलाल, बुद्धा, श्यामलाल पुत्र किशन लाल, रवि पुत्र चन्द्रभान, द्रोपती पत्नी सुआलाल, दिलीप पुत्र रोशन, गणेश पुत्र खेमराज, अनुराधा पत्नी संजय, मनीष पुत्र रोशन आदि वारदात में शामिल रहे थे। विधायक खिलाड़ी लाल बेरवा ने बताया कांग्रेस प्रत्याशी संजय जाटव एवं उसके समर्थकों ने पथराव कर गोलियां चला दी। फायरिंग से भीमनगर मोहल्ले में दहशत फैल गई। विधायक के परिवार ने घर में छुपकर जान बचाई। आरोप लगाते हुए कहा हमलावररों ने दरवाजे को भी तोड़ने का प्रयास किया था। लेकिन सुरक्षा गार्ड्स ने रिवाल्वर निकाल कर आत्मरक्षा में गोली चलाने की चेतावनी दी। इसके बाद हमलावर शांत हुए। घटना की सूचना तुरंत थाना प्रभारी कृपाल सिंह को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कांग्रेस प्रत्याशी संजय जाटव समेत उसके समर्थकों को खदेड़ दिया।

कार-रोडवेज बस की टक्कर में 4 युवकों की मौत

आगे का हिस्सा पिचकने से कार में फंसे, लोहे की रॉड से गेट खोलकर निकाला

गंगापुर सिटी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रोडवेज बस और कार के बीच हुई भीषण टक्कर में 4 युवकों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 2 युवकों को जयपुर रेफर किया गया है। कार का आगे का हिस्सा पिचकने से लोहे की रॉड से गेट खोलकर युवकों को बाहर निकाला गया। हादसा जयपुर-गंगापुर स्टेट हाईवे 11HB पर गंगापुर सिटी के बामनवास में हुआ। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने बस में तोड़फोड़ की और हाईवे जाम कर दिया। 2 से 3 किमी लंबी वाहन की कतारें लग गईं। समझाइश कर शाम 5 बजे जाम खुलवाया गया। बामनवास डिप्टी संतराम मीना ने बताया- दौसा डिपो की एक रोडवेज बस तेज रफ्तार में जयपुर से गंगापुर की ओर जा रही थी। कार में खेड़ली और नागरहेड़ा गांव के 6 युवक पिपलाई की ओर जा रहे थे। जयपुर-गंगापुर स्टेट हाईवे 11 एचबी पर पिपलाई गांव में एकाएक रोडवेज बस और कार में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार के गेट जाम हो गए। लोहे की रॉड से गेट खोले गए। कार में सवार 2 युवक गंभीर रूप से घायल हैं। हॉस्पिटल ले जाते समय खेड़ली निवासी हरिमोहन (20) पुत्र सोमराज गुर्जर, विक्रम (20) पुत्र भजन लाल गुर्जर, नागरहेड़ा निवासी मुनिराज (22) पुत्र प्रहलाद गुर्जर और सुरेश (34) पुत्र रामसिंह गुर्जर की मौत हो गई। कार में सवार खेडली निवासी राजू और सचिन भी बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें बामनवास सीएचसी पहुंचाया गया। वहां से गंगापुर सिटी अस्पताल और गंभीर हालत के चलते गंगापुर सिटी से जयपुर रेफर कर दिया गया। भीषण हादसे की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते बामनवास सीएचसी पर भीड़ जमा हो गई। बामनवास विधायक इंदिरा मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी।

चश्मदीद ने बताई 6 लोगों के मौत की कहानी: 'मैंने ट्रेलर को कार से टकराते देखा तो खून सूख गया'; 1 साल की बेटी ने आंखों के सामने दम तोड़ा

बाड़मेर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मैं (सुरेश), धनराज सर, योगेश सर जलगांव के आदर्श हाईस्कूल स्कूल में पढ़ाते हैं। दीपावली पर स्कूल की छुट्टियां थी। ऐसे में, हमने राजस्थान घूमने का प्लान बनाया था। पहले जैसलमेर, फिर जयपुर और चित्तौड़गढ़ जाने का प्लान था। लेकिन, नियति को कुछ और ही मंजूर था। हमने सोचा था राजस्थान घूम कर 6-7 दिन में वापस महाराष्ट्र लौट जाएंगे, लेकिन हादसे ने सब कुछ खत्म कर दिया।

नेशनल हाईवे-68 पर सूरते की बेरी के पास पीछे चल रही कार व ट्रेलर के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार सभी लोगों की मौत हो गई। इस घटना के चश्मदीद गवाह सुरेश ने कार चलाते हुए बैक मिरर से इस एक्सीडेंट को देखा तो उनके होश उड़ हो गए। उन्होंने बताया- कैसे इस घटना में दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं। हम जलगांव से दीपावली की पूजा करने के बाद करीब 10 बजे घर से निकले थे। इस दौरान धनराज सर और योगेश सर का परिवार और मेरा परिवार साथ थे। मेरी ब्रेजा कार और धनराज की अर्टिगा से हम रवाना हुए। हम लोग जैसलमेर से 350कि.मी दूर थे। हम नेशनल हाईवे-68 पर थे। ब्रेजा मैं चला रहा था और धनराज सर अपनी कार अर्टिगा चला रहे थे। दोनों गाड़ियों में करीब 60 मीटर का फासला था। सुरेश ने बताया- इतने में हमारे पास से एक तेज रफ्तार ट्रेलर निकला। सिंगल लेन सड़क थी तो हम काफी सावधानी से चला रहे थे, तभी 1 सेकेंड बाद जोरदार धमाका सुनाई दिया। पीछे देखा तो ट्रक पीछे आ रही धनराज सर की अर्टिगा में घुस गया था। मेरी कार में चीख पुकार मच गई। मेरे और योगेश के होश उड़ गए। लगा मानो हमारे शरीर में खून नहीं है। मैंने कार पीछे घुमाई और वहां घटनास्थल तक पहुंचे तो हम सभी की चीख निकल गई।

जब हम कार के पास पहुंचे तो वो बुरी तरह आगे से डैमेज थी। ट्रेलर ओवरटेक करने के चक्कर में धनराज सर की कार से टकरा गया था। धनराज सर, उनकी 5 साल की बेटी स्वरांजलि, पत्नी सुरेखा, मेरे साथ कार में बैठे योगेश सर का 5 साल का बेटा प्रशांत, उनकी 1 साल की बेटी भाग्य लक्ष्मी और पत्नी गायत्री बुरी तरह घायल थे। ये 6 लोग बेसुध थे और कार में फंसे थे। मुझे और योगेश को कुछ समझ नहीं आ रहा था। इतने में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हुई तो हमने हाथ जोड़कर मदद मांगी। उस वक्त उन 6 लोगों में सिर्फ योगेश सर की पत्नी गायत्री की सांसें चल रही थी। हमने तुरंत ग्रामीणों की मदद से सभी को धोरीमन्ना के हॉस्पिटल में पहुंचाया।

राहुल गांधी रोड शो करेंगे

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। 16 नवंबर को राजस्थान में तीन सभाएं; प्रियंका गांधी, खड़गे और स्टार प्रचारक भी प्रचार में उतरेंगे। विधानसभा चुनावों में प्रचार का अब एक सप्ताह बचा है। इस एक सप्ताह में कांग्रेस के बड़े नेताओं की प्रदेशभर में सभा और दौरे होंगे। राहुल गांधी का जयपुर में रोड शो करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके लिए स्थानीय नेताओं ने तैयारियां शुरू कर दी है। आज शाम तक राहुल गांधी के जयपुर रोड शो की तारीख फाइनल होगी। प्रियंका गांधी की सभाओं के लिए कई विधानसभा क्षेत्रों से मांग आ रही है। प्रियंका गांधी की मारवाड़, शेखावाटी और पूर्वी राजस्थान से सभाओं की मांग आई है। गुरुवार तक प्रियंका गांधी की सभाओं के कार्यक्रम तय हो जाएंगे।

दोस्त ने किया दोस्त की हत्या का प्रयास

धक्का देकर छत से नीचे फेंका, खाने की बात पर हुई थी कहासुनी

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक दोस्त के दोस्त की हत्या करने की कोशिश का मामला सामने आया है। खाना फेंकने की बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। गुस्साए दोस्त ने धक्का देकर उसे छत से नीचे फेंक दिया। घाल हुए दोस्त का एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। शिवदासपुरा थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया- सीतामढी बिहार के रहने वाले गणेश मुखिया (26) की हत्या का प्रयास किया गया है। जो पिछले काफी समय से प्रहलादपुरा स्थित फैक्ट्री में प्राइवेट जॉब करता है। फैक्ट्री में ही उसने किराए पर रुम ले रखा है। गणेश के साथ बिहार के रहने वाले ऋषी कुमार भी रूम में रहता है। 11 नवंबर को सुबह करीब 7:30 बजे दोनों दोस्तों के बीच खाना फेंकने की बात को लेकर कहासुनी हो गई थी।

कहासुनी होने पर गुस्साए ऋषि कुमार ने कमरे की छत पर खड़े गणेश को धक्का देकर नीच फेंक दिया। सिर के बल नीचे पक्की जमीन पर गिरने से गणेश बेहोश हो गया।

मौजूद साथियों ने गणेश को गंभीरावस्था में महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया।

डॉक्टर्स ने हालत गंभीर देखते हुए उसे एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया। एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती गणेश का न्यूरो आईसीयु में इलाज चल रहा है। घायल गणेश के बड़े भाई संतोष मुखिया की शिकायत पर शिवदासपुरा पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

महिला के अपहरण के आरोपी युवक का पेड़ से लटका मिला शव; परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

भरतपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। दौसा सदर थाना इलाके में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने पर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। युवक पर महिला को भगाने और अपरहण करने का मामला दर्ज है।

दौसा के सदर थाना इलाके में गोठड़ा गांव के खेत में पेड़ से फंदे से लटका हुआ युवका शव मिला। हादसे की सूचना की बाद गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां युवक बबूल के पेड़ पर फंदे से लटका हुआ मिला। उसके पैर भी पेड़ की डाल से बंधे हुए थे। पुलिस ने युवक की मौत को संदिग्ध मानते हुए

एफएसएल व एमओबी टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने युवक के शव को पेड़ से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया व मामले की जांच शुरू कर दी है।

सदर पुलिस थाना अधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि मृतक की पहचान मोहनलाल मीणा 22 निवासी गोठड़ा के रूप में हुई है। मृतक के खिलाफ जयपुर के बस्सी थाने में शादीशुदा महिला को भगाने अपरहण का प्रकरण दर्ज है। वहीं, उसके परिजनों ने भी दौसा सदर थाने में युवक की गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। ऐसे में पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुट गई है।

मामले को लेकर सदर थाना इंचार्ज गौरव प्रधान ने बताया कि युवक का शव पेड़ से लटका होने की सूचना पर मौके पर पहुंचे तो पूरा मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। जिस पर एफएसएल व एमओबी टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। ऐसे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल शव को दौसा रामकरण जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

सर्दी में ही क्यों बढ़ता है वायु प्रदूषण

मौसम का चक्कर कैसे दम घोंटता है

नई दिल्ली, 14 नवंबर(एक्सक्लूसिव डेस्क)। 68 साल की सुशीला शर्मा दिल्ली में अपने बड़े बेटे के साथ रहती हैं। हर साल अक्टूबर आते ही वो 5 महीने के लिए अपने छोटे बेटे के घर जोधपुर चली जाती हैं। सुशीला अस्थमा की मरीज हैं। अक्टूबर से फरवरी के बीच दिल्ली में सर्दी का सीजन होता है। इस दौरान दिल्ली के प्रदूषण के चर्चे पूरी दुनिया में होते हैं।

सर्दियों में ही क्यों होता है ज्यादा वायु प्रदूषण, क्या ये फिनॉमिना सिर्फ दिल्ली के लिए है, गर्मी और बारिश में कम प्रदूषण क्यों होता है। इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

सर्दियों में धरती की सरफेस पर जितनी भी सॉलिड चीजें हैं, जैसे सड़कें, इमारतें, पुल वगैरह, ये सभी चीजें सूरज से मिली गर्मी को रात में रिलीज करती हैं। रिलीज की गई गर्मी 50 से 100 मीटर ऊपर उठकर एक लॉकेबल लेयर बना लेती है। इस कारण वातावरण की हवा ऊपर नहीं उठ पाती। मतलब ये है कि ये हवा वायुमंडल के नीचे ही लॉक रहती है। इस लेयर के नीचे जो हवा होती है वो ठंडी होती है और ठंडी हवा में मूवमेंट न के बराबर होता है। प्रदूषण के पार्टिकल भी इसी हवा में मिल जाते हैं और ऊपर नहीं उठ पाते हैं, जिससे प्रदूषण भी हवा के साथ लॉक हो जाता है। यही कारण है सर्दी में प्रदूषण बढ़ता है। यही स्मॉग और फॉग का कारण बनता है। पुणे स्थित मौसम विज्ञान प्रशिक्षण संस्थान की वैज्ञानिक ममता यादव के मुताबिक तकनीकी भाषा में कहें तो जो लॉकेबल लेयर बनती है, उसे लोवर ग्राउंड इनवर्जन लेयर कहते हैं। इसे ब्रेक करने का काम हीट एनर्जी का होता है। पृथ्वी को हीट सूरज से मिलती है। जैसे-जैसे सूरज निकलता है उसकी गर्मी से लेयर ऊपर उठती जाती है। जैसे सुबह में ये लेयर 100 मीटर ऊंचाई पर थी। गर्मी बढ़ने के साथ ही ये 400 मीटर ऊंची हो जाएगी। मतलब जो प्रदूषण 100 मीटर पर लॉक था वो 400 मीटर की ऊंचाई पर चला गया है। इस तरह ये प्रोसेस चलता रहता है। दोपहर को जब सूरज की गर्मी हाइएस्ट होती है, तब प्रदूषण बेहद कम या खत्म हो जाता है, क्योंकि प्रदूषण को ऊपर हवा में जाने की जगह मिल जाती है।

सर्दियों में एयर पॉल्यूशन का बढ़ना एक ग्लोबल फिनोमिना है। पूरी दुनिया में सर्दियां बढ़ने पर पॉल्यूशन बढ़ता है। जिस समय नॉर्थ इंडिया खासतौर से दिल्ली, कानपुर में पॉल्यूशन हाइप पर होता है उस समय मेक्सिको के मेकपेट, यूएस के ऑकरिज, रूस का क्रास्नायार्स्क, पोलैंड का ऑरजेजे, इजिप्ट के कायरो शहरों में एयर पॉल्यूशन हाई लेवल पर होता है।

अगर इसके इतिहास में नजर डालें तो सबसे पहले ये नोटिस में आया लंदन से। 5 दिसंबर 1952 को लंदन में जबरदस्त एयर पॉल्यूशन के चलते भयानक स्मॉग छाया था। लोगों को लगा कि ये आम बात है। दोपहर तक छंट जाएगा, लेकिन शाम होते-होते स्मॉग और गहरा गया था। विजिबिलिटी एक फीट से भी कम हो गई थी। ये स्मॉग पांचवें दिन 9 दिसंबर को छंटा था। इस भयानक स्मॉग ने 12 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। लाखों लोग बीमार हो गए थे। 13वीं सदी से ही लंदन में लोगों को कोयला जलाने की आदत पड़ गई थी। इंडस्ट्रीज भी ईंधन के रूप में ज्यादा से ज्यादा कोयले का उपयोग करती थीं। सर्दी और धुंध की वजह से धुआं ऊपर उठा ही नहीं और वहीं लॉक हो गया। इस घटना को ग्रेट स्मॉग ऑफ लंदन कहा जाता है। इस स्मॉग के बाद कानून बना और घरों और इंडस्ट्री में कोयला जलाना बैन कर दिया गया।

इसके अलावा हम देखते हैं कि पड़ोसी देश चीन के कई शहरों में सर्दियों के सीजन में ही अक्सर

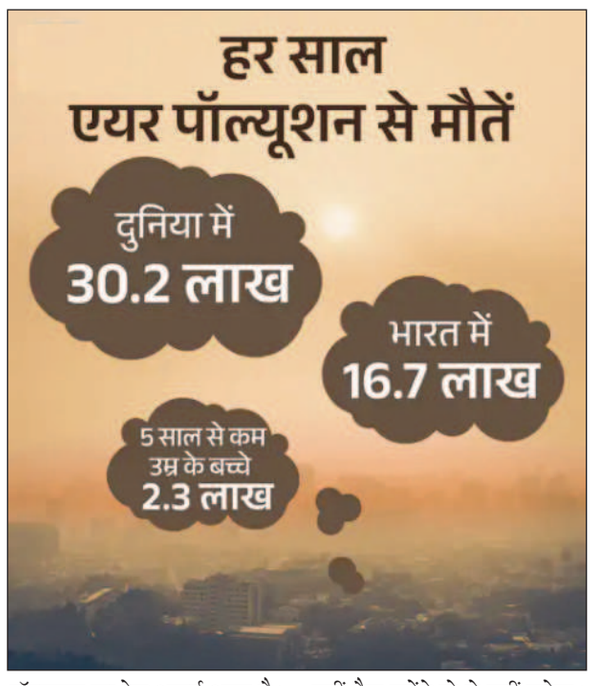

पॉल्यूशन का रेड अलर्ट आता है। भारत की तरह चीन के लिए भी सबसे बड़ी चुनौती पीएम2.5 के लेवल को कंट्रोल करना है। 2016 में पीएम2.5 के कारण दुनिया भर में हुई 41 लाख मौतों में से आधे से अधिक में चीन और भारत का योगदान है।

सर्दियों की वजह से पॉल्यूशन लॉक हो जाता है। ये खुद से पैदा नहीं होता। अगर लोग पॉल्यूशन नहीं पैदा करेंगे तो ये नहीं बढ़ेगा। दुनिया के कई देश हैं जहां तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से कम होता है, लेकिन पॉल्यूशन का नामोनिशान तक नहीं है। क्लीन एयर क्वालिटी में आइसलैंड ऐसा देश है जहां तापमान 3-5 डिग्री के बीच रहता है। इनके अलावा फिनलैंड, कनाडा, न्यूजीलैंड और डेनमार्क भी इसी लिस्ट में शामिल है। डेनमार्क वहीं देश है जिसके कोपेनहेगन शहर में 2009 में जलवायु सम्मेलन हुआ था। प्रदूषण कोई भी हो, वो खराब ही होता है। सर्दी का प्रदूषण हम इसलिए नोटिस करते हैं कि वो हमारे लोवर एटमास्फेयर में मौजूद होता है। हमें दिखाई देता है और ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। इसे आप ऐसे समझिए कि एक इंसान की हाइट 6 फीट है और 20 फीट की ऊंचाई पर प्रदूषण लॉक है तो इस हाइट पर प्रदूषण ज्यादा असरदार होगा। जब वो इंसान सांस लेगा तो उसे ज्यादा दिक्कत होगी। ये ठीक वैसा ही है जब कोई मिनरल वाटर से गंदी नाली का पानी पीने लगता है तो वह सहज नहीं होता।

ठीक वैसे ही जब प्रदूषित हवा शरीर में जाएगी तो दिक्कत तो होगी। खराब हवा से आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत, स्किन में खुजली जैसी दिक्कतें होती हैं। यही कारण होता है कि सर्दियों में अस्थमा के मरीज ज्यादा मरते हैं। गर्मियों में प्रदूषण तो होता है, लेकिन वो बेहद ऊंची लेयर पर होता है जो सीधे इतना असर नहीं करता।

वातावरण में कई प्रदूषक तत्व हैं, जैसे सल्फर के ऑक्साइड, कार्बन के आक्साइड और कई दूसरे पार्टिकुलेट मैटर। इनमें से कुछ पार्टिकुलेट मैटर का नेचर वाटर फ्रेंडली होता है। कुछ पार्टिकुलेट मैटर पानी के संपर्क में आकर क्रिया करते हैं और घुल जाते हैं। प्रदूषण के दौरान जब कभी बारिश होती है तो सल्फर, कार्बन, नाइट्रोजन के केमिकल पानी के साथ मिलकर नीचे गिरकर मिट्टी में मिल जाते हैं। इससे आधे प्रदूषित पार्टिकुलेट मैटर छन जाते हैं तो प्रदूषण कम हो जाता है। जैसा कल दिल्ली में हुआ वहां बारिश होने से हवा का प्रदूषण काफी हद तक कम हो गया था। पॉल्यूटेड एयर का असर घर के अंदर की हवा पर भी पड़ता है। ये हमारे घर के भीतर की हवा को भी दूषित करते हैं। घर में वेंटीलेशन की कमी प्रदूषकों को घरों में घुसने में मदद करती है। जब प्रदूषित तत्व घर से बाहर नहीं निकल पाते, तो वे इकट्ठा हो जाते हैं और तेजी से बढ़ने लगते हैं।

बैक्टीरिया, वायरस, फफूंद बीजाणु और धूल के कण की मौजूदगी किसी को भी बीमार बना सकती है। इस कारण से घर के आसपास पेड़ लगाने चाहिए। दिल्ली जैसे शहरों में तो लोग एयर फिल्टर लगाने लगे हैं। जब सर्दी आती है तो घर में अलाव जलता है। सर्दी में बाहर जाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट, टू व्हीलर या साइकिल की जगह कार का उपयोग होता है। कार तक तो ठीक है, लेकिन कार में भी ब्लोअर या हीटर चलाता है, जिसे चलाने पर कारें धुआं छोड़ती हैं। लोग सर्दी से बचने के लिए अपने घर की खिड़की तक नहीं खोलते, जो घर में प्रदूषण वाले पर्टिकुलेट मैटर की संख्या बढ़ाते हैं।

पीएम का अर्थ होता है पर्टिकुलेट मैटर। हवा में जो बेहद छोटे कण यानी पर्टिकुलेट मैटर की पहचान उनके आकार से होती है। 2.5 उसी पर्टिकुलेट मैटर का साइज है, जिसे माइक्रोन में मापा जाता है। इसका मुख्य कारण धुआं है, जहां भी कुछ जलाया जा रहा है तो समझ लीजिए कि वहां से पीएम2.5 का प्रोडक्शन हो रहा है। इंसान के सिर के बाल की अगले सिरे की साइज 50 से 60 माइक्रोन के बीच होता है। ये उससे भी छोटे 2.5 के होते हैं। मतलब साफ है कि इन्हें खुली आंखों से भी नहीं देखा जा सकता। एयर क्वालिटी अच्छी है या नहीं, ये मापने के लिए पीएम2.5 और पीएम10 का लेवल देखा जाता है। हवा में पीएम2.5 की संख्या 60 और पीएम10 की संख्या 100 से कम है, मतलब एयर क्वालिटी ठीक है। गैसोलीन, ऑयल, डीजल और लकड़ी जलाने से सबसे ज्यादा पीएम2.5 पैदा होते हैं।

बहुत हुआ सट्टे का खेल बाय-बाय भूपेश बघेल

अनुराग ठाकुर बोले– गौ माता का श्राप कांग्रेस साफ

रायपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर रायपुर दौरे पर हैं। अनुराग ठाकुर ने एकात्म परिसर में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस और सीएम बघेल पर जमकर हमला बोला। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि झूठे वादे, झूठे इरादे कांग्रेस के नहीं नेक इरादे। बहुत हुआ सट्टे का खेल बाय-बाय भूपेश बघेल। आगे अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने कोई भी वादा पूरा नहीं किया और न ही कुछ दिया। कांग्रेस की गारंटी और कांग्रेस दोनों फेल है। यहां तो गौठान घोटाला हुआ है। गौ माता का श्राप कांग्रेस साफ। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले को लेकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि महादेव ऐप घोटाले के बाद छत्तीसगढ़ के सीएम अपना चेहरा छिपा रहे हैं। ठाकुर ने आगे कहा कि जिस तरह दिल्ली के

उपमुख्यमंत्री शराब घोटाले में नहीं बच पाए उसी तरह यहां भी कोई नहीं बच पाएगा।

भाजपा नेता ने कहा कि गारंटी लेनी है तो पीएम मोदी की (दी हुई) गारंटी लीजिए। अनुराग ठाकुर ने सीएम बघेल पर हमला बोलते हुए कहा कि भूपेश बघेल और कांग्रेस ने हिमाचल में भी कई वादे किए थे, वे भी फेल हुए हैं। कर्नाटक से लेकर हिमाचल तक इनकी गारंटी फेल हुई है, कोई वादा पूरा नहीं किया है। जैसे दिल्ली में घोटाले करने वाले जेल में है, वैसे यहां पर भी घोटाले करने वाले जेल जाएंगे। हमारी सरकार आएगी तो हम सरकार बनने के एक सप्ताह बाद ही 25 दिसंबर को किसानों को पैसा देंगे, ये मोदी की गारंटी है। अनुराग ठाकुर ने भाजपा के घोषणा पत्र की जानकारी दी और कहा कि गरीबों को आवास नहीं मिला, गरीबों का श्राप कांग्रेस साफ।

दुकानों में आग की चपेट में कई लोग, तीन की मौत

चार साल की एक बच्ची भी झुलसी

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद से बड़ी खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि दुकान में आग लगने की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। जान गंवाने वालों में दो महिलाएं और एक चार साल की एक बच्ची शामिल है। एक डेढ़ महीने की बच्ची के झुलसने की भी खबर है। सभी एक परिवार के हैं। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना धनबाद के केंदुआडीह थाना क्षेत्र के केंदुआ बाजार स्थित जेवर पट्टी की है।

पुलिस के मुताबिक, जेवर पट्टी की एक दुकान आग लग गई। दुकान एक मकान में सबसे नीचे थी। देखते ही देखते आग पूरे मकान में फैल गई।

घटना के वक्त मकान में छह लोग मौजूद थे। हादसे की सूचना दमकल विभाग को दे दी गई। मकान के ऊपर मौजूद परिवार के लोगों ने सड़क से ऊपर बालकनी में सीढ़ी लगाकर निकलने की कोशिश की। सीढ़ी की मदद से कुछ लोग मकान के अंदर पहुंचे और तीन लोगों को बाहर निकाला।

जानकारी के मुताबिक, दुकान के मालिक की पहचान सुभाष गुप्ता के रूप में हुई है। हादसे के बाद सुभाष की 65 वर्षीय मां उमा देवी, पत्नी सुमन गुप्ता, चार साल की बेटी मौली, डेढ़ साल के बेटे शिवान्स, बहन प्रियंका गुप्ता (30), और भाई सुमित गुप्ता को बाहर निकाला गया। इलाज के दौरान सुभाष की मां, बेटी और बहन की मौत हो गई। सुमन, सुमित और शिवांश का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के दौरान सुभाष और उनके पिता अशोक घर पर नहीं थे।

उत्तराखंड के लिए तीन सदस्यीय टीम रवाना

सुरंग में फंसे मजदूरों के बचाव कार्यों की करेंगे समीक्षा

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले में स्थित निर्माणाधीन सुरंग में 40 मजदूर फंस गए हैं। जिसके बाद से लगातार उन्हें निकालने के प्रयास जारी है। इसी बीच झारखण्ड सरकार ने बचाव कार्य की समीक्षा के लिए एक टीम भेजी है। झारखण्ड सरकार के अधिकारियों की तीन सदस्यीय टीम उत्तराखण्ड के लिए रवाना हो गई है। एक अधिकारी ने मामले की जानकारी दी। मुख्यंत्री हेमंत सोरेन के आदेश पर जेएपी-आईटी के सीईओ भुवनेश प्रताप सिंह और संयुक्त श्रम आयुक्त राजेश प्रसाद समेत तीन अधिकारी उत्तराखण्ड के लिए रवाना हो गए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव के लिए चल रहे कार्य में मदद करेंगे। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुरंग में फंसे सभी मजदूरों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

60 मीटर दायरे में आए भारी मलबे से बंद है सुरंग

बीते रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे सिलक्यारा सुरंग के मुहाने से करीब 230 मीटर अंदर भारी भूस्खलन हुआ था, जिससे सुरंग बंद हो गई थी। इससे सुरंग की खोदाई में लगे 40 मजदूर वहीं अंदर फंस गए थे। घटना की सूचना के बाद से पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी के करीब 150 से अधिक जवान राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि सोमवार साढ़े दस बजे तक करीब 25 मीटर तक मलबा हटाया गया। लेकिन मलबा गिरना बंद नहीं हो रहा है। मलबे को सीमेंट के जरिए रोककर हटाया जा रहा है। पहले भूर-भूरा से मलबा आ रहा था अब हार्ड चट्टानी मलबा व बोल्डर आ रहे हैं। इसे देखकर लग रहा है कि अब मलबा आना बंद हो सकता है।

स्कॉर्पियो से 1 करोड़ 12 लाख जब्त

बलौदाबाजार, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के कसडोल विधानसभा में स्टैटिक सर्विलांस की टीम (एसएसटी) ने स्कॉर्पियो से 1 करोड़ 12 लाख रुपए जब्त किया है। जब्त रुपए को पलारी पुलिस को सौंप दिया गया है। वहीं देर रात तक थाने में पैसों की गिनती करते रहे। स्कॉर्पियो सवार ने बताया कि एसबीआई के एटीएम में पैसे डालने जा रहे थे, लेकिन कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। जानकारी के अनुसार, रायपुर से बलौदाबाजार की ओर एक निजी स्कॉर्पियो को खरतोरा नाका के पास चेकिंग के लिए रोका गया। उसमें सीएमएस स्टीकर लगा हुआ था। जिसके अंदर पेटी से 1 करोड़ 12 लाख रुपए कैश भरा मिला।

स्कॉर्पियो में बैठे प्रदीप कुमार, सौरभ सिंह डहरिया, गनमैन भागवत प्रसाद द्विवेदी और चालक पुरुषोत्तम ढीढी से एसएसटी टीम ने पैसों के संबध में पूछताछ की। उन्होंने एसबीआई के एटीएम में पैसे डालने जा रहे थे। कैश वाहन नहीं होने के कारण प्राइवेट वाहन में पैसा ले जा रहे थे।

लेकिन पैसे के संबंध में कोई वैध दस्तावेज जमा नहीं कर सके। इसलिए तहसीलदार देवेंद्र नेताम ने रुपयों की जब्ती की कार्रवाई की। ड्यूटी में तैनात कर्मचारी मशीन मंगाकर देर रात 2 बजे तक थाने में पैसे की गिनती करते रहे।

इस मामले में तहसीलदार देवेंद्र नेताम ने बताया कि एसएसटी को वाहन चेकिंग के दौरान एक निजी गाड़ी में पैसे से भरा पेटी मिला। पूछताछ करने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला और न ही राशि के संबध में कोई दस्तावेज मिला। बैंक का पैसा होने की बात सामने आई है। दस्तावेज मांगी गई है।

कोरिया और रायगढ़ को संभाग बनाएगी कांग्रेस

बैकुंठपुर की सभा में भूपेश बघेल की घोषणा, महादेव ऐप पर कहा– मतदान तक मनोरंजन कीजिए

कोरिया, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को फिर एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस की सरकार आने पर रायगढ़ और कोरिया नए संभाग बनाए जाएंगे। फिलहाल प्रदेश में 5 संभाग हैं। सीएम बघेल बैकुंठपुर के मौहरी मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि, हमारी सरकार बनेगी तो एक नहीं, दो संभाग बनेंगे। शर्त ये है कि कोरिया संभाग में सभी प्रत्याशियों को जिताना होगा। बैकुंठपुर से कांग्रेस की प्रत्याशी अम्बिका सिंहदेव ने मुख्यमंत्री से बैकुंठपुर को संभाग बनाने की मांग रखी थी। इसके बाद भूपेश बघेल ने दो नए संभाग का ऐलान किया है।

कांग्रेस ने भरोसे का घोषणा पत्र 5 नवंबर को लॉन्च किया था। इसमें 20 वादे किए गए हैं। इसके

अलावा दीपावली के दिन महिलाओं को सालाना 15 हजार देने का ऐलान किया गया। इसके बाद दूसरे ही दिन 13 नवंबर को भूपेश बघेल ने 2 नए संभाग बनाने का ऐलान कर दिया है।

महादेव ऐप पर भूपेश बघेल ने कहा कि, मतदान तक आप जमकर मनोरंजन कीजिए। क्योंकि असीम दास जो लड़का पकड़ा गया, वह भाजपा का है। जो गाड़ी पकड़ी गई, वो अमर अग्रवाल के भाई की है। ईडी जो विज्ञप्ति जारी करती है कि शुभम सोनी मैनेजर है। दूसरे दिन भाजपा अपलोड करती है, वो कहती है कि मालिक मैं हूं। ऐसा भी मालिक होता है, जो नौकर पर 250 करोड़ खर्च करता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के भ्रष्टाचार की जांच कराने की बात को लेकर भूपेश बघेल ने कहा कि, सीएम सर, सीएम मैडम कौन है, बताएं। पनामा में कब कार्रवाई होगी, चिटफंड कंपनी घोटाला, नान घोटाले में कब कार्रवाई करेंगे। राणे, हेमंत बिस्व सरमा, अजित पवार पर कब कार्रवाई करेंगे, बताएं? भूपेश बघेल ने कहा कि, पहले चरण के चुनाव में भाजपा बुरी तरह हार रही है। रमन सिंह भी बुरी तरह हार रहे हैं। भाजपा में केवल मोदी जी अपने नाम की गारंटी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने चुनाव से पहले कहा था कि केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो 15-15 लाख रुपए देंगे। आज तक 15 लाख खाते में नहीं आया।

2 कार की भिड़ंत में पति-पत्नी की मौत

दुर्ग, 14 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई। हादसे में बेटी और दामाद घायल हो गए हैं जिन्हें रायपुर रेफर किया गया है। एक बेटी का भी इलाज जारी है। सोमवार को ऑल्टो कार से सभी दुर्ग से बेमतरा जा रहे थे तभी धमधा रोड पर मेडेसरा गांव के पास सामने से आ रही दूसरी कार से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कार के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मृतक यमुना प्रसाद तिवारी बीएसपी कर्मी थे हादसे में उनकी पत्नी सुषमा तिवारी की भी मौत हो गई। लोगों की मदद से पहले सभी को जिला अस्पताल लाया गया था।

बताया जा रहा है कि जिस समय ये घटना हुई उसी दौरान दुर्ग एसएसपी राम गोपाल गर्ग थाने का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जिससे घायलों को अस्पताल पहुंचाने में देर हो गई। दोनों शवों को देर शाम लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मरचुरी में रखवाया गया है।

28 प्लांट स्थापित करने की योजना

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य स्थापना दिवस के मौके पर पेयजल स्वच्छता विभाग गोबरधन योजना के तहत बनाए गए चार बायोगैस प्लांट का उद्घाटन होगा। ये बायोगैस प्लांट रांची, पूर्वी सिंहभूम, पलामू और चतरा में स्थापित किए गए हैं। इसी साल राज्य में 13 और बायोगैस प्लांट तैयार होने की उम्मीद है। इन्हें भी दिसंबर तक शुरू कर दिया जाएगा। राज्य के 18 जिलों में 28 प्लांट स्थापित करने की योजना है। 23 पर काम चल रहा है, जबकि चार प्लांट पूरी तरह से तैयार हैं। इनका उद्घाटन 15 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सीएम हेमंत सोरेन करेंगे। सभी बनाए गए प्लांट या बनने वाले प्लांट का आकार 40 क्यूबिक मीटर है। 15 नवंबर को जिन चार प्लांटों का उद्घाटन होना है, उनमें रांची के नामकुम प्रखंड का चंदाघासी गांव, पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया प्रखंड का डुमरो गांव, पलामू के पांकी प्रखंड का सुधी गांव और चतरा के कान्हाचट्टी का हरहद गांव शामिल हैं। इसके अलावा गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम, पाकुड़, हजारीबाग, सिमडेगा, गिरिडीह, रांची पूर्वी और धनबाद में एक-एक प्लांट की स्थापना होगी। पूर्वी सिंहभूम में भी तीन प्लांट बनाने की योजना है। इसमें एक प्लांट तैयार है। इसके साथ अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री गाड़ी योजना के साथ सीएम आपके द्वार के तीसरे चरण की भी शुरुआत होगी। इसके साथ ही रोजगार मेला सह नियुक्ति पत्र वितरण, खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार राशि वितरण, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना शामिल है।

सरना को धर्म की मान्यता न देने पर आत्मदाह की धमकी

जमशेदपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी के दौरे से पहले आदिवासी संगठन के दो कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने धमकी दी कि पीएम मोदी खूंटी यात्रा के दौरान अगर सरना को एक धर्म के रूप में मान्यता देने की घोषणा नहीं करेंगे तो वे आत्महत्या कर लेंगे। पुलिस ने मामले की जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने कहा, आदिवासी सेंगेल अभियान (एएसए) के दो कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। इस बीच एएसए की एक अन्य कार्यकर्ता प्रेमशीला मुर्मू ने मंगलवार को इसी तरह की धमकी दी थी। सरना को एक अलग धर्म के रूप में मान्यता देने की मांग करते हुए एएसए प्रमुख सालखन मुर्मू ने कहा, आदिवासी प्रकृति की पूजा करते हैं और वे हिंदू, मुस्लिम या ईसाई नहीं हैं। उन्होंने कहा, उन्हें उम्मीद है कि पीएम मोदी प्रकृति पूजकों की भावनाओं का सम्मान करेंगे। खूंटी के आदिवासी प्रतीक बिरसा मुंडा की जयंती पर 'सरना धर्म' को मान्यता देने की घोषणा करेंगे। बता दें पीएम मोदी बुधवार को खूंटी जिले में बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव जाएंगे। जहां वह स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। जिसके बाद पीएम मोदी तीसरे जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। समारोह के दौरान पीएम मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा और जनजातीय समूह मिशन का शुभारंभ करेंगे।

मोरहाबादी में होगा झारखंड स्थापना दिवस कार्यक्रम

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड आज अपना 23वां स्थापना दिवस मनाएगा। रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित तमाम मंत्री शामिल होंगे। स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर दो बजे होगी। यह कार्यक्रम लगभग डेढ़ घंटे चलेगा। निर्धारित कार्यक्रम के तहत बुधवार को मोरहाबादी मैदान से कई पॉलिसी लांच होगी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को पुरस्कार की राशि दी जाएगी, कई योजनाओं का शिलान्यास होगा वहीं आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण को शुरू किया जाएगा।

राज्य स्थापना दिवस कई मायने में अहम होने जा रहा है। श्रम विभाग की ओर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस दिन रोजगार मेला के तहत 10 हजार युवाओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी के लिए ऑफर लेटर भी दिया जा सकता है। निर्धारित समय के दौरान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन युवाओं को ऑफर लेटर सौंप सकते हैं।

युवाओं और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए उपहार के तौर पर सीएम पांच हजार की क्षमता वाली लाइब्रेरी के निर्माण की आधारशिला रखेंगे। यह लाइब्रेरी रांची विश्वविद्यालय के लिए बनेगी।

पानी पर किसका जोरः छोटे भाई को बचाने के लिए तवी नदी में उतरी बहन, दोनों डूबे बकरियां चराने गए थे बच्चे

जम्मू, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सर्दी ने दस्तक दी तो कश्मीर घाटी के अनंतनाग जिले का एक परिवार काम की तलाश में अपने चार बच्चों और कुछ बकरियों के साथ जम्मू शहर चला आया। सोमवार को पिता काम की तलाश में रहा। मां अपने दो छोटे बच्चों आसिया और आदिल के साथ तवी नदी किनारे बकरियों को चराने के लिए चली आई। पलभर के लिए भी मां बच्चों को अपनी आंखों से ओझल नहीं देना चाहती थी, लेकिन समय को कुछ और ही मंजूर था।

दिन ढला तो मां किसी काम से अपने नदी किनारे स्थित किराए के घर में लौट आई। इतने में आदिल (उम्र 8 वर्ष) मुंह धोने के लिए तवी नदी की ओर बढ़ा। अचानक उसका पैर फिसला और वह नदी में जा गिरा। छोटे भाई को डूबता देख बहन आसिया (12 वर्ष) उसे बचाने के लिए दौड़ी। उसने पानी में झपटा मार भाई को पकड़ा। लेकिन पानी की ताकत दोनों भाई-बहनों के जोर से ज्यादा थी।

कुमारस्वामी ने चोरी की बिजली से घर रोशन किया

कांग्रेस का आरोप

बेंगलुरु, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी पर दीपावली के दौरान उनके जेपी नगर आवास को चोरी की बिजली के जरिये सजावटी लाइटों से रोशन करने का आरोप लगाया। सत्ताधारी दल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो और बयान पोस्ट कर पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी की आलोचना की। कुमारस्वामी ने कहा कि यह उनकी गलती नहीं, बल्कि एक निजी 'डेकोरेटर' (बिजली सजावट का काम करने वाले) की गलती थी, जिसने पास के बिजली के खंभे से सीधे कनेक्शन दे दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि जब उन्हें पता चला तो उन्होंने तुरंत इसे हटवाया और घर के मीटर बोर्ड से बिजली का कनेक्शन ले लिया। कांग्रेस ने उन पर निशाना साधते हुए कहा, दुनिया के एकमात्र ईमानदार व्यक्ति एच.डी. कुमारस्वामी का जेपी नगर स्थित आवास बिजली के खंभे से सीधे अवैध बिजली कनेक्शन के साथ सजावटी रोशनी से जगमगा रहा था। यह त्रासदी है कि एक पूर्व मुख्यमंत्री को इतनी गरीबी का सामना करना पड़ा कि वह बिजली चोरी करे! कुमारस्वामी पर कटाक्ष करते हुए पार्टी ने कहा कि कांग्रेस सरकार की 'गृह ज्योति' योजना आवासीय कनेक्शन के लिए प्रति माह 200 यूनिट मुफ्त बिजली देती है, न कि 2,000 यूनिट। कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर कहा, मुझे इस अविवेकपूर्ण कार्य के लिए खेद है. बीईएससीओएम (बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी) के अधिकारी आकर निरीक्षण करें और नोटिस जारी करें। मैं जुर्माना अदा करूंगा।

उन्होंने एक 'छोटे मुद्दे' को बड़ा मुद्दा बनाने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा।

कुमारस्वामी ने कहा, मैंने न तो किसी राजकीय संपत्ति का गबन किया है और न ही किसी की जमीन हड़पी है। मुझे दौलत की ऐसी प्यास नहीं कि किसी के खून से बुझाई जाए।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि बीईएससीओएम कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि कुमारस्वामी के खिलाफ कोई मामला दर्ज हुआ है या नहीं। कांग्रेस ने पूर्व में कटाक्ष किया था, अगर आप इतनी गरीबी झेल रहे हैं तो आपको 'गृह ज्योति योजना' के लिये आवेदन करना चाहिए। अरे, आपको पता नहीं था कि गृह ज्योति योजना के तहत केवल एक बिजली मीटर की अनुमति है जबकि आपके नाम पर कई मीटर हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला

कोर्ट ने पूर्व मंत्री लाल सिंह की रिमांड बढ़ाई, ईडी की हिरासत में रहेंगे पांच दिन और

जम्मू, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रदेश के पूर्व मंत्री लाल सिंह की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत और पांच दिनों के लिए बढ़ा दिया है। मंगलवार को चौधरी लाल सिंह को उनकी सात दिन की रिमांड की अवधि समाप्त होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी (डीएसएसपी) के अध्यक्ष लाल सिंह को एक विशेष अदालत द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका आगे न बढ़ाने के बाद सात नवंबर को सैनिक कॉलोनी में एक घर से गिरफ्तार कर लिया गया था। उनकी पत्नी और पूर्व विधायक कांता अंडोत्रा द्वारा संचालित एक शैक्षिक ट्रस्ट के खिलाफ एक मामले के सिलसिले में ईडी जांच कर रही है। विशेष लोक अभियोजक अश्वनी खजूरिया ने कहा कि लाल सिंह को उनकी सात दिन की रिमांड की अवधि समाप्त होने पर मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विशेष अदालत में पेश किया गया। अश्वनी खजुरिया ने अदालत के आदेश को पढ़ते हुए कहा, मामले की जांच प्रारंभिक चरण में है... आरोपी एक गंभीर और गैर-जमानती अपराध में शामिल है, उसे 14 से 18 नवंबर तक पांच दिनों की अवधि के लिए ईडी की हिरासत में भेजा गया है।' अदालत ने ईडी को 18 नवंबर को वर्चुअल मोड के माध्यम से ही आरोपियों को पेश करने का आदेश दिया और जांच अधिकारी को जांच में तेजी लाने का भी निर्देश दिया।

बेखौफ बालू माफिया ने एसआई को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला

जमुई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के जमुई गरही थाना के रोपावेल गांव में बेखौफ बालू माफिया ने एक दारोगा की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी। खबर है जिले में बालू माफिया ने गुंडा-गर्दी फैला रखी है। तमाम पुलिसकर्मी की सख्तियों के बावजूद बालू माफिया अवैध काम को इस कदर अंजाम दे रहें हैं, ट्रैक्टर पुलिसकर्मियों को कुचला और एक दरोगा की जान भी ले ली। एसआई की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी पुलिस को सूचना मिली थी कि बालू का अवैध खनन कर ट्रैक्टर से परिवहन किया जा रहा है। जिसके बाद एसआई प्रभात रंजन के साथ पुलिस की टीम कार्रवाई के लिए निकली। रोपावेल के ग्रामीण सड़क पर बालू लदे ट्रैक्टर को देख पुलिस ने रूकने को कहा तो माफिया पुलिस वाहन को ट्रैक्टर से कुचल कर भाग गए। इस घटना में एसआई प्रभात रंजन और एक जवान जख्मी हो गए। जख्मी हालत में दोनों को जल्द इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, रास्ते में ही एसआई प्रभात रंजन ने दम तोड़ दिया।

बलिदानी एसआई प्रभात रंजन 2018 बैच के पुलिस अधिकारी थे और वैशाली के रहने वाले थे। एसपी मामले की जानकारी लेने में जुटे घटना की सूचना पाकर एसपी डा। शौर्य सुमन, एसडीपीओ सतीश सुमन, मुख्यालय डीएसपी अभिषेक कुमार सिंह सदर अस्पताल पहुंच मामले की जानकारी लेने में जुटे हैं। पुलिस की कई टीम फरार बालू लोड ट्रैक्टर को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। बता दें कि जमुई जिले में बालू माफिया की दबंगई हमेशा देखने को मिलती है। इस जिले में कई दफा पुलिस की टीम पर हमला हो चुका है।

कुत्ते के काटने पर अब सरकार को देना होगा मुआवजा

जितना बड़ा घाव उतना ज्यादा पैसा, हाईकोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। आवारा जानवरों से जुड़ी घटनाओं के मामले हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। फैसले में लोगों को मुआवजा देने के लिए राज्य को 'मुख्य रूप से जिम्मेदार' मानते हुए, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि कुत्ते के काटने से संबंधित मामलों में, वित्तीय मुआवजा न्यूनतम 10,000 रुपये प्रति दांत के निशान होगी। निशान और जहां त्वचा से मांस खींच गया होगा, वहां प्रति 0.2 सेमी घाव पर न्यूनतम 20,000 रुपये होंगे। उच्च न्यायालय ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए पंजाब और हरियाणा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को इस तरह के मुआवजे का निर्धारण करने के लिए संबंधित जिलों के उपायुक्तों की अध्यक्षता में समितियां गठित करने का भी आदेश दिया।

चार महीने के भीतर मिलेगा मुआवजा

न्यायमूर्ति विनोद एस भारद्वाज की पीठ ने कहा कि 'आवश्यक दस्तावेजों के साथ दावा दायर किए जाने के चार महीने की अवधि के भीतर समितियों द्वारा मुआवजे की घोषणा की जाएगी। राज्य मुख्य रूप से मुआवजे का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा और उसे राज्य की दोषी एजेंसियों/सहायकों या निजी व्यक्ति, यदि कोई हो, से इसकी वसूली करने का अधिकार होगा।' पीठ ने निर्देश दिया कि फैसले की प्रतियां आवश्यक और त्वरित कार्रवाई और अनुपालन के लिए प्रमुख सचिव (गृह) के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशकों के कार्यालयों को भेजी जाएं। हाई कोर्ट उन घटनाओं और दुर्घटनाओं के लिए पीड़ितों या उनके परिवार के सदस्यों को मुआवजे के भुगतान से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जो आवारा, जंगली जानवरों के वाहन के सामने अचानक आने से हुई चोटों या मृत्यु के कारण हुई थीं। मालूम हो कि ये मामले पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों, नगरपालिका सड़कों और सड़कों के साथ-साथ नगरपालिका सीमा के बाहर की सड़कों और सड़कों पर हुई घटनाओं से संबंधित हैं। मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति भारद्वाज ने कहा कि मौतों की बढ़ती संख्या और सड़कों पर आवारा जानवरों की चिंताजनक दर – जो प्रभाव मूल्यांकन और बुनियादी ढांचे के निर्माण के बिना राज्य नीति कार्यान्वयन का प्रत्यक्ष परिणाम है – ने मानव जीवन पर असर डालना शुरू कर दिया है।

कारगिल में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.4 रही तीव्रता

जम्मू, 14 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश लाद्दाख के कारगिल में मंगलवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। कारगिल में भूकंप की तीव्रता 4.4 रही। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है।

जम्मू-कश्मीर के वेटलैंड्स में लगा प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा, पर्यटकों की चांदी

श्रीनगर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में सर्दियों के आगमन के साथ ही जहां विभिन्न देशों से पर्यटक यहां की सुंदरता का आनंद लेने आते हैं, वहीं यूरोपीय और पश्चिमी देशों से प्रवासी पक्षी भी लंबी दूरी तय करके घाटी में पहुंचते हैं. ये पक्षी कश्मीर को अपना अस्थायी ठिकाना बनाने के लिए यहां आते हैं. घाटी के जल निकाय इन मेहमान पक्षियों से गुलजार हो जाते हैं और पर्यटकों व स्थानीय लोगों को एक सुंदर दृश्य भी प्रदान करते हैं. सैकड़ों वर्षों से ये पक्षी ऐसे ही यात्रा करते चले आ रहे हैं. इस वर्ष भी कश्मीर घाटी में प्रवासी पक्षियों का आगमन शुरू हो गया है और आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक लगभग 20,000 पक्षी जम्मू-कश्मीर के आर्द्रभूमि में डेरा डाले हुए हैं, जिनमें से 5,000 श्रीनगर के होकरसर में हैं. इस संबंध में वन्यजीव प्रतिपालक (वेटलैंड्स) इफशान बताया कि 'प्रवासी पक्षियों के आगमन में कोई देरी नहीं हुई है. वे धीरे-धीरे और समूहों में यहां आ रहे हैं. इस साल फरवरी के अंत में जब गणना होगी तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि यहां कितने पक्षी आए हैं. इसके अलावा यह भी पता चलेगा कि घाटी में कितने नए पक्षी आए हैं.' उन्होंने आगे कहा कि 'पिछले साल कश्मीर घाटी में 12 लाख से अधिक प्रवासी पक्षी आए थे, जिनमें से कई पहली बार यहां आए थे. इन पक्षियों को उपयुक्त आवास प्रदान करने के लिए, हमारे विभाग ने आर्द्रभूमि में जल स्तर बनाए रखने के लिए कई पहल की हैं. इसके अलावा इन पक्षियों के अवैध शिकार को रोकने के लिए भी टीमों का गठन किया गया है.' उन्होंने कहा कि 'पिछले कुछ वर्षों में प्रवासी पक्षियों के अवैध शिकार में उल्लेखनीय कमी आई है, जो एक स्वागत योग्य विकास है.' गौरतलब है कि प्रवासी पक्षी होकरसर के अलावा वुलर झील, हैगाम, शालबुघ, डल झील और मिरगुंड में भी सर्दियों में करीब पांच महीने के लिए आते हैं. इस बीच भारत की आजादी के 75वें साल के मौके पर केंद्र सरकार ने कश्मीर घाटी के दो और वेटलैंड्स को रामसर साइटों की सूची में शामिल किया है. शालबुघ (गांदरबल जिले में) और हैगाम (श्रीनगर में) को रामसर स्थल घोषित किए जाने के साथ, जम्मू और कश्मीर में ऐसे स्थलों की संख्या पांच हो गई है. इससे पहले होकरसर, सुरिंसर और वुलर झील को पहले से ही रामसर में शामिल किया गया था. हर साल घाटी में आने वाले प्रवासी पक्षियों में टफ्टेड डक, गुडवाल, ब्राह्मणी डक, गारगेंटुआन, ग्रेलैग गूज, मल्लार्ड, कॉमन मेर्गेंसर, नॉर्दर्न पिंटेल, कॉमन पोचार्ड, फेरुगिनस पोचार्ड, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, रूडी शेल्डक, नॉर्दर्न शॉवेलर, कॉमन टील और यूरेशियन वैगटेल शामिल हैं. ये पक्षी मार्च के आखिरी सप्ताह में घाटी से लौटना शुरू कर देते हैं.

बोरवेल में गिरी 80 वर्षीय महिला को निकाला गया, हालात गंभीर

भुवनेश्वर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के सोनेपुर जिले में 80 वर्षीय एक महिला 20 फुट गहरे बोरवेल में गिर गई, जिसके बाद कई घंटों तक बचाव अभियान चलाया गया और उसे बाहर निकाला गया । पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि महिला की हालत गंभीर है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना सदर खंड के कैनफुला गांव के पास एक जंगली इलाके की है। दुखी नेगी नाम की महिला सोमवार की शाम को लकड़ी इकट्ठा करने के लिए बाहर गई थी, उसी दौरान यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने पूरी रात महिला की तलाश की और पुलिस को भी सूचना दी। मंगलवार को सुबह पता चला कि महिला बोरवेल में गिर गई है, जिसके बाद अग्निशमन सेवा और ओडिशा आपदा त्वरित मोचन बल (ओडीआरएएफ) ने बचाव अभियान शुरू किया। यह बचाव अभियान पांच घंटे तक चला। बचाव दल ने महिला को सांस लेने में मदद के लिए बोरवेल में ऑक्सीजन की आपूर्ति की और उसे बाहर निकालने के लिए एक समानांतर गड्ढा खोदा गया। सोनेपुर के पुलिस अधीक्षक अमरेश पांडा ने बताया कि जब महिला को बाहर निकाला गया तब उसकी नब्ज दर बेहद धीमी थी और उसे अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि महिला पास एक सांप भी मिला, लेकिन अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि महिला को सांप ने काटा था या नहीं। बचाव दल के सदस्य गोपबंधु नायक ने बताया कि महिला बोरवेल की दीवार पर हाथ रखकर बैठी हुई अवस्था में मिली।

'स्टाफरूम में किसी को चमार कहना अपराध नहीं'

एससी/एसटी एक्ट केस में एचसी की अहम टिप्पणी

भोपाल, 14 नवंबर (एजेंसियां)। एससी/एसटी एक्ट 1989 से संबंधित मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने बड़ी टिप्पणी की है। हाई कोर्ट का कहना है कि स्टाफरूम 'सार्वजनिक स्थान' नहीं है तथा ऐसे में इसे अपराध नहीं माना जा सकता है। दरअसल, आरोप लगे थे कि स्टाफ रूम में हुई बैठक के चलते शिकायतकर्ता को 'चमार' कहकर बुलाया गया तथा उसके साथ अभद्रता की गई थी। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अपराधी याचिकाकर्ताओं ने कथित तौर पर स्टाफ रूम मीटिंग के चलते शिकायतकर्ता को चमार का जिक्र करते हुए अभद्र भाषा का उपयोग किया था। मामले में जस्टिस विशाल धगट सुनवाई कर

रहे थे। अदालत का कहना था कि चूंकि स्टाफ रूम ऐसी जगह नहीं, जो सार्वजनिक रूप से नजर में आती हो। ऐसे में आरोपी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है। अदालत ने कहा कि एससी/एसटी अक्ट की धारा 3(1)(एक्स) के तहत सार्वजनिक जगह पर अनुसूचित जाति या अनुसूचिज जनजाति के व्यक्ति का अपमान करना या धमकाने के चलते दंड दिया जा सकता है। हाई कोर्ट के आदेश के मुताबिक, 'यह स्पष्ट है कि एससी और एसटी (पीओए) अधिनियम एक्ट की धारा 3(1)(एक्स) के तहत सार्वजनिक स्थान पर किए गए अपराध को अपराध माना जाएगा। स्टाफ रूम ऐसी जगह नहीं है, जो सार्वजनिक हो। ऐसे में याचिकाकर्ताओं के खिलाफ एससी और एसटी (पीओए) अधिनियम की धारा 3(1)(एक्स) के तहत अपराध नहीं बनता है।' इसके अतिरिक्त अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 294 के तहत दर्ज आरोपों को भी खारिज कर दिया। अदालत का कहना था कि स्कूल का स्टाफ रूम ऐसी जगह नहीं है, जहां आम जनता बगैर अनुमति के जा सके। उन्होंने कहा, 'ऐसे हालात में याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आईपीसी की धारा 294 के तहत अपराध नहीं बनता है।' अदालत ने यह भी कहा कि आईपीसी की धारा 506 के तहत भी याचिकाकर्ताओं के खिलाफ अपराध नहीं बनता है।

मुंबई पुलिस ने महादेव सट्टेबाजी ऐप घोटाले में डाबर ग्रुप के प्रमुखों के खिलाफ मामला किया दर्ज

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजनेताओं और फिल्मी हस्तियों के बाद, महादेव ऐप सट्टेबाजी घोटाले की जांच कर रही मुंबई पुलिस के रडार पर डाबर ग्रुप के चेयरमैन मोहित वी. बर्मन और निर्देशक गौरव वी. बर्मन का नाम आया है, आधिकारिक सूत्रों मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रसिद्ध आयुर्वेदिक दिग्गज डाबर ग्रुप की बर्मन जोड़ी को 7 नवंबर को मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज की गई सट्टेबाजी ऐप एफआईआर में नामित किया गया है, और बॉलीवुड अभिनेता साहिल खान और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित 31 आरोपियों में शामिल हैं। डाबर समूह ने अब तक इस घटनाक्रम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और बार-बार प्रयास करने के बावजूद कोई अधिकारी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था। पहली शिकायत सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश बनकर ने माटुंगा पुलिस में दर्ज कराई थी, इसमें दावा किया गया था कि सट्टेबाजी ऐप के जरिए हजारों लोगों से 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। माटुंगा पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, जुआ अधिनियम, आईटी अधिनियम की विभिन्न धाराओं को लागू करते हुए एफआईआर दर्ज की है और आगे की जांच जारी है, हालांकि कई नाम सामने आ रहे हैं। इसके साथ ही, महादेव ऐप की राजनेताओं, ग्लैमर हस्तियों और अब यहां तक कि कॉरपोरेट्स के बीच व्यापक प्रभाव के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा भी जांच की जा रही है, इससे इन क्षेत्रों में झटका लगा है।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी: विवाहित व्यक्ति का सहमति संबंध में रहना दूसरे विवाह जैसा अपराध, याचिका खारिज

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जीवन साथी से तलाक लिए बिना सहमति संबंध में कामुक और व्यभिचारी जीवन जीने वाले व्यक्ति को दूसरे विवाह का दोषी ठहराया जा सकता है। पुरुष पहले से शादीशुदा है और उसकी दो साल की बेटी भी है। इन तथ्यों को देखते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पटियाला निवासी जोड़े की सुरक्षा से जुड़ी याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की है। याची और उसकी सहमति संबंध साथी ने रिश्तेदारों से जान को खतरा बताकर सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। सुनवाई के दौरान जोड़े ने हाईकोर्ट को बताया कि याची का उसकी पत्नी के साथ तलाक का मामला फैमिली कोर्ट में विचाराधीन है। याची के परिवार के सदस्यों ने इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया है, लेकिन युवती के परिवार के सदस्यों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि याची की हरकतें इस तथ्य के बावजूद आईपीसी के 494 (जीवनसाथी के जीवित रहते दोबारा शादी करना) और 495 (जिस से विवाह करने जा रहे हैं उससे पूर्व के विवाह का तथ्य छुपाना) के तहत अपराध हो सकता है। धमकियों के संबंध में बेबुनियाद और अस्पष्ट आरोप ही मौजूद हैं। आरोपों के समर्थन में कोई सामग्री नहीं रखी गई। दावों का समर्थन करने के लिए किसी भी वैध और ठोस सामग्री के अभाव में आरोपों को कोर्ट की ओर से स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि व्यभिचार के मामले में किसी भी आपराधिक मुकदमे से बचने के लिए याचिका दायर की गई है। याचिका की आड़ में याची अपने छिपे इरादे व आचरण पर कोर्ट की मुहर चाहता है। जीवन साथी से तलाक का वैध आदेश प्राप्त किए बिना पिछली शादी के अस्तित्व के दौरान याची दूसरी युवती के साथ वासनापूर्ण और व्यभिचारी जीवन जी रहा है। यह दंडनीय अपराध है और इसमें जुर्माने के साथ अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है।

दुल्हन की तलाश में कर्नाटक के किसानों ने प्लान किया मंदिर मार्च

बेंगलूरू, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के किसानों को शादी के लिए दुल्हन नहीं मिल रही है, इससे तंग आकर सैकड़ों किसान मांड्या के मंदिर तक एक मार्च निकालने वाले हैं। इस मार्च में वह मंदिर जाएंगे और देवी मां से उनकी शादी कराने की प्रार्थना करेंगे। इसी साल फरवरी महीने में सैकड़ों अविवाहित किसानों ने ऐसा मार्च निकाला था। संतोष नाम के किसान ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उनकी उम्र 30 साल से अधिक हो चुकी है। फरवरी में उनके जैसे सैकड़ों किसानों ने चामराजनगर जिले के एमएम हिल्स मंदिर तक ट्रैकिंग की थी। उन्होंने कहा, हम शादी करने के लिए दहेज की मांग नहीं कर रहे हैं। हम अपनी पत्नियों की रानियों की तरह देखभाल करते हैं लेकिन फिर भी कोई परिवार हमें

अपनी बेटियां देने को तैयार नहीं है। संतोष ने कहा, हमने लोगों को इस समस्या के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए यह पदयात्रा निकाली है। कई किसानों का कहना है कि वह खेती से नौकरीपेशा लोगों के मुकाबले ज्यादा पैसा कमाते हैं लेकिन बावजूद इसके कोई भी परिवार सिर्फ उनके किसान होने की वजह से अपनी बेटी उनको नहीं देना चाहता है। ऐसी समस्या सिर्फ कर्नाटक में नहीं है। इस समस्या का सामना महाराष्ट्र, तमिलनाडु, और आंध्र प्रदेश के किसान भी कर रहे हैं। उनकी भी शादी सिर्फ किसान होने की वजह से नहीं हो पा रही है। जिस वजह से वह चिंता में हैं। इस मार्च का नेतृत्व कर रही संस्था के संस्थापक केएम शिवप्रसाद ने कहा, हम आदिचुंचनगिरी के संत निर्मलानंदनाथ स्वामी से मिले और संत ने यात्रा के लिए अपनी सहमति दे दी। शिवप्रसाद का कहना है कि यह सामाजिक समस्या है। हम राज्य के लोगों में जागरुकता पैदा करना चाहते हैं।

'जमानत-परोल के कैदियों को लगाएं ट्रैकिंग डिवाइस', राज्यों से बोली केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। किसी भी अपराध के दोषी या फिर ट्रायल के दौरान जेल में बंद आरोपियों को जमानत पर रिहाई के दौरान नजर रखने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेल में बंद अपराधियों को परोल पर रिहा कराने के दौरान बनाने को कहा। गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से कहा कि वह कैदियों के पैर में इलेक्ट्रॉनिक निगरानी तकनीक यानी जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल शुरू करें। सरकार ने यह सुझाव मॉडल कारागार और सुधार सेवा अधिनियम, 2023 के तहत करने शुरू कर दिया। एक्ट में कहा गया है, 'राज्य सरकार ऐसे कैदियों को जमानत देने पर विचार कर सकती है जो जेल से बाहर रहने के दौरान इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग डिवाइस पहनने के लिए राजी होते हैं।' इस महीने की शुरुआत में ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जमानत पर छूटे एक आतंकी को निगरानी के लिए ट्रायल के तौर पर जीपीएस ट्रैकर पहनाया था। गृह मंत्रालय इन दिनों जेल के नियमों में सुधार करने के लिए और समय के साथ उनको अपग्रेड करने को लेकर काफी तेजी के साथ काम कर रहा है।

मंत्रालय का कहना है कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार जेल राज्य का विषय है और इस संबंध में कोई भी नया विधायी दस्तावेज लाना अब राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में है। एक्ट के मुताबिक केंद्र सरकार पूरे जेल सिस्टम को तकनीकि के साथ अपग्रेड करना चाहता है जिससे हाईटेक निगरानी रखी जा सके। यह अधिनियम सभी केंद्रीय और जिला जेलों में उच्च जोखिम वाले कैदी वार्ड के लिए उचित और उन्नत सुरक्षा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर काम कर रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 15 नवंबर - 2023

आपदा में जिंदगी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग 'आल वेदर रोड' परियोजना का हिस्सा है, जो गंगोत्री और यमुनोत्री को जोड़ने के लिए बनाई जा रही है। दीपावली के दिन उसी सुरंग का एक हिस्सा अचानक धंस जाने से चालीस मजदूर उसमें फंस गए हैं। अफसरों के मुताबिक सभी मजदूर जीवित हैं और उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। इस दुर्घटना के बाद एक बार फिर पहाडों पर चल रहे विकास कार्यों और पहाड़ों को काट कर किए जा रहे निर्माण आदि कार्यों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए जब मार्च में भी इस सुरंग का एक हिस्सा धंस गया था, लेकिन उस समय गनीमत यह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि यह हादसा भूस्खलन की वजह से हुआ है। सुरंग का करीब पंद्रह मीटर हिस्सा धंस गया है। इस सुरंग की लंबाई करीब साढ़े चार किलोमीटर बताई जा रही है, जिसका करीब चार किलोमीटर हिस्सा बन कर तैयार हो चुका है। यदि यह सुरंग बन कर तैयार हो जाए तो यात्रियों को छब्बीस किलोमीटर दूरी कम तय करनी पड़ेगी। दावा किया जा रहा है कि इससे लोगों का काफी वक्त और पैसा बचेगा। सैलानियों और श्रद्धालुओं की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होगी साथ ही स्थानीय लोगों के लिए कारोबार तथा रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि बुनियादी ढांचे के विकास से ही आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलते हैं। इसलिए पिछले कुछ सालों से सड़कों के विस्तार पर अधिक जोर दिया जा रहा है। सडकें तेज रफ्तार और भारी वाहनों के लायक बनाई जा रही हैं। यह तो सभी जानते हैं कि पहाड़ी इलाकों तक विकास कार्यों की पहुंच बहुत मंद थी, जिसके चलते वहां के लोगों के सामने रोजगार का संकट खडा हो गया था। इस वजह से उत्तराखंड से बडी संख्या में पलायन होने लगा था। इसको ही ध्यान में रखते हुए वहां अनेक विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। कंपनियों को अपने उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाने लगा। बड़े पैमाने पर होटल खुले, पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से अनेक गतिविधियां शुरू की गईं। लेकिन इन जगहों तक आवागमन की सुविधा देने के लिए सडकों को निर्माण बहुत जरूरी समझा गया। इसके बाद से ही सड़कों के विस्तार की परियोजनाएं शुरू की गई। 'आल वेदर रोड' सरकार की महत्त्वाकांक्षी परियोजना है। इसके बाद भी तमाम पर्यावरणविद शुरू से विरोध करते रहे हैं कि इस परियोजना के चलते पहाड़ों पर भूस्खलन बढ़ेगा। उत्तराखंड के पहाड़ पहले ही जगह-जगह खुदाई से जर्जर हो चुके हैं। हल्का कंपन भी खतरनाक साबित हो सकता है। इस तर्क के साथ परियोजना को रोकने की अदालत में गुहार लगाई गई, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। बता दें कि विकास परियोजनाओं और अंधाधुंध निर्माण कार्यों के चलते उत्तराखंड कुछ सालों में कई भयावह आपदाएं झेल चुका है। पहाड़ों के धंसने और दरकने से सैकड़ों लोग बेघर हो चुके हैं। इसके बावजूद सड़क बनाने की योजना पर पुनर्विचार करने की जरूरत नहीं समझी गई। सुरंग खोदने के लिए जिस तरह की भारी मशीनों का उपयोग किया जाता है, उनके कंपन से पूरा पहाड़ हिल जाता है। उत्तराखंड के पहाड़ ऐसी भारी मशीनों के गडगडाहट के आदी नहीं हैं। इसलिए नतीजा आज सबके सामने है। सड़कों और पनबिजली परियोजनाओं की वजह से पहाड़ इस कदर जर्जर हो चुके हैं कि मामूली तेज बरसात में भी भरभरा कर गिरने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में सुरंग बन कर तैयार हो भी जाए, मुसाफिरों को कुछ दूरी कम तय करनी पड़े, आने-जाने में बेशक कम वक्त खर्च हो, पर जब पहाड़ ही नहीं बचेंगे, तो स्थानीय लोगों को इन परियोजनाओं का आखिर लाभ क्या मिलेगा?

तकनीक का दुरुपयोग मानवता के भविष्य के लिए खतरनाक?

प्रियंका सौरभ

डीपफेक डिजिटल मीडिया हैं - वीडियो, ऑडियो और छवियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है। यह मूल रूप से अति-यथार्थवादी डिजिटल मिथ्याकरण है। डीपफेक व्यक्तियों और संस्थानों को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाए जाते हैं। कमोडिटी क्लाउड कंप्यूटिंग तक पहुंच, सार्वजनिक अनुसंधान एआई एल्गोरिदम, और प्रचुर डेटा और विशाल मीडिया की उपलब्धता ने मीडिया के निर्माण और हेरफेर को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक आदर्श तूफान खड़ा कर दिया है। इस सिंथेटिक मीडिया सामग्री को डीपफेक कहा जाता है। दुष्प्रचार और अफवाहें महज झुंझलाहट से लेकर युद्ध तक विकसित हो गई हैं जो सामाजिक कलह पैदा कर सकती हैं, ध्रुवीकरण बढ़ा सकती हैं और कुछ मामलों में चुनाव परिणाम को भी प्रभावित कर सकती हैं। भू-राजनीतिक आकांक्षाओं, वैचारिक विश्वासियों, हिंसक चरमपंथियों और आर्थिक रूप से प्रेरित उद्यमों वाले राष्ट्र-राज्य अभिनेता आसान और अभूतपूर्व पहुंच और पैमाने के साथ सोशल मीडिया कथाओं में हेरफेर कर सकते हैं। दुष्प्रचार के खतरे के पास डीपफेक के रूप में एक नया उपकरण है। पोर्नोग्राफी में डीपफेक के दुर्भावनापूर्ण उपयोग का पहला मामला सामने आया था। सेंसिटी.एआई के अनुसार, 96% डीपफेक अश्लील वीडियो हैं, अकेले अश्लील वेबसाइटों पर 135 मिलियन से अधिक बार देखा गया है। डीपफेक पोर्नोग्राफ़ी विशेष रूप से महिलाओं को लक्षित करती है। अश्लील डीपफेक धमकी दे सकते हैं, डरा सकते हैं और मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह महिलाओं को भावनात्मक संकट पैदा करने वाली यौन वस्तुओं तक सीमित कर देता है, और कुछ मामलों में, वित्तीय नुकसान और नौकरी छूटने जैसे आकस्मिक परिणामों का कारण बनता है। डीपफेक एक दुर्भावनापूर्ण राष्ट्र-राज्य द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा को कमजोर करने और लक्षित देश में अनिश्चितता और अराजकता पैदा करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य कर सकता है। डीपफेक संस्थानों और कूटनीति में विश्वास को कम कर सकता है। डीपफेक का उपयोग गैर-राज्य अभिनेताओं, जैसे कि विद्रोही समूहों और आतंकवादी संगठनों द्वारा, अपने विरोधियों को भड़काऊ भाषण देने या लोगों के बीच राज्य-विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए उत्तेजक कार्यों में संलग्न दिखाने के लिए किया जा सकता है। डीपफेक की एक और चिंता झूठे व्यक्ति का लाभांश है; किसी अवांछनीय सत्य को डीपफेक या फर्जी समाचार कहकर खारिज कर दिया जाता है। डीपफेक का अस्तित्व ही खंडन को अधिक विश्वसनीयता प्रदान करता है। नेता डीपफेक को हथियार बना सकते हैं और मीडिया के वास्तविक हिस्से और सच्चाई को खारिज करने के लिए फर्जी समाचार और वैकल्पिक-तथ्यों की कहानी का उपयोग कर सकते हैं। डीपफेक अल्पकालिक और दीर्घकालिक सामाजिक नुकसान भी पहुंचा सकता है और पारंपरिक मीडिया में पहले से ही घट रहे भरोसे को तेज कर सकता है। इस तरह का क्षरण तथ्यात्मक सापेक्षतावाद की संस्कृति में योगदान कर सकता है, जिससे नागरिक समाज का ताना-बाना तेजी से तनावपूर्ण हो सकता है।डीपफेक में किसी व्यक्ति को असामाजिक व्यवहार में लिप्त और घृणित बातें कहते हुए दर्शाया जा सकता है जो उन्होंने कभी नहीं किया। भले ही पीड़ित बहाना बनाकर या किसी अन्य तरीके से नकली को उजागर कर सकता है, प्रारंभिक नुकसान को ठीक करने के लिए यह समाधान बहुत देर से आ सकता है। डीपफेक न केवल व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन करते हैं बल्कि प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं, उत्पीड़न भड़का सकते हैं और झूठ का प्रचार कर सकते हैं। तदनुसार, चूंकि हम एक नया आईटी कानून बनाने के कगार पर खड़े हैं, इसलिए उनके खिलाफ हमारे कानूनी प्रयासों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है।इस समस्या के समाधान के लिए अधिक विस्तृत लेंस अपनाना भी उतना ही आवश्यक है, यह पहचानते हुए कि इसका प्रभाव और परिणाम तकनीकी क्षेत्रों से परे तक फैले हुए हैं। जबकि कानून और सामग्री हटाना तकनीक-सुविधा युक्त लिंग-आधारित हिंसा के खिलाफ हमारी लड़ाई के आवश्यक घटक हैं, हमें उपयोगकर्ताओं को डीपफेक जैसे सुरक्षा खतरों के अस्तित्व और खतरों के बारे में शिक्षित करने में भी समान रूप से निवेश करना चाहिए। व्यक्तियों को घातक नुकसानों से खुद को पहचानने और बचाने के लिए सशक्त बनाकर, हम अधिक ठोस बदलाव ला सकते हैं। अनुसंधान एक प्रभावी प्रतिक्रिया रणनीति का समान रूप से महत्वपूर्ण स्तंभ है। प्रमुख तकनीकी कंपनियों के नेतृत्व में डीप फेक डिटेक्शन चैलेंज जैसे सहयोगात्मक प्रयास तकनीकी समाधानों के लिए संसाधनों को एकत्रित करने के महत्व पर जोर देते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम इस गति को जारी रखें और डीपफेक वक्र से आगे रहने के लिए गहन अनुसंधान और क्षमता निर्माण में निवेश करें। एआई की विश्लेषणात्मक क्षमता से सशक्त, नवोन्मेषी पहचान प्रौद्योगिकियों का चल रहा विकास, डीपफेक के घातक प्रभाव को कम करने के लिए एक आशाजनक मार्ग प्रदान करता है। इसके साथ ही, शिक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता, डीपफेक तकनीक के अस्तित्व और संभावित खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, व्यक्तियों को इस डिजिटल खदान को विवेक और आलोचनात्मक सोच के साथ नेविगेट करने के लिए सशक्त बना सकता है। समझदार जनता को तैयार करने के लिए मीडिया साक्षरता प्रयासों को बढ़ाया जाना चाहिए। उपभोक्ताओं के लिए मीडिया साक्षरता दुष्प्रचार और डीपफेक से निपटने का सबसे प्रभावी उपकरण है। ऑनलाइन सुरक्षा और सामग्री अखंडता को बढ़ाने की दिशा में हस्तक्षेप के अलावा, डीपफेक के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए एआई की परिवर्तनकारी क्षमता का लाभ उठाना भी महत्वपूर्ण है। एआई, सिंथेटिक मीडिया बनाने और उसका पता लगाने की अपनी क्षमता के साथ, इस डिजिटल युद्ध के मैदान में दोधारी तलवार के रूप में उभरता है। हमें दुर्भावनापूर्ण डीपफेक के निर्माण और वितरण को हतोत्साहित करने के लिए विधायी समाधान विकसित करने के लिए प्रौद्योगिकी उद्योग, नागरिक समाज और नीति निर्माताओं के साथ सहयोगात्मक चर्चा के साथ सार्थक नियमों की भी आवश्यकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डीपफेक मुद्दे का संज्ञान ले रहे हैं, और उनमें से लगभग सभी के पास डीपफेक के लिए कुछ नीति या उपयोग की स्वीकार्य शर्तें हैं। हमें डीपफेक का पता लगाने, मीडिया को प्रमाणित करने और आधिकारिक स्रोतों को बढ़ाने के लिए उपयोग में आसान और सुलभ प्रौद्योगिकी समाधानों की भी आवश्यकता है। डीपफेक के खतरे का मुकाबला करने के लिए, हम सभी को इंटरनेट पर मीडिया के महत्वपूर्ण उपभोक्ता होने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले सोचना और रुकना चाहिए, और इस 'इन्फोडेमिक' के समाधान का हिस्सा बनना चाहिए। अंत में, और सबसे महत्वपूर्ण बात, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी प्रतिक्रियाएँ बचे हुए लोगों के अधिकारों और पुनर्प्राप्ति को प्राथमिकता दें। उत्तरजीवी-केंद्रित दृष्टिकोण केवल कानूनी कार्रवाई या सामग्री को हटाने के बारे में नहीं है; यह पीड़ितों को ठीक होने और आत्मविश्वास से ऑनलाइन फिर से जुड़ने में मदद करने के बारे में है। ऑनलाइन सुरक्षा और सामग्री अखंडता को बढ़ाने की दिशा में हस्तक्षेप के अलावा, डीपफेक के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए एआई की परिवर्तनकारी क्षमता का लाभ उठाना भी महत्वपूर्ण है। एआई, सिंथेटिक मीडिया बनाने और उसका पता लगाने की अपनी क्षमता के साथ, इस डिजिटल युद्ध के मैदान में दोधारी तलवार के रूप में उभरता है। एआई की विश्लेषणात्मक क्षमता से सशक्त, नवोन्मेषी पहचान प्रौद्योगिकियों का चल रहा विकास, डीपफेक के घातक प्रभाव को कम करने के लिए एक आशाजनक मार्ग प्रदान करता है। इसके साथ ही, शिक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता, डीपफेक तकनीक के अस्तित्व और संभावित खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, व्यक्तियों को इस डिजिटल खदान को विवेक और आलोचनात्मक सोच के साथ नेविगेट करने के लिए सशक्त बना सकता है।

मध्यप्रदेश में नहीं चली 'मत' वाली हवा

ऋतुपर्ण दवे

पहले नवरात्रि फिर दशहरा अब धनतेरस, दिवाली, गोवर्धनपूजा, भाई दूज और तुरंत बाद थमता प्रचार। मध्यप्रदेश में इस बार लगभग आधी से ज्यादा सीटों पर विधानसभा चुनाव जैसा कुछ लगा नहीं। बीच में खामोशी को चीरते एकाध प्रचार वाहन में लगे लाउड स्पीकर से प्रत्याशी के समर्थन में रिकॉर्डेड गीत व अपील क्या पता कितना असर डाल पाए? इस बार वाकई में विधानसभा चुनाव बिल्कुल कोलाहल विहीन रहा। लेकिन प्रदेश में सभी सीटों पर लड़ रही दोनों दिग्गज पार्टियों भाजपा-कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं के बांह सिकोड़ अंदाज में खबरिया चैनलों में आ रहे बयानों से मतदाताओं का रुख समझ पाना बड़ा टेढ़ा काम रहा। नामांकन भरने से लेकर नाम वापसी तक जरूर थोड़ी सक्रियता दिखी लेकिन बाद में यह सक्रियता सिवाय बड़े नगरों के गांव-गांव, डगर-डगर नहीं दिखी। इसका मतलब यह नहीं कि मतदाता खामोश है। हवा का रुख भांपने वाले राजनीतिक पण्डित भी इस बार अलग ही दिखे। बावजूद इसके न तो भाजपा और न ही कांग्रेस यह मानने को तैयार नहीं कि सत्ता के सिंहासन में वह पीछे है। कौन जीतेगा, कौन हारेगा इसको लेकर प्रत्याशी चयन का सर्वे कहां हुआ किसने किया, किससे पूछा गया कुछ नहीं पता। बस पता है तो इतना कि चंद घण्टों बाद ईवीएम की बीप के साथ मत मशीन में दर्ज जाएगा लेकिन 'मत' वाली हवा पहले तेज चली फिर एकाएक ठण्डी पड़ गई। न कोई तूफान दिखा न ही राजनीतिक मौसम में मध्यप्रदेश के चुनावी सागर में कोई बिपरजॉय आया और न ही मोका। चुनाव बिना किसी लहर के होते दिख रहे हैं। कहां इस बार कुछ इस तरह का माहौल शुरु-शुरू में बना कि लगा चुनाव में एन्टी इन्कम्बेन्सी दिखेगी लेकिन त्योहारों के दौरान जिस तरह की शांति और उदासीनता खासकर कांग्रेस में दिखी उससे सत्ता के समीकरण का गणित हल करने वाले भी अब थोड़ा सशंकित हैं। मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों को लेकर अलग-अलग कयास हैं। प्रदेश की राजधानी और भोपाल-नर्मदापुरम संभाग का सियासी पारा मिला जुला सा लग रहा है। यहां 36 सीटें है जिस पर सीधी लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच है। इनमें भाजपा 12 तो कांग्रेस 10 विधानसभा में पूरे दमखम से लगी है जबकि 14 सीटों पर बहुत ही संघर्षपूर्ण स्थिति है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र का अपना अलग राजनीतिक रसूख है। यहां विधानसभा की 34 सीटों में 19 पर कांग्रेस तो 6 पर भाजपा और 2 पर बसपा चुनौती देती दिख रही है जबकि बांकी 7 पर कांटे का मुकाबला है। यहां बसपा में बढ़ोत्तरी के साथ सीटें 2018 जैसी आएं तो हैरानी नहीं होगी। इन्दौर संभाग की 37 सीटों पर काफी रोचक स्थिति दिख रही है। यहां 24 सीटों पर फिफ्टी-फिफ्टी वाली स्थिति है तो 8 सीटों पर संघर्षपूर्ण स्थिति और 4 सीटों पर भाजपा-कांग्रेस दोनों को भितरघातियों से डर है। जबकि 1 सीट पर बागी प्रत्याशी कांग्रेस के लिए मुश्किल बना है। उज्जैन संभाग की 29 विधानसभा सीटों पर भी स्थिति काफी कुछ साफ सी दिख रही है। यहां पर भाजपा 16 कांग्रेस 10 और 3 पर कांटे की स्थिति बनी हुई है। इस तरह मालवा-निमाड़, ग्वालियर चंबल, उज्जैन और भोपाल-नर्मदापुरम की 136 सीटों पर ऊंट किस करवट बैठेगा समझ आ रहा है। इस बार महाकौशल यानी जबलपुर संभाग की 38 सीटों को लेकर भाजपा-कांग्रेस दोनों ही आशान्वित हैं। लेकिन जनता का रुख और बागियों व भितरघातियों का खेला अलग ही कर दिखाने पर आमादा हैं। शहरी क्षेत्रों में कांग्रेस-भाजपा दोनों ने ही उम्मीदें पाल रखीं हैं। यहां कांग्रेस 16 भाजपा 11 और 1 पर निर्दलीय जबकि 10 पर स्थिति अस्पष्ट है। इसी को लेकर तेज गुफ्तगू सुनाई दे रही है। सागर संभाग में 26 विधानसभा सीटें हैं। यहां पर भाजपा 16 कांग्रेस 8 तो सपा-बसपा 1-1 पर चुनौती देती दिख रही है। आप पार्टी भी एक या दो सीटों पर कांग्रेस-भाजपा का समीकरण बिगाड़ सकती है। विन्ध्य अंचल जिसमें रीवा और शहडोल संभाग आते हैं यहां पर विधानसभा की 30 सीटें हैं। जिसमें 22 रीवा संभाग में तो 8 शहडोल संभाग में आती हैं। यदि रीवा पर नजर डालें तो वहां भाजपा 6 कांग्रेस 10 और 1 पर आप मजबूत दिख रही है। जबकि 5 पर कांटे की टक्कर झलक रही है। वहीं शहडोल संभाग में 3 पर कांग्रेस 2 पर भाजपा तो 3 में संघर्षपूर्ण नजारा बना हुआ है।

जहां तक राजनीतिक तापमान की बात है ठण्ड के मौसम के बावजूद दिन मे गर्मी के अहसास के बीच राजनीतिक तपन वैसा नहीं है जैसा कि अब तक के विधानसभा चुनावों के दौरान दिखा। नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप यहां तक कि कुछ सीटों पर निजी छींटाकशी के बयानों के चलते कभी-कभी लगा कि चुनाव हो रहे हैं वरना बड़े और मझोले शहरों और जिला मुख्यालयों पर स्टार प्रचारकों की रैलियां के सिवाय कुछ नहीं दिखा। चुनाव के दौरान भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्मृति ईरानी तो कांग्रेस में प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे वहीं सपा में अखिलेश यादव बाहर से आए स्टार प्रचारकों में शुमार रहे। प्रदेश से भाजपा के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया तो कांग्रेस के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, विवेक तन्खा सहित कई दिग्गजों ने पसीना बहाया। कांग्रेस का चुनावी संचालन प्रदेश के बाहर आए लोगों द्वारा संभालना जरदस्त चर्चाओं में रहा।यदि भाजपा और कांग्रेसे के वायदों को देखें तो लगता है कि नया कुछ भी नहीं है। कई घोषणाएं वहीं रहीं जो नेता काफी पहले से कहते आ रहे हैं।

निश्चित रूप से धार्मिक वायदों की झड़ी है। दोनों ही दलों ने प्रदेश से निकलने वाली और प्रदेश की जीवन रेखा कहलाने वाली नर्मदा पर कई वायदे किए लेकिन किसी भी दल को नहीं लगा कि उसी नर्मदा उद्गम जगह वाले संभाग की पहचान भी नर्मदा से हो? तेजी से शहरों व गांवों के बदलते नामों के दौर में भी काश शहडोल संभाग अमरकण्टक संभाग हो जाता और अनूपपुर जिला नर्मदा उद्गम के चलते रेवांचल जिला, शहडोल ऐतिहासिक-पुरातात्विक महत्व के विराट नगर के नाम पर और उमरिया विश्व प्रसिध्द बांधवगढ़ उद्यान के नाम पर बांधवगढ़ जिला होता तो कुछ और ही होता।

पुनः जाति निर्धारण की आवश्यकता

डा सूर्य प्रकाश अग्रवाल

भारत देश में जिस प्रकार विभिन्न राजनीतिक दल वर्तमान जातिगत जनगणना कराने के लिए अपनी समस्त ऊर्जा को लगा रहे है, वर्तमान में उसकी इतनी आवश्यकता नहीं है जितनी कि वर्तमान में जातियों का पुनः निर्धारण की आवश्यकता है। जातिगत जनगणना कराने की मांग से भारत के विखंड़न की समस्या पैदा हो गई है। 1931 के बाद अब 2023 में बिहार राज्य में तुरत फुरत जिस प्रकार जातिगत जनगणना करवा कर जिसकी जितनी जनसंख्या, उसकी उतनी ही हिस्सेदारी का नारा बुलन्द किया जा रहा है। उससे देश की राजनीति गलत दिशा में ही ले जायी जा रही है। इससे वे लोग स्वंय को ठगा सा महसूस कर रहे है।

जिन्होंने जनसंख्या की राष्ट्रीय नीति का अनुपालन करते हुए परिवार नियोजन के विभिन्न उपाय करके अपने परिवार के सदस्यों की संख्या को नियन्त्रित किया, अब उन्हें दर किनार किया जा रहा है।

यह तो उस प्रकार हो गया कि जिस प्रकार एक किसान ने अपने ऋणों का भुगतान समय समय पर किया, बाद में सरकार ने ऋण न चुकाने वाले किसानों का ऋण माफ कर दिया तो सरकार क्या उस किसान के ऋण की रकम वापस करेगी जिस किसान ने ईमानदारी दिखाते हुए ऋण को समय पर वापस कर दिया था. इसी प्रकार जिस विद्युत उपभोक्ता ने अपना विद्युत बिल समय पर चुका दिया परन्तु बाद में सरकार ने विद्युत बिल माफ कर दिये तो क्या सरकार उस उपभोक्ता का पैसा वापस करेगी जिसने अपने राष्ट्रीय धर्म का निर्वाह करते हुए विद्युत के बिलों का सम्पूर्ण भुगतान कर दिया था. वह तो अच्छी प्रकार से किसान व विद्युत के दायित्वों का निर्वाह करने वाले जैसा ठगा सा ही महसूस करेगा तथा आगे से अपना मन बनायेगा कि उसको भी अपने सरकारी दायित्वों का समय पर निर्वाह नहीं करना चाहिए क्योंकि बाद में सरकार दायित्वों को माफ़ कर देगी। सरकारी दायित्वों का समय पर भुगतान ही नहीं करना चाहिए। यह बिहार सरकार की बहुत गलत नीति साबित होगी।

लोग अपनी बिरादरी की संख्या बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे तथा सरकारी ऋण व विद्युत व अन्य बिलों का समय पर भुगतान नहीं करेंगे. बस भीड़ जुटा कर धरना प्रदर्शन करके सरकार पर अपना दबाब बढ़ाने के लिए कोशिश करते रहेंगे परन्तु राजनीति के गहरे चश्मे लगाने वाले राजनेता अभी यह नहीं देख पा रहे है. उन्होंने तो किसी भी प्रकार से सत्ता काबिज करने का ही लक्ष्य निर्धारित कर रखा है।

पूर्व में कर्म के आधार पर ही जातियों का निर्धारण हुआ था। अब लोगों की कई कई पीढ़ियों द्वारा अपने पैतृक रोजगार व कर्म को छोड़ दिया गया है तथा वे अब एक गौरवान्वित आर्थिक व सामाजिक जीवन व्यतीत कर रहे है परन्तु फिर भी वे अपनी जाति के अनुरुप आरक्षण का लाभ उठा रहे है तथा पीछे रह गये अपने जाति के भाईयों का ही हक मार रहे है और आरक्षण को विस्तृत करके प्रतिभाओं को देश से पलायन करने के लिए मजबूर कर रहे है। एक जाति में ही अगड़े व पिछड़े बन गये है तथा एक प्रकार का द्वन्द्ध ही इन अगड़ों व पिछड़ों में होना शुरु हो गया है।

जातियों की सूची बनाने का काम ज्यादा पुराना नहीं है। आखिर कब से जाति बनी? तो गत शासकों ने अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए ही जातियों का निर्माण कर उन्हें महत्व दिया। ब्रिटिश शासकों ने भी समाज को बांटने के इस जाति निर्धारण कार्य में अपना सहयोग दिया। प्राचीन काल में हिन्दू समाज में जातियों को लेकर विखंड़न नहीं था अपितु एकता तथा जुड़ाव का आधार सभी जातियों में था। कोई ऊंच व नीच जाति नहीं मानी जाती थी। सामूहिकता के सिद्धान्त पर सभी जातियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती थी। कर्म के अनुसार जातियों का निर्धारण होता था। जैसे ही बच्चा जन्म लेता था वैसे ही वह अपनी जाति को आंबटित कर्म में रोजगार पाने का अधिकारी हो जाता था। गांव व शहर में किसी प्रकार से बेरोजगारी नहीं थी। आज भी हम देखते है कि नगरपालिका आदि में जैसे ही सफाई कर्मियों की भर्ती का विज्ञापन प्रकाशित होता है वैसे ही वाल्मीकि इत्यादि जातियों के लोग मांग करते है कि यह काम तो उनका है. उन्हें ही सफाई कर्मी के रुप में भर्ती किया जाय जबकि वाल्मीकि दूसरे रोजगारों में जाने के लिए भी स्वतंत्र होते है। वर्तमान समय में भी सफाई के कार्य में वाल्मीकियों के द्वारा अधिकार जमाना क्या दर्शाता है? उनके लिए यह अधिकार जमाना कोई विवशता नहीं है अपितु अपने वर्ग के अनुसार कर्म व रोजगार को प्राप्त करने के लिए सजगता ही दिखाता है। यह सजगता ही वर्ग विशेष के युवा को अपने वर्ग के अनुरुप रोजगार पाने के लिए एक अधिकार देती है। आज के युवाओं को अपने वर्ग के पेशे का भी अन्दाज नहीं है. बस उन्हें तो सरकारी नौकरी के लिए आरक्षण की मांग रहती है। प्रत्येक व्यक्ति किसी भी वर्ण का हो, पैतृक कार्य व धन्धा अपना सकता है।

लोकतांत्रिक आस्था और उसका परिमार्जित मूल्यांकन

संजीव ठाकुर

आजादी के 75 वे वर्ष के व्यतीत हो जाने के बाद स्वाधीनता एवं लोकतंत्र की आस्था का सही मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हमें स्वतंत्रता अनथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास को हमें अनंत काल तक बनाए रखना है और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2022 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है। वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया। वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए। संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया।

कचरे को कचरा मत कहो

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आह, कचरा! हमारी आधुनिक दुनिया का गुमनाम नायक। यह वास्तव में अविश्वसनीय है कि कैसे पूरी तरह से और पूरी तरह से बेकार कोई चीज़ हमारे जीवन में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।आइए कचरे की व्यापक सुविधा की सराहना करने के लिए कुछ समय निकालें। मेरा मतलब है कि इसके बारे में सोचें। जब हमारे घर बेतरतीब और अनावश्यक वस्तुओं से अव्यवस्थित हो जाते हैं, तो हम उन्हें देखते ही देखते कूड़ेदान में फेंक देते हैं! समस्या हल हो गई। यह जादू की तरह है, सिवाय इसके कि एक खरगोश को टोपी से बाहर निकालने के बजाय, हम पुराने केले के छिलके और खाली चिप बैग को एक बदबूदार प्लास्टिक बैग में भर रहे हैं और इसे खत्म कर रहे हैं।और आइए कचरे के पर्यावरणीय प्रभाव को न भूलें।

यह बहुत ही हृदयस्पर्शी है, है ना? मेरा मतलब है, किसे सुरम्य नदी में तैरती हुई प्लास्टिक की बोतलों का दृश्य, या अपशिष्ट कचरे से गुजरते समय बगुले की चीख़ की आवाज़ पसंद नहीं होगी? यह प्रकृति द्वारा इतनी सुंदर गंदगी पैदा करने में किए गए सभी प्रयासों के लिए धन्यवाद कहने का एक तरीका है। लेकिन कचरे के बारे में मेरी सबसे पसंदीदा चीज़ वह तरीका है जिससे यह लोगों को एक साथ लाता है। कुछ भी ₹सामुदायिक बंधन₹ नहीं कहता है, जैसा कि पड़ोसियों को इस बात पर बहस करते हुए देखना कि कूड़ा उठाने की बारी किसकी है, या सुबह होते ही सड़क पर कूड़ा उठाने वाले ट्रकों की मधुर ध्वनि। यह एक दैनिक अनुस्मारक की तरह है कि हम सब एक साथ हैं, बस अपने परिवेश को अच्छा और साफ-सुथरा रखने की कोशिश कर रहे हैं।और आइए गंध को न भूलें। ओह, गंध. उत्साह बढ़ाने और इंद्रियों को जगाने के लिए सड़ते भोजन और गीले कार्डबोर्ड की आनंददायक सुगंध से बेहतर कुछ नहीं है। यह गंधों का कचरागान की तरह है, प्रत्येक पिछले से अधिक तीखा और आक्रामक है।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कचरा बीनने वाले हमारे समय के सबसे कम सराहे गए नायकों में से कुछ हैं।तो यहाँ कचरा है, हमारी आधुनिक दुनिया का गुमनाम नायक। इसके बिना, हमें अपने घरों को अव्यवस्थित करने, पर्यावरण को नष्ट करने, अपने पड़ोसियों के साथ संबंध बनाने और अपनी घ्राण इंद्रियों पर हमला करने के नए और रचनात्मक तरीके खोजने होंगे। और वास्तव में, इसके लिए समय किसके पास है जब एक बिल्कुल अच्छा कूड़ादान भरने का इंतज़ार कर रहा हो?

आज भाई दूज पर राशि अनुसार भाई को करें तिलक

स्वस्थ और दीर्घायु रहेगा भैया

भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक भाई दूज दिवाली के 2 दिन बाद मनाया जाता है. इस दिन जो बहनें भाई को तिलक करती हैं उनका कल्याण होता है. जानें भाई दूज की पूजा का मुहूर्त, तिलक विधि

अटूट स्नेह, पवित्र रिश्ते तथा विश्वास के बंधन का प्रतीक त्यौहार है, 'भैयादूज, जो कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया, बुधवार 15 नवम्बर के दिन है, साथ ही इस दिन अतिगंड और पराक्रम योग भी है, इसे यम द्वितीया भी कहते हैं। इस दिन बहनें भाईयों के स्वस्थ तथा दीर्घायु होने की मंगलकामना करते हुए उन्हें तिलक लगाती हैं। इस दिन भाई द्वारा बहन के घर जाकर वहां भोजन करने का विधान है।

किसने मनाया पहला भाई दूज

भाई दूज के दिन सूर्य की पुत्री यमुना ने सबसे पहले अपने भाई यमदेव को भोजन कराकर तिलक लगाया था, इसलिए इस त्यौहार को 'यम द्वितीया' भी कहा जाता है। इस पांचवे पर्व के साथ दीपोत्सव के पंच पर्वों की समाप्ति होती है। यदि धनतेरस के दिन कोई व्यक्ति यमदीप जलाना भूल जाएं तो इस दिन भी यमदीप जलाया जा सकता है। इस दिन सांयकाल पर 09 दीप प्रज्जवलित करें और नौ ही ग्रहों से यह प्रार्थना करें कि मेरे जीवन के प्रत्येक भाव में आपकी कृपा स्थापित हो, जो इस ज्योत की तरह मेरे जीवन को प्रकाशमान करती रहे।

भाई दूज 2023 मुहूर्त

इस बार भाईदूज के लिए शुभ मुहूर्त दोपहर सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजे तक। फिर शाम को 5 बजकर 15 मिनट से 6 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। इसके बीच ही भाई-बहन का ये त्यौहार मनाएं तो श्रेष्ठ रहेगा।

भाई दूज की पूजा विधि

तिलक सही दिशा में बैठकर ही करें। बहनें पूर्व की तरफ मुख करके बैठें और भाई उत्तर की तरफ मुख करके बैठें।

भाई के स्वस्थ तथा दीर्घायु के लिए करें-इस दिन बहन अपने भाई की लम्बी आयु एवं सुखमय जीवन के लिए एक हरा रंग का रूमाल या वस्त्र लें।

उसमें तीन मुठ्ठी हरे साबुत मूंग, एक ईलायची, एक लौंग, पांच गोमती चक्र और थोड़ी दूर्वा डालकर उसमें तीन गांठ बांध दें और फिर उसे अपने भाई के ऊपर से सात बार उसार दें।

उसारने के पश्चात अपने घर के ईषान कोण में रखकर उसके समक्ष गंगा पूजे यमुना को, यमी पूजे यमराज को, सुभद्रा पूजे कृष्ण को, ज्यों ज्यों गंगा यमुना नीर बहे मेरे भाई की आयु बढ़े फले-फुलें इस मंत्र का 11 या 21 बार जाप करें।

अब निवेदन करें कि मेरे भाई को सभी तरह के कष्टों से मुक्त करके सुख-समृद्धि व शांति प्रदान करें। ऐसी प्रार्थना करने के पश्चात उस पोटली को पीपल के पेड़ में डाल दें।

राशि अनुसार भाई को तिलक लगाएं

भाई दूज के दिन यदि बहनें अपने भाई की राशि के अनुसार तिलक लगाएं तो ज्यादा शुभ फलदायी रहेगा

मेष राशि – यदि आपके भाई की राशि मेष है, तो उसको केसरिया तिलक लगाएं।
वृषभ राशि – आपके भाई की राशि वृषभ है तो केसरिया रंग में थोड़ी हल्दी मिलाकर तिलक करें।
मिथुन राशि – यदि आपके भाई की राशि मिथुन है, तो लाल रंग के सिन्दूर से तिलक करें।
कर्क राशि – आपके भाई की राशि कर्क है तो केसरिया रंग में थोड़ी हल्दी मिलाकर तिलक करें।
सिंह राशि – आपका भाई सिंह राशि का है, तो केसरिया तिलक लगाएं।
कन्या राशि – यदि आपके भाई की राशि कन्या है तो लाल रंग के सिन्दूर से तिलक करें।
तुला राशि – आपके भाई की राशि तुला है तो केसरिया रंग में थोड़ी हल्दी मिलाकर तिलक करें।
वृश्चिक राशि – आपका भाई वृश्चिक राशि का है, तो केसरिया तिलक लगाएं।
धनु राशि – यदि आपके भाई की राशि धनु है तो हल्दी का तिलक लगाएं।
मकर राशि – भाई की राशि मकर है तो लाल रोली में चन्दन मिलाकर तिलक करें।
कुंभ राशि – आपके भाई की राशि कुंभ है तो लाल रोली में चन्दन मिलाकर तिलक करें।

भूलकर भी आज के दिन बहन या भाई काले वस्त्र न पहनें।

भाई को तिलक करने से पहले बहनें अन्न ग्रहण न करें। बल्कि तिलक के बाद साथ में बैठकर भोजन करें।

घर में लगाएं इन रंगों की तस्वीर होगा धन का आगमन, दांपत्य जीवन भी रहेगा सुखमय

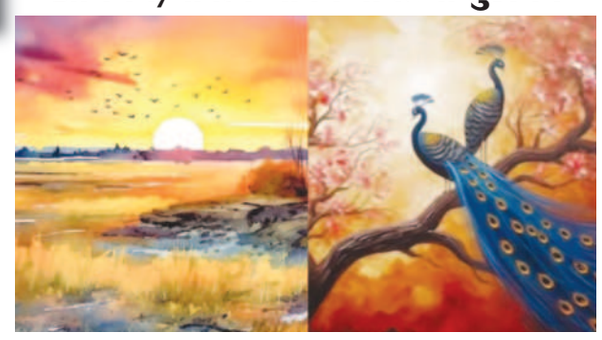

वास्तु शास्त्र में आज हम बात करेंगे घर में तस्वीरों के रंग के बारे में। सबके घरों में अपनी पसंद के हिसाब से अलग-अलग तरह की, अलग-अलग रंग की तस्वीरे लगी होती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लगाई जाने वाली तस्वीर भी घर पर बहुत असर डालती हैं, इसलिए घर में हर कमरे को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग रंगों की तस्वीर लगानी चाहिए। अगर घर के कमरों में प्रकृति से संबंधित रंग की तस्वीर लगाई जाए तो यह घर में रहने वाले सदस्यों के लिए बिजनेस, पढ़ाई, धन लाभ जैसे कई सुनहरे अवसरों के आगमन का कारण बन सकती है।

वास्तु के मुताबिक, बेडरूम में यदि लाल या गुलाबी रंग की तस्वीर लगाई जाये तो पति- पत्नी के बीच प्यार और विश्वास बना रहता है। तकरार की गुंजाइश कम हो जाती है। इसके अलावा स्टडी रूम में हल्के भूरे या हल्के नीले रंग की तस्वीर लगाना अच्छा रहता है। इससे बच्चों का मन पढ़ाई में लगा रहता है और तस्वीर को देखकर उन्हें सुखद अहसास होता है, जबकि बच्चों के सोने के कमरे में नारंगी या बैंगनी रंग की तस्वीर लगानी चाहिए।

समुद्र मंथन से प्रकट हुई थी महालक्ष्मी

450 साल पुराना है उदयपुर का यह लक्ष्मी मन्दिर, इस दिन होती है भव्य सजावट

दिवाली की धूम चारो तरफ छाई हुई है, ऐसे में हम आपको उदयपुर शहर में स्थित करीब 450 साल पुराने लक्ष्मी मन्दिर के बारे में बताने जा रहे। इस मंदिर से उदयपुर संभाग की श्रद्धा जुड़ी हुई है। यह मंदिर जगदीश मंदिर के बच्चे हुए पत्थर से बनवाया गया था। मान्यता यह भी है कि इस मंदिर की मूर्ति समुद्र मंथन के समय प्रकट हुई थी। मान्यता है कि महालक्ष्मी समुद्र मंथन से प्रकट हुई थी। श्रीमाली जाती सम्पति व्यवस्था ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैयालाल त्रिवेदी ने बताया कि महालक्ष्मी मंदिर तत्कालीन महाराणा जगत सिंह के वक्त बना था। यह मंदिर करीब 400 साल पुराना है।

इस मंदिर का निर्माण जगदीश मंदिर के निर्माण के वक्त जो पत्थर व सामग्री बच गई थी उससे हुआ था। वहीं, इस मंदिर के निर्माण के बाद जो सामग्री बची उससे मंदिर के सामने गणेश मंदिर का निर्माण करवाया था। उन्होंने बताया कि महालक्ष्मी की प्रतिमा भीनमाल से लाए थे। यह प्रतिमा सफेद पत्थर के हाथी पर बैठी हुई है। ठीक उसी तरह से जिस तरह से माता समुंद्र से निकली थी

दिवाली पर होती है भव्य सजावट

उदयपुर के भट्टीयानी चोहटा स्थित लक्ष्मी मंदिर पर व अंदर श्रीमाली समाज विद्युत सजा करता है व जगदीश चौक से रंग निवास तक भट्टियानी चौहटा दीपोत्सव समिति की ओर से विद्युत सजा की को जाती है। धनतेरस के दिन से भाई-दूज तक संभाग भर से श्रद्धालु पहुंचते है। खेखेरे के मौके पर भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन भी किया जाता है।

यहां सूर्य देव को तीन पहर अर्घ्य देने का है विधान, इस मंदिर में क्यों है ऐसी मान्यता

लोक आस्था के महापर्व छठ त्योहार में महज कुछ दिन शेष है। बिहार, उत्तर प्रदेश सहित दुनिया के जिस भी कोने में यहां के लोग रहते हैं। इस पर्व को पूरी आस्था के साथ मनाते हैं। ऐसे में हम बिहार के कुछ ऐसे सूर्य मंदिरों के बारे में बताएंगे, जहां केवल छठ पर सूर्य को डूबते और उगते समय ही अर्घ्य देने का विधान नहीं है, बल्कि इन मंदिरों में सूर्य को तीनों पहर अर्घ्य देने का विधान है। बिहार के गया में दिन के तीनों पहर सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यहां भगवान भास्कर को सुबह, दोपहर और शाम में अर्घ्य दिया जाता है। यहां के बारे में कहा जाता है कि यहां भगवान भास्कर ब्रह्मा, विष्णु और महेश यानी त्रिदेव के रूप में विराजते हैं। इसलिए यहां भगवान सूर्य को तीनों पहर अर्घ्य देने का विधान है।

भगवान सूर्य के तीन स्वरूपों की होती है पूजा

ब्राह्मणी घाट स्थित विरंचिनारायण सूर्य मंदिर के पुजारी आचार्य मनोज कुमार मिश्र बताते हैं कि गया में भगवान सूर्य के तीन स्वरूपों की पूजा होती है। इनमें जो प्रतिमाएं हैं, उसमें सूर्य की प्रातः कालिन, मध्यकालिन और सायंकालिन प्रतिमाएं प्रमुख हैं। मानपुर के सूर्य मंदिर में सूर्य की प्रातः कालीन प्रतिमा को अर्घ्य दिया जाता है। जहां भगवान आदित्य ब्रह्मा के रूप में विराजमान हैं।

इसके बाद यहीं ब्राह्मणी घाट पर विरंचिनारायण सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर भगवान शंकर के रूप में विराजते हैं और इनको यहां मध्याह्न में अर्घ्य दिया जाता है। यहां भगवान सूर्य के संपूर्ण परिवार की प्रतिमा है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण सतयुग में गयासुर ने कराया था। इसके साथ ही विष्णुपद स्थित सूर्यकुंड के पास भगवान आदित्य विष्णु रूप में विराजते हैं। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि यह भगवान ब्रह्मा ने बनवाया था और यहां संध्या अर्घ्य का विधान है।

ब्राह्मणीघाट पर स्थित है भगवान भास्कर की अद्भुत प्रतिमा

शहर में विरंचिनारायण के नाम से सुविख्यात ब्राह्मणीघाट स्थित भगवान भास्कर की अद्भुत प्रतिमा स्थापित है। शालिग्राम पत्थर की यह प्रतिमा दर्शनीय के साथ-साथ साधनीय भी है। लगभग सात फीट की सांगोपांग सूर्य की मूर्ति अपने पूरे परिवार के साथ यहां अतिप्राचीन काल से विराजमान है। भगवान सूर्य के दोनों पुत्रों शनि एवं यम के साथ ही सूर्यपत्नी संज्ञा, सारथी अरुण के साथ सात घोड़े एवं एक चक्के के रथ पर विराजमान हैं। मुख्य प्रतिमा के ऊपर दोनों ओर अंधकार को भगाने वाली दो देवी उषा एवं प्रत्युषा की भी प्रतिमा साथ में विराजमान हैं।

-उत्तम यादव

पूजा घर में भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए माचिस की डिब्बी

वास्तु शास्त्र में पूजा घर से लेकर पूजा-पाठ के नियम व दिशा बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करने से पूजा सफल होती है और घर पर सुख-समृद्धि आती है। वास्तु शास्त्र के साथ-साथ हिंदू धर्म में भी पूजा-पाठ के लिए कई नियम बताए गए हैं।

हर घर पर देवी-देवताओं की पूजा के लिए एक विशेष स्थान, पूजाघर या मंदिर बना होता है। यह घर का सबसे पवित्र स्थान होता है। पूजा घर में देवी-देवताओं की नियमित पूजा भी की जाती है। इसलिए यह बेहद जरूरी हो जाता है कि इस पवित्र स्थान पर किसी तरह का कोई दोष न हो।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजा घर में दोष होने से कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। पूजा घर में हम पूजा पाठ से जुड़ी सामग्री को रखते हैं, इनमें ही शामिल होती है माचिस की डिब्बी, जिसके लिए बताया गया है कि पूजा घर में माचिस की डिब्बी रखना अशुभ होता है।

पूजा में क्यों नहीं रखनी चाहिए माचिस की डिब्बी

—पूजा घर में माचिस की डिब्बी रखने से घर पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। पूजा घर पवित्र स्थान होता है, ऐसे में इस पवित्र स्थान पर ज्वलनशील सामग्री रखना अशुभ माना जाता है।

—माचिस के साथ ही पूजाघर में लाइटर आदि जैसी ज्वलनशील सामग्री भी नहीं रखनी चाहिए। यदि आप पूजा-पाठ का शुभ फल पाना चाहते हैं तो, मंदिर में इन चीजों को न रखें। आप धूप-दीप जलाने के बाद इसे किसी अन्य स्थान पर रख सकते हैं।

—वास्तु शास्त्र के अनुसार, माचिस को मंदिर में या भगवान की मूर्ति के पास नहीं रखना चाहिए। माचिस जलाने के बाद इसकी तीली को भी मंदिर में नहीं फेंकना चाहिए, क्योंकि माचिस की जली हुई तीलियां नकारात्मकता को बढ़ाती हैं, जोकि घर के लिए दुर्भाग्य का कारण भी बनती है।

—वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिर या पूजाघर के साथ ही बेडरूम में भी माचिस या लाइटर जैसी ज्वलनशील चीजें नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से इसका नकारात्मक प्रभाव दांपत्य जीवन पर पड़ता है।

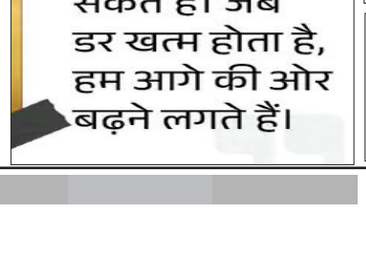

जिन लोगों के पास अच्छे मित्र और सच्चे सलाहकार हैं, उनके जीवन में कोई भी समस्या ज्यादा समय तक टिक नहीं पाती है।

अपने आसपास अच्छाई देखने के लिए हमारी सोच का सकारात्मक होना जरूरी है। सोच अच्छी होगी तो हर जगह अच्छाई ही दिखाई देगी।

यमराज ने अपनी बहन यमुना को दिया था यह वचन, पढ़िए भाई दूज की कथा

प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। इस विशेष दिन पर बहनें यमराज की पूजा करती हैं ताकि उनके भाई को जीवन में सफलता मिले और उनकी उम्र लंबी बनी रहे। भाई दूज मनाने के पीछे यम और यमुना से जुड़ी एक पौराणिक कथा मिलती है, आइए जानते हैं वह कथा।

भाई दूज कथा

पौराणिक कथा के अनुसर सूर्यदेव की पत्नी का नाम छाया था। उनके पुत्र यमराज और पुत्री यमुना थी। यमराज अपनी बहन यमुना से बहुत लगाव रखते थे। यमुना बार-बार यमराज से अपने घर आने का निवेदन करती थी, लेकिन काम की अधिकता के चलते वह अपनी बहन से मिलने नहीं जा पाते थे। एक दिन यमुना ने यमराज के वचन लिया कि वह कार्तिक माह की शुक्ल द्वितीया तिथि पर उसके घर आएंगे। लेकिन यमराज को यमुना के घर जाने में थोड़ा संकोच होने लगा, क्योंकि वह लोगों के प्राणों को हरते हैं, ऐसे में कौन उन्हें अपने घर बुलाएगा। लेकिन बहन को वचन देने के कारण वह यमुना के घर चले जाते हैं। अपने भाई यम को देख यमुना बहुत प्रसन्न हो जाती हैं और आतिथ्य भाव से उनकी सेवा की। यमुना ने अपने भाई के लिए तरह-तरह के पकवान बनाए। अपनी बहन का सेवा भाव देख यमराज बहुत प्रसन्न हुए और यमुना से कोई वर मांगने के लिए कहा। इसपर यमुना ने उनसे वचन लिया कि हर साल इसी तिथि यानी कार्तिक माह की शुक्ल द्वितीया पर वह मेरे घर आकर भोजन किया करें। यमराज ने भी उन्हें तथास्तु कहते हुए उन्हें तरह-तरह की भेंट भी दी। माना जाता है कि इसी दिन से भाई दूज की प्रथा शुरू हुई।

यह है मान्यता

साथ ही यह भी मान्यता है कि जो भी भाई इस दिन यमुना नदी में स्नान कर बहन के आतिथ्य को स्वीकार करता है और अपनी बहन से तिलक करवाता है, उसे यम का भय नहीं रहता है। साथ ही यह भी माना गया है कि इस दिन अगर भाई बहन पवित्र नदी यमुना में स्नान करते हैं तो उन्हें लंबी उम्र का वरदान मिलता है।

पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखेगी शाहरुख और विजय की जोड़ी! एटली ने अगले प्रोजेक्ट पर दिया अपडेट

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' ने सफलता के नए मानक तय किए हैं। यह भारतीय सिनेमा की सफलतम फिल्म बनकर उभरी है। इस फिल्म का निर्देशन तमिल फिल्म निर्माता एटली ने किया है। फिल्म में जहां शाहरुख के साथ साउथ सुपरस्टार नयनतारा लीड रोल में नजर आईं। वहीं, दीपिका पादुकोण भी कैमियो रोल में नजर आईं। अब निर्देशक ने खुलासा किया है कि वह अगले प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं और इस फिल्म के लिए वह दो सुपरस्टार को एक साथ स्क्रीन पर लेकर आएंगे।

'जवान' की रिलीज से पहले शाहरुख खान की फिल्म में विजय के कैमियो करने के बारे में कई अफवाहें उड़ी थीं । ऐसा कहा गया था कि तमिल स्टार ने चेन्नई में एक गुप्त शेड्यूल के लिए शूटिंग की थी, जहां जिंदा बंदा गाना फिल्माया गया था। 'जवान' की रिलीज के बाद ऐसी अटकलें थीं कि दोनों सुपरस्टार एटली की निर्देशित एक फिल्म में अभिनय कर रहे हैं। अब निर्देशक ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि वह दोनों सितारों वाली एक फिल्म की सक्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में एटली ने कहा, 'जब जिंदा बंदा की शूटिंग हुई थी तो मैंने शाहरुख और विजय की उपस्थिति में अपना जन्मदिन भी मनाया। मैंने विजय अन्ना को फोन किया और उन्हें अपनी बर्थडे पार्टी में आमंत्रित किया और उन्होंने कहा कि वह इसे निश्चित रूप से बनाएंगे। इसलिए जब वह आए तो शाहरुख सर और अन्ना ने आपस में चर्चा की और मुझे बुलाया।'

एटली ने आगे कहा, 'शाहरुख सर ने मुझसे कहा कि अगर मेरी कभी दोहरी हीरो वाली फिल्म निर्देशित करने की योजना हो तो वे दोनों इसके लिए तैयार हैं। विजय अन्ना ने भी कहा अमा पा'। इसलिए, मैं इस पर काम कर रहा हूं। यह मेरी अगली फिल्म हो सकती है।'

एटली ने यह भी कहा, 'मैं इसके लिए एक सक्रिप्ट लाने के लिए बहुत मेहनत कर रहा हूं। बता दें कि जवान स्टारर शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म डंकी को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। यह मल्टी स्टारर फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

'खिचड़ी 2' को लेकर उत्साहित हैं कीर्ति, बोलीं- फिर से परमिंदर का किरदार करते हुए खुशी हो रही है

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी को इंडस्ट्री में 13 साल पूरे हो गए हैं। अभिनेत्री बॉलीवुड फिल्मों और कुछ शानदार ओटीटी प्रोजेक्ट में काम करने के बाद अब इंटरनेशनल फिल्म में काम कर रही हैं। अभिनेत्री की पहली इंटरनेशनल फिल्म का नाम है 'सच इस लाइफ'। इंडस्ट्री में एक दशक से अधिक वक्त गुजार चुकीं कीर्ति का कहना है कि उन्हें यह महसूस नहीं होता कि इंडस्ट्री में उन्हें 13 साल हो गए हैं। ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात है।

'खिचड़ी' से किया था डेब्यू

बता दें कि कीर्ति कुल्हारी ने साल 2010 में आई फिल्म 'खिचड़ी' से डेब्यू किया था। इसमें वह पंजाबी लड़की परमिंदर की भूमिका में नजर आईं। अब खिचड़ी का सीक्वल आ रहा है। कीर्तिक का कहना है, 'फिल्म 'खिचड़ी 2' को बनाने 12-13 साल लग गए। खुशी है कि फाइनली यह रिलीज होने वाली है। मैं डेब्यू फिल्म में परमिंदर का रोल किया था और अब 13 साल बाद फिर से वह रोल करते हुए बेहद खुशी हो रही है'।

इंटरनेशनल फिल्म में आएंगी नजर

अभिनेत्री ने आगे कहा कि अब वह अपने आगामी इंटरनेशनल प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'यह रोमांचक अनुभव है कि मेरा करियर अब इंटरनेशनल स्तर हासिल कर रहा है और आगे बढ़ रहा है। यह अपने आप में होने वाली एक सहज तरक्की है। सही चीजें सही समय पर हो रही हैं।'

यह किरदार करेंगी

फिल्म 'सच इज लाइफ' में अपने किरदार पर बात करते हुए कीर्ति कुल्हारी ने कहा, 'इस फिल्म की जो सबसे खास बात मुझे लगी वो यह कि यह वास्तविक कहानी पर आधारित है। मैंने इस किस्म का रोल पहले कभी नहीं किया। यह काफी चुनौतीपूर्ण फिल्म है और हर किरदार में उतार-चढ़ाव हैं। मैं फिल्म में डेजी मुंशी का रोल अदा कर रही हूं, जो मां का किरदार है। यह काफी चैलेंजिंग है'। बात करें 'खिचड़ी 2' की तो यह फिल्म 17 नवंबर को रिलीज होगी।

द आर्चीज में स्टार किड्स को लेकर जोया ने मीडिया पर कसा तंज, बोलीं- 'आपने बाकी चार को अनदेखा किया'

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' शुरुआत से ही सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म से कई स्टार किड्स अपना डेब्यू कर रहे हैं, जिसमें सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा का नाम शामिल है। हाल ही में एक बातचीत में जोया अख्तर और रीमा कागती ने कहा कि मीडिया भाई-भतीजावाद की बहस को लेकर पाखंडी हो रहा है। क्योंकि मीडिया ने स्टार किड्स सुहाना, खुशी और अगस्त्य पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि अन्य चार कलाकार युवराज मेंडा दिल्टन डोइली, अदिति डॉट सहगल, मिहिर आहूजा और वेदांग रैना को नजरअंदाज किया। जोया अख्तर और रीमा कागती से एक बातचीत के दौरान पूछा गया कि जब द आर्चीज में कास्टिंग की बात आई तो क्या सुहाना, खुशी और अगस्त्य के नामों से कोई फर्क नहीं पड़ा। इसपर जोया ने कहा, 'उन्होंने चार गैर-स्टार किड्स को भी कास्ट किया, लेकिन मीडिया ने उन पर ध्यान केंद्रित करना नहीं चुना। उन्होंने कहा, 'उस पोस्टर पर सात बच्चे थे और मीडिया ने केवल तीन, सुहाना, अगस्त्य और खुशी के बारे में बात की और फिर पलट कर हमें ही भाई-भतीजावाद के बारे में बताते हैं।'

उन्होंने कहा, 'दरअसल, आप ही हैं जो अन्य चार लोगों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आपने ही उनसे उनका ये पल छीना है और यह देखकर बहुत बुरा लगता है। हमने वहां पर सात बच्चों को रखा है। आपने अभी चार को नजरअंदाज कर दिया है और उनका यह क्षण छीन लिया। मुझे इसका बहुत अफसोस है।'

वहीं, रीमा कागती ने कहा कि काफी लोग उन्हें ये बोलते हैं कि उन्होंने स्टारकिड्स को कास्ट किया है। तब वह उन्हें याद दिलाती हैं कि फिल्म के ट्रेलर में सात बच्चे थे। उन्होंने कहा, 'मैं लोगों से बोलती हूं, ट्रेलर में सात बच्चे थे, क्या आप अन्य चार के नाम जानते हैं? क्या आपने उन्हें देखने की जहमत उठाई? क्योंकि हम उन्हें लेकर बहुत उत्साहित हैं। वास्तव में जो हुआ वह अन्य चार और तीनों के लिए काफी बुरा था।' जोया अख्तर ने कहा कि वह हमेशा यह सोच कर कास्टिंग करती हैं कि फिल्म के लिए क्या काम करेगा, और उन पर किसी को कास्ट करने का कोई दबाव नहीं था। जोया ने कहा, उन्होंने कई ऑडिशन दिए। ये वे लोग हैं जो ऐसे कलाकार बनना चाहते हैं, जिन्होंने आकर परीक्षण किया है और मैं उनके साथ गई जिसके बारे में मुझे यह लगा कि यह सबसे अच्छा काम करेगा।' बता दें कि यह फिल्म 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

पसंदीदा एक्ट्रेस का नाम पूछे जाने पर विक्की ने साधी चुप्पी, बोले- 'घर पर कलेश नहीं कराऊंगा'

अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सैम बहादुर' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म अगले महीने रिलीज होगी। एक्टर इसके प्रमोशन में जुट गए हैं। हाल ही में उन्होंने इंडियन आर्मी के सिख रेजीमेंट के जवानों से मुलाकात की। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मुलाकात के दौरान एक जवान ने अभिनेता की फेवरेट अदाकार के बारे में पूछ लिया। इसका विक्की कौशल ने दिलचस्प जवाब दिया।

बोले- कोई और नहीं दिखता

विक्की कौशल से मुलाकात के दौरान सेना के जवान ने उनसे कई दिलचस्प सवाल पूछे। एक जवान ने पूछ लिया कि पत्नी कटरीना कैफ के अलावा उनकी पसंदीदा अभिनेत्री कौन हैं? इसका जवाब देते हुए विक्की ने कहा, 'पाजी, एक जवाब के चक्कर में घर पर कलेश नहीं करूंगा। मुझे और कोई एक्ट्रेस दिखती ही नहीं है। एक ही है। मेरा मिशन भी बिल्कुल आर्मी की तरह ही है। जो मिशन है, फिर वही है'।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विक्की, सैम मानेकशॉ का किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर बनी है। फिल्म एक दिसंबर 2023 को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला रणबीर कपूर की 'एनिमल' से होगा।

'टाइगर 3' में नजर आईं कटरीना

बात करें कटरीना कैफ के वर्क फ्रंट की तो वह इन दिनों फिल्म 'टाइगर 3' में सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं। यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। दूसरे दिन ही इसने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके अलावा यह पहले सोमवार को सर्वाधिक कलेक्शन करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म में इमरान हाशमी नेगेटिव रोल में हैं। इसके अलावा शाहरुख खान, ऋतिक रोशन का कैमियो रोल है।

जिसने भी देखा वह राजपाल यादव की अदाकारी से हैरान, 'अपूर्वा' में जुगनू भैया पर अभी से सबकी नजर

काफी लंबे समय के बाद अभिनेता राजपाल यादव अपनी आगामी फिल्म 'अपूर्वा' में निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म के स्पेशल शोज होने शुरू हो चुके हैं और जिन लोगों ने भी ये फिल्म देख ली है, सब इस फिल्म मे राजपाल यादव के बतौर विलेन अभिनय के कायल होते दिख रहे हैं। करियर के शुरुआत में राजपाल यादव ने रामगोपाल वर्मा की फिल्म 'जंगल' में भी निगेटिव भूमिका निभाई थी। राजपाल यादव ने यादव ने अपने करियर में कॉमेडी के अलावा भी कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। आइए नजर डालते हैं राजपाल यादव के 10 जबर्दस्त किरदारों के बारे में..

अपूर्वा

फिल्म 'अपूर्वा' में राजपाल यादव एक ऐसे निगेटिव किरदार में नजर आएंगे जिसकी हंसी उसके गिरोह के लोग ही उड़ाते रहते हैं। इस किरदार का नाम है जुगनू भैया और उसके गिरोह में तीन और लड़के भी शामिल हैं। ये गिरोह चंबल के इलाके से एक लड़की को अगवा कर लेता है। इस फिल्म में 'अपूर्वा'' की शीर्षक भूमिका अभिनेत्री तारा सुतारिया ने निभाई है। निखिल नागेश भट के निर्देशन में बनी यह फिल्म 15 नवंबर 2023 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर राजपाल यादव काफी उत्साहित हैं, क्योंकि काफी लंबे समय के बाद उनकी मौजूदा छवि से हटकर किरदार निभाने का मौका मिला है।

भूल भुलैया 2

प्रियदर्शन की फिल्म 'भूल भुलैया' में छोटे पंडित के किरदार में राजपाल यादव को खूब पसंद किया गया। इस फिल्म में राजपाल यादव का लुक ही ऐसा था कि जिसे देखकर हंसी छूट जाए। इस फिल्म में अपने शानदार अभिनय और कॉमेडी से फिल्म की कहानी में जान भर दी थी। 'भूल भुलैया 2' में भी राजपाल इसी किरदार में नजर आए थे। अनीज बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजपाल यादव ही ऐसे कलाकार थे जो 'भूल भुलैया' के बाद 'भूल भुलैया 2' में नजर आए। भूल भुलैया 12 अक्टूबर 2007 और 'भूल भुलैया 2' 20 मई 2022 को रिलीज हुई थी।

दे दना दन

प्रियदर्शन की फिल्म 'दे दना दन' में राजपाल यादव ने एक वेटर दगड़ू यादव की भूमिका इतनी शिद्दत से निभाई कि दर्शक उनके कायल हो गए। फिल्म के आखिरी सीन में भी राजपाल यादव का कमाल का परफॉर्मेंस था। उन्होंने दर्शकों को गुदगुदाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।इस फिल्म अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल जैसे बड़े कलाकार की मौजूदगी में राजपाल यादव ने अपनी एक अलग पहचान बनाई। 27 नवंबर 2009 को रिलीज हुई थी।

अंडर ट्रायल

फिल्म 'अंडर ट्रायल' में राजपाल यादव अपने करियर में निभाए गए किरदारों में काफी अलग किरदार था। इस फिल्म में राजपाल ने सागर हुसैन की भूमिका निभाई थी, जिस पर अपनी ही बेटी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगता है। इस फिल्म में राजपाल यादव के किरदार को समीक्षकों ने खूब सराहा लेकिन यह फिल्म व्यावसायिक रूप से सफल नहीं रही। अजीज खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म 9 फरवरी 2007 को रिलीज हुई थी।

ढोल

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म 'ढोल' में भी राजपाल यादव ने अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ अपने किरदार में जान भर दी, बल्कि शरमन जोशी और कुणाल खेमू पर भी भारी पड़ थे। इस फिल्म में राजपाल यादव ने मार्तंडय का किरदार निभाया था। इस फिल्म में राजपाल यादव को फिल्म के बाकी कलाकारों से ज्यादा स्क्रीन साझा करने का मौका मिला था। यह फिल्म 21 सितंबर 2007 को रिलीज हुई थी।

मालामाल वीकली

निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'मालामाल वीकली' में राजपाल यादव ने सुधा चंद्रन यानि ठकुराइन के भाई 'बाजे' की भूमिका निभाई थी। लॉटरी सिस्टम के ऊपर बनाई गई इस फिल्म में रितेश देशमुख, रीमा सेन, परेश रावल, ओम पुरी की मुख्य भूमिकाएं थी। यह फिल्म 10 मार्च 2006 को रिलीज हुई थी। राजपाल यादव के करियर की यह सर्वश्रेष्ठ किरदार था। फिल्म की कहानी लाहोली के गरीब गांव पर आधारित है, जहां सूखे के बाद, ग्रामीणों की अधिकांश संपत्ति स्थानीय ठकुरानी करमकली के पास गिरवी रख दी जाती है तभी लीलाराम के हाथ एक लॉटरी लगती है और पूरा गांव उस लाटरी के पीछे लग जाता है।

चुप चुप के

फिल्म 'चुप चुप के' में राजपाल यादव ने बंड्या की भूमिका निभाई थी। बंड्या के किरदार में राजपाल यादव ने दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों को अपना मुरीद बना दिया। इस फिल्म के कई डायलॉग खूब लोकप्रिय हुए थे। राजपाल यादव ने अपनी मजेदार कॉमेडी से फिल्म में चार चांद लगा दिए थे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शाहिद कपूर, करीना कपूर, सुनील शेट्टी, परेश रावल, ओम पुरी, अनुपम खेर जैसे दिग्गज सितारों के बीच राजपाल यादव ने अपनी एक अलग जगह बनाई। यह फिल्म 9 जून 2006 को रिलीज हुई थी।

फिर हेरा फेरी

फिल्म ''फिर हेरा फेरी' में राजपाल यादव ने अंजली पाटेकर के भाई पप्पू पाटेकर का किरदार निभाया था। एक स्थानीय गुंडे के किरदार में राजपाल यादव के इस किरदार को खूब पसंद किया। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, बिपाशा बसु और परेश रावल की मुख्य भूमिकाएं थी। यह फिल्म 9 जून 2006 को रिलीज हुई थी।

मुझसे शादी करोगी

निर्देशक डेविड धवन की फिल्म में अभिनेता राजपाल यादव ने राज पुरोहित ज्योतिष और पॉल की दोहरी भूमिका निभाई थी। दोनों ही किरदार में राजपाल यादव के अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। एक किरदार में वह पंडित बने दिखे तो वहीं दूसरे में उन्होंने एक गैंग लीडर पॉल की भूमिका निभाई थी। उन्होंने अपने दोनों ही किरदारों को बखूबी पर्दे पर उतारा था। इस फिल्म में सलमान खान, अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा की मुख्य भूमिकाएं थी। यह फिल्म 30 जुलाई 2004 को रिलीज हुई थी।

जंगल

राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'जंगल' में न सिर्फ राजपाल यादव के अभिनय की खूब तारीफ हुई बल्कि इस फिल्म के राजपाल यादव को बेस्ट निगेटिव किरदार के लिए स्क्रीन अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

इस फिल्म में राजपाल यादव ने सिप्पा की भूमिका निभाई थी, इस फिल्म के उनके एक एक डायलॉग खूब लोकप्रिय हुए थे। इस फिल्म में सुनील शेट्टी, उर्मिला मातोंडकर, फरदीन खान की मुख्य भूमिकाएं थी। यह फिल्म 14 जुलाई 2000 को रिलीज हुई थी।